THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 69 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ शु.8 2080 रविवार, 28 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

नई संसद का इनॉगरेशन आज

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। नए संसद भवन का इनॉगरेशन रविवार दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। विभिन्न राज्यों से मेहमानों का आना भी शुरू हो चुका है।

इनॉगरेशन प्रोग्राम में प्रधानमंत्री को सुनहरा राजदंड (सेंगोल) भेंट करने के लिए चेन्नई के धर्मपुरम अधीनम के 21 संत भी चेन्नई से दिल्ली पहुंच गए हैं। ये संत मोदी के लिए एक खास तोहफा भी लाए हैं। नए संसद भवन में देश के हर क्षेत्र की झलक देखने को मिलेगी। इसकी फ्लोरिंग त्रिपुरा के बांस से की गई है। कालीन मिर्जापुर का है। लाल-सफेद सैंड स्टोन राजस्थान के सरमथुरा का है। वहीं निर्माण के लिए रेत हरियाणा के चरखी दादरी से और भवन के लिए सागौन की लकड़ी नागपुर से मंगाई गई है। भवन के लिए केसरिया हरा पत्थर उदयपुर, लाल ग्रेनाइट अजमेर के पास लाखा और सफेद संगमरमर राजस्थान के ही अंबाजी से मंगवाया गया है। लोकसभा और राज्यसभा की फाल्स सीलिंग में लगाई गई स्टील की संरचना दमन-दीव से मंगाई गई है। वहीं, संसद में लगा फर्नीचर मुंबई में तैयार किया गया। पत्थर की जाली का काम राजस्थान के राजनगर और नोएडा से करवाया गया। प्रतीक चिह्न अशोक स्तंभ के लिए सामग्री महाराष्ट्र के औरंगाबाद और राजस्थान के जयपुर से मंगवाई गई। वहीं लोकसभा-राज्यसभा की विशाल दीवार और संसद के बाहर लगा अशोक चक्र इंदौर से मंगाया गया है। >14

पीएम बोले-ज्यादा मेहनत से काम करने की ताकत मिलती है

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मौजूदा कार्यकाल के 9 साल पूरे होने पर लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, मैं सुबह से केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने को लेकर लोगों के ट्वीट देख रहा हूं। लोग 2014 से अब तक हमारी सरकार द्वारा किए गए कामों की सराहना कर रहे हैं। बधाई दे रहे हैं।

जनता का यह प्यार देखकर मुझे उनके लिए और ज्यादा मेहनत से काम करने की ताकत मिलती है। इधर, केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय आज दिल्ली के विज्ञान भवन में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र सरकार के सीनियर मंत्री इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कॉन्क्लेव में सरकार के कामकाज को लेकर चर्चा की गयी। >14

केसीआर से मिले केजरीवाल

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने की कवायद

हैदराबाद, 27 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को हैदराबाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। बताया गया है कि केजरीवाल ने दिल्ली पर लाए गए केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए यह मुलाकात की है। उनके साथ पंजाब के सीएम भगवंत मान और आप सांसद राघव चड्ढा भी बैठक में मौजूद रहे।

केजरीवाल इससे पहले बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र में शिवसेना-यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे, राकांपा नेता शरद पवार से मुलाकात की थी। पवार के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शरद पवार ने हमें आश्वासन दिया है कि जब ये (दिल्ली सरकार के खिलाफ केंद्र के अध्यादेश को बदलने वाला) बिल राज्यसभा में आएगा तो इस बिल को वहां पास नहीं होने देंगे, ये दिल्ली की लड़ाई नहीं है, ये पूरे संघीय संरचना की लड़ाई है।

मल्लिकार्जुन खड़गे-राहुल गांधी से भी करेंगे मुलाकात

केजरीवाल ने इसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि मैं इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मिलने के लिए समय मागूंगा।

पीएम ने नीति-आयोग की मीटिंग की, 8 मुख्यमंत्री नहीं आए

भाजपा ने विपक्ष से पूछा-मोदी विरोध में आप कहां तक जाएंगे

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की 8वीं मीटिंग खत्म हो गई है। यह दोपहर 12 बजे से शुरू हुई थी जो शाम साढ़े 4 बजे तक चली।

8 मुख्यमंत्री बैठक में नहीं आए। इनमें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन, केरल के सीएम पिन्नाराई विजयन और ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक शामिल हैं। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, जो मुख्यमंत्री बैठक में नहीं आए, वे जनता विरोधी और गैर-जिम्मेदार हैं। नीति आयोग देश के विकास और योजनाओं के लिए बहुत ही जरूरी है। इस बैठक के लिए 100 मुद्दे तय किए गए हैं। अब जो सीएम नहीं आए हैं वो अपने प्रदेश की जनता की आवाज यहां तक नहीं ला रहे हैं। मोदी विरोध में आप कहां तक जाएंगे?

राजधानी में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर केंद्र सरकार के लाए गए अध्यादेश के विरोध में दिल्ली, पंजाब, बंगाल, बिहार और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों ने बैठक का विरोध किया है। राजस्थान के सीएम गहलोत ने खराब तबीयत का हवाला दिया है, जबकि केरल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ने कोई कारण नहीं बताया। वहीं, नवीन पटनायक पहले से तय कार्यक्रम में चले गए।

इन 8 विषयों पर चर्चा हुई

आज की बैठक में 8 प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई। इनमें 2047 तक विकसित भारत, एमएसएमई पर जोर, इन्फ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट, अनुपालन का बोझ कम करना, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और पोषण, कौशल विकास, क्षेत्र के विकास और सामाजिक बुनियादी ढांचे के लिए गति शक्ति शामिल हैं।

केजरीवाल के विरोध की वजह

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को आदेश दिया था कि दिल्ली में अफसरों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के अधिकार दिल्ली सरकार के पास रहेंगे। इसके बाद, केंद्र सरकार 20 मई को एक अध्यादेश लाई और ये अधिकार उपराज्यपाल को दे दिए। केजरीवाल इसी अध्यादेश का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, केंद्र के अध्यादेश का पूरा देश विरोध कर रहा है। लोग पूछ रहे हैं कि अगर प्रधानमंत्री जी सुप्रीम कोर्ट को भी नहीं मानते तो हम न्याय के लिए फिर कहां जाएंगे। जब खुलेआम संविधान का मजाक बनाया जा रहा हो तो मीटिंग में शामिल होने का कोई मतलब नहीं रह जाता। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने भी 27 मई को दिल्ली में होने वाली नीति आयोग की मीटिंग का बायकॉट किया है। मान ने कहा कि केंद्र सरकार पंजाब की कई जन-कल्याणकारी योजनाओं में अड़ंगा डाल रही है।

सेना प्रमुख मनोज पांडे मणिपुर का करेंगे दौरा, अधिकारियों से लेंगे जानकारी

इम्फाल, 27 मई (एजेंसियां)। थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे हिंसा प्रभावित मणिपुर में स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य की यात्रा करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। सेना की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कालिता भी सेना प्रमुख की दो दिवसीय यात्रा के दौरान उनके साथ होंगे।

सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि समुदायों के बीच जारी जातीय हिंसा की पृष्ठभूमि में जमीनी स्थिति की समीक्षा करने के लिए जनरल पांडे और लेफ्टिनेंट जनरल कालिता दिल्ली से इम्फाल पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, पांडे राज्यपाल, मुख्यमंत्री और सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात कर स्थिति पर चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें हुई थीं। मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मेइती समुदाय की है और ये ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं।

सत्येंद्र जैन के सिर में खून का थक्का जमा : अब एमआरआई रिपोर्ट का इंतजार

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल में भर्ती पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के सिर में खून का थक्का जम गया है। वह 25 मई को तिहाड़ जेल के वॉशरूम में फिसलकर गिर पड़े थे। हालांकि उनकी हालत स्थिर है। अब एमआरआई रिपोर्ट का इंतजार है।

सत्येंद्र जैन के इलाज के लिए चार सदस्यीय मेडिकल बोर्ड का भी गठन किया गया है। कमेटी मेंबर्स में एलएनजेपी अस्पताल के सीनियर फिजीशियन, जीबी पंत अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट के अलावा क्रिटिकल केयर के एक्सपर्ट शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 42 दिन की जमानत दी है:

शुक्रवार को सत्येंद्र जैन की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जहां कोर्ट ने जैन को गिरफ्तारी के 360 दिन बाद 42 दिन (6 हफ्तों) की जमानत दे दी है। 11 जुलाई तक उन्हें कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। 10 जून को उन्हें दोबारा कोर्ट में पेश होना होगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, जैन की सेहत को देखते हुए उन्हें छोड़ा जाए। इस दौरान वे दिल्ली से बाहर नहीं जाएंगे।

कर्नाटक सीएम के पास वित्त-इंटेलिजेंस

डीके को बेंगलुरू डेवलपमेंट और इरिगेशन, जी परमेश्वरा को गृह

> खड़गे के बेटे को मिला ग्रामीण विकास का जिम्मा

बेंगलुरू, 27 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में सरकार बनने के 7 दिन बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को कैबिनेट का विस्तार किया। आज 24 नए मंत्री सरकार में शामिल किए गए। अब सरकार में कुल 34 मंत्री हो गए हैं। इसके साथ विभागों का बंटवारा भी कर दिया गया।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वित्त, कैबिनेट अफेयर्स, पर्सनल और एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स, इंटेलिजेंस, इंफॉर्मेशन और जो विभाग किसी अन्य को नही दिए गए उनका प्रभार अपने पास रखा है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को इरिगेशन, बेंगलुरू सिटी डेवलपमेंट का जिम्मा दिया गया है। गृह मंत्रालय डॉ.जी. परमेश्वरा को सौंपा गया है। श्रीरामलिंगा रेड्डी को ट्रांसपोर्ट विभाग दिया गया है। इसके अलावा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे और चित्तपुर के विधायक प्रियांक खड़गे को ग्रामीण विकास और पंचायती राज का जिम्मा सौंपा गया है।

सरकार में 34 मंत्रियों का कोटा पूरा किया :

नई सरकार ने 20 मई को शपथ ली थी, जिसमें सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे समेत 8 अन्य मंत्री शामिल थे। शनिवार को कैबिनेट विस्तार में 24 और मंत्री शामिल किए गए।

इनमें एचके पाटिल, कृष्णा बायरेगौड़ा, एन चालुवारायस्वामी, के वेंकटेश, डॉ. एचसी महादेवप्पा, ईश्वर खंड़े, क्याथासंद्रा एन. राजन्ना, दिनेश गुंडू राव, शरणबसप्पा दर्शनापुर, शिवानंद पाटिल, तिम्मापुर रामप्पा बलप्पा, एसएस मल्लिकार्जुन, शिवराज संगप्पा तंगदागी, डॉ. शरणप्रकाश रुद्रप्पा पाटिल, मंकल वैद्य, आर हेबलकर, रहीम खान, डी. सुधाकर, संतोष लाड, एन एस बोसेराजू, सुरेश बीएस, मधु बंगरप्पा, एमएस सुधाकर और बी नागेंद्र शामिल हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बताया कि हमने क्षेत्रीय, जातीय और सामाजिक न्याय के आधार पर कैबिनेट में विधायकों को जगह दी है। हाईकमान के साथ चर्चा के बाद ही कैबिनेट को अंतिम रूप दिया गया है। अगली कैबिनेट मीटिंग जून में होने की संभावना है।इसमें जनता से किए गए वादों पर फैसला लेंगे। पहली कैबिनेट में नॉर्थ कर्नाटक की जगह साउथ कर्नाटक को तवज्जो दी गई थी। साउथ कर्नाटक से 5 मंत्री हैं, जबकि नॉर्थ से सिर्फ 3 हैं। वहीं, 8 में से सबसे ज्यादा 3 मंत्री एससी से हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कर्नाटक कांग्रेस में असंतोष

बेंगलुरू, 27 मई (एजेंसियां)। मंत्रिमंडल विस्तार की कवायद ने कर्नाटक कांग्रेस में असंतोष को हवा दे दी है, जो 10 मई के विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में वापस आई है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

हालांकि, किसी ने भी इस संबंध में सामने आने और बयान जारी करने की हिम्मत नहीं की, लेकिन कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने पुष्टि की कि कैबिनेट बर्थ से चूकने वाले पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में असंतोष है। वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के करीबी बी.के. हरिप्रसाद एमएलसी और परिषद में विपक्ष के नेता के पद से इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता आर.वी. देशपांडे, जिन्होंने विधानसभा अध्यक्ष का पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था, उन्हें भी पार्टी ने नजरअंदाज कर दिया है। सूत्र ने बताया कि नई दिल्ली में भारी लॉबिंग के बाद भी वरिष्ठ नेता को मदद नहीं मिली। राज्य इकाई ने आरोप लगाया है कि साधन संपन्न देशपांडे ने मुश्किल समय में पार्टी की मदद नहीं की। शिवलिंग गौड़ा, जो पूर्व पीएम एच.डी. देवगौड़ा के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

'सारे जहां से अच्छा' चैप्टर को दिल्ली यूनिवर्सिटी ने हटाया

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। 'सारे जहां से अच्छा' लिखने वाले पाकिस्तान के राष्ट्र कवि मोहम्मद इकबाल के चैप्टर को दिल्ली यूनिवर्सिटी ने अपने सिलेबस में से हटा दिया। मैराथन बैठक के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमकि काउंसिल की बैठक में यह फैसला लिया गया।

इस बैठक में कवि इकबाल को पाठ्यक्रम से हटाने के लिए पॉलिटिकल साइंस के पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया। इसके साथ ही गांधी पर आधारित एक पेपर को चौथे से सातवें सेमेस्टर में जोड़ा गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद ने कुछ सदस्यों की असहमति के बावजूद चार साल के एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम को लागू करने जैसे कुछ विवादास्पद प्रस्तावों सहित कई अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी है। अधिकारियों ने बताया कि परिषद ने बीए राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम से पाकिस्तान के राष्ट्र कवि मोहम्मद इकबाल पर लिखे गए एक अध्याय को खत्म करने सहित कई पाठ्यक्रमों में बदलाव के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। जिस पर कार्यकारी परिषद अंतिम फैसला लेगी।

नेहरू की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी और राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी 59वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने ट्विटर हैंडल पर कहा, मैं हमारे पूर्व पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू को श्रद्धांजलि देता हूं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जवाहरलाल नेहरू की प्रमुख भूमिका थी। 1947 में स्वतंत्रता के बाद वो भारत के पहले प्रधानमंत्री भी बने। भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त करने के लिए, जवाहरलाल नेहरू ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इसके साथ ही जवाहरलाल नेहरू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) के प्रमुख नेताओं में से एक थे।

27 मई, 1964 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ने अंतिम सांस ली। नेहरू 1947 से 1964 को अपने निधन तक पीएम रहे। उन्हें बच्चों से बहुत लगाव था और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहकर बुलाते थे। कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को याद किया। खड़गे और राहुल गांधी ने शांति वन जाकर नेहरू की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट कर कहा, पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी, उनके प्रगतिशील विचारों ने चुनौतियों के बावजूद भारत के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक विकास को दृढ़ता से आगे बढ़ाया। हिन्द के जवाहर को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, पंडित जवाहरलाल नेहरू की विरासत बहुत बड़ी है।

हम दुनिया में जहां भी जाते हैं, लोग भारत में आए बदलाव की बात करते हैं : एस जयशंकर

तिलकवाड़ा, 27 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार का प्रतिनिधिमंडल जहां भी जाता है, लोग भारत में आए बदलाव की बात करते है और जानना चाहते हैं कि देश किस तरह बड़े पैमाने पर कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रहा है।

गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री आदिवासी बहुल नर्मदा जिले के तिलकवाड़ा तालुका के व्याधर गांव में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपी-एलएडीएस) के तहत अनुदान से निर्मित दो स्मार्ट आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए भूमि पूजन किया। गुजरात से राज्यसभा सदस्य जयशंकर ने कहा कि दुनिया अब समझ गई है कि भारत बदल रहा है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल भाषण देने के बजाय काम करने में विश्वास रखते हैं।

प्रधानमंत्री के दौरे के परिणाम के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री ने हाल में जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। आमतौर पर, हम ऐसी यात्राओं के दौरान विश्व राजनीति और कूटनीति से जुड़े मुद्दों पर बात करते हैं। लेकिन अब हम जहां भी जाते हैं, उस देश के लोग भारत के बदलाव की बात करने लगते हैं। वे यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि भारत जनहितैषी योजनाओं को बड़े पैमाने पर कैसे लागू कर रहा है। मंत्री ने कहा कि जिस पैमाने पर इन योजनाओं को लागू किया जा रहा है, उसके बारे में जानकर भारत के बाहर के लोग चकित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत कवर किए गए लोगों की संख्या यूरोप की आबादी से दोगुनी है। विदेश मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के दायरे में आने वालों की संख्या जर्मनी की आबादी से ज्यादा है। हमने विभिन्न योजनाओं के तहत तीन करोड़ आवास उपलब्ध कराए।

भारी मात्रा में मादक पदार्थों के साथ एसटीएफ ने सात तस्करों को दबोचा

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने भारी मात्रा में मादक पदार्थों के साथ उत्तर और दक्षिण बंगाल के दो अलग-अलग इलाकों से सात तस्करों को धर दबोचा है। एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने शनिवार सुबह इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि न्यू जलपाईगुड़ी थाना क्षेत्र के अंबारी कैनल रोड इलाके में पुख्ता सूचना के आधार पर घेराबंदी की गई थी। जैसे ही उत्तर प्रदेश नंबर का एक 10 चक्का ट्रक कहां पहुंचा उसे घेर कर रोक लिया गया। उसकी तलाशी लेने पर केबिन के अंदर छुपा कर रखा गया 54 किलो गांजा बरामद किया गया है।

राष्ट्रपति की जाति का हवाला देकर भड़काऊ बयान दिए

केजरीवाल और खड़गे के खिलाफ शिकायत दर्ज

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य के खिलाफ शनिवार को एक शिकायत दर्ज की गई है। ये नए संसद भवन के उद्घाटन के आयोजन के संबंध में है। आरोप है कि अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जाति का हवाला दिया गया, जिससे समुदायों/समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा मिला। भड़काऊ बयान भी दिए गए। जोकि आईपीसी की धारा 121,153ए, 505 और 34 तहत अपराध की क्षेणी में आता है।

खड़गे ने एकसाथ किए ये 4 ट्वीट

दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निमंत्रण नहीं दिए जाने को लेकर सरकार पर हमला बोला था। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक के बाद एक 4 ट्वीट कर सरकार को घेरा और कहा कि ऐसा लगता है कि मोदी सरकार दलित और जनजातीय समुदायों से राष्ट्रपति केवल चुनावी वजहों से बनाती है। खड़गे ने कहा कि जब शिलान्यास हुआ था तब तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को निमंत्रण नहीं दिया गया था। अब उद्घाटन के कार्यक्रम में द्रौपदी मुर्मू को निमंत्रण नहीं दिया गया है।

केजरीवाल ने कही थी ये बात

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश की प्रथम नागरिक हैं। वह अकेले सरकार और विपक्ष के साथ ही हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करतीं तो ये लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सरकार के कमिटमेंट का प्रतीक होता। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि दलित समाज पूछ रहा है कि क्या उन्हें अशुभ मानते हैं, इसलिए नहीं बुलाते? आम आदमी पार्टी के स्तर पर भी इस मामले में बीजेपी और मोदी सरकार पर सवाल दागे गए हैं।

'दलित-आदिवासी विरोधी है बीजेपी'

सीएम केजरीवाल ने मोदी सरकार पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अपमान का आरोप भी लगाया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि राम मंदिर के शिलान्यास पर भी तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को नहीं बुलाया गया था। न ही नई संसद के शिलान्यास कार्यक्रम में ही उन्हें बुलाया गया। वहीं, नए संसद भवन के उद्घाटन को भी मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से नहीं करवाया जा रहा है।

आरएसएस-बजरंग दल को बैन किया तो जलकर राख हो जाएगी कांग्रेस

प्रियांक खरगे के बयान पर भड़की बीजेपी

बेंगलूरू, 27 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे के बजरंग दल और आरएसएस पर बैन लगाने के बयान पर राज्य बीजेपी अध्यक्ष नलिन कतील ने पार्टी को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अगर बैन लगाने की कोशिश भी की तो वो जलकर राख हो जाएंगे। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बोले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरएसएस के स्वयंसेवक हैं, जो सेंट्रल पोजिशन में हैं और हम सभी आरएसएस के स्वयंसेवक हैं। उन्होंने आगे कहा, नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी, नरसिम्हाराव सरकार ने आरएसएस पर बैन लगाने का प्रयास किया था लेकिन वो सफल नहीं हुए। वहीं, आज अगर कांग्रेस बजरंग दल और आरएसएस पर बैन लगाने का प्रयास करती है तो ये पार्टी जलकर राख हो जाएगी। नलिन कतील बोले, प्रियांक खरगे देश का इतिहास जान लें उन्हें इस प्रकार के बायन देने से पहले सोचना-विचार ना चाहिए। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने 25 मई को बयान देते हुए कहा था कि अगर कोई संगठन कर्नाटक में शांति भंग करने या सांप्रदायिक माहौल खराब करने का प्रयास करेगी तो उनकी सरकार बैन लगाने में जरा भी संकोच नहीं करेगी।

सिद्दामैया सरकार आते ही गई बीजेपी नेता प्रवीण की पत्नी की नौकरी

बोम्मई सरकार के नियुक्ति आदेश को लिया वापस

बेंगलूरू, 27 मई (एजेंसियां)। दक्षिण कन्नड़ कर्नाटक में नवनियुक्त कांग्रेस सरकार ने दक्षिण कन्नड़ जिले में मारे गए भाजपा कार्यकर्ता प्रवीण कुमार नेतारू की पत्नी की सरकारी सेवाओं से अस्थायी नियुक्ति आदेश वापस ले लिया है। सूत्रों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की है। दरअसल, दिवंगत भाजपा युवा मोर्चा नेता की पत्नी नूतन कुमारी को पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के कार्यालय में अनुबंध आधार पर ग्रुप सी पद की पेशकश की गई थी। उन्होंने ड्यूटी के बारे में बताया और मंगलुरु में काम करने की अपनी प्राथमिकता के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखी थी। नूतन कुमारी के अनुरोध के बाद उसे मंगलुरु में उपायुक्त कार्यालय के मुख्यमंत्री राहत कोष अनुभाग में एक सहायक का पद दिया गया था। हालांकि, अब मौजूदा कांग्रेस सरकार ने आदेश को वापस ले लिया है। सूत्रों ने कहा कि जब सरकार बदल जाती है तो अस्थायी कर्मचारियों को आम तौर पर पद छोड़ने के लिए कहा जाता है और नूतन कुमारी के लिए कोई विशेष विचार नहीं किया गया है। बता दें कि 26 जुलाई 2022 को भाजपा नेता प्रवीण कुमार नेतारू की हत्या कर दी गई थी। मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए द्वारा की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बदले के चलते प्रवीण कुमार नेतारू की हत्या की गई थी।

जस्टिस धानुका चार दिनों के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने, पांच एससी में सीजे की हुई नियुक्ति

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। पांच जजों को विभिन्न उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। इनमें से एक मुख्य न्यायाधीश 30 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। केंद्रीय कानून मंत्रालय के तहत आने वाले न्याय विभाग ने जस्टिस रमेश देवकीनंदन धानुका को बॉम्बे हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की अधिसूचना जारी की है।

बॉम्बे हाई कोर्ट में ही जज हैं जस्टिस धानुका

इस समय जस्टिस धानुका बांबे हाई कोर्ट में ही जज हैं। 30 मई को 62 साल का होने पर वह रिटायर हो जाएंगे। इस तरह बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में प्रभावी रूप से उनका कार्यकाल महज चार दिनों का होगा। बॉम्बे हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय विजयकुमार गंगापुरवाला को मद्रास हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

जज आगस्टीन जार्ज राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश होंगे

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज आगस्टीन जार्ज मसीह को राजस्थान हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की अधिसूचना जारी की गई है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के जज मामिदन्ना सत्य रत्न श्रीरामचंद्र राव को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। केरल हाई कोर्ट के जज सरस वेंकटनारायण भट्टी को उसी अदालत का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इससे पहले बुधवार को जस्टिस एस वैद्यनाथन को मद्रास हाई कोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

कॉलेजियम ने की थी सिफारिश

जजों की नियुक्ति को लेकर अप्रैल में ही सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने केंद्र से सिफारिश की थी। एससी की सिफारिश के तहत, जस्टिस गंगापुरवाला को मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस धानुका को बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त करने को कहा गया था। बताते चलें, सुप्रीम कोर्ट कोर्ट के जज जहां 65 साल का होने पर रिटायर होते हैं, वहीं हाई कोर्ट के जजों की सेवानिवृत्ति आयु 62 साल है।

अदालत ने लॉरेंस बिश्नोई को चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। उसे 24 मई 2023 को दर्ज आर्म्स एक्ट के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले 25 मई को लॉरेंस को मंडोली जेल के हाई सिक्योरिटी सेल में शिफ्ट किया गया था। सुरक्षा कारणों को लेकर जेल प्रशासन ने उसे मंडोली जेल नंबर 15 में रखा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आर्म्स एक्ट मामले में अदालत से लॉरेंस की रिमांड की मांग की थी। जिसमें अदालत ने लॉरेंस बिश्नोई की चार दिन की रिमांड मंजूर की है। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई मंडोली जेल के हाई सिक्योरिटी सेल में शिफ्ट किया गया था। सुरक्षा कारणों को लेकर जेल प्रशासन ने उसे मंडोली जेल नंबर 15 में दाखिल कराया था। तिहाड़ जेल में टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के बाद गैंगवार की आशंका को देखते हुए यह फैसला लिया गया था। जेल सूत्रों का कहना था कि जेल संख्या 15 के हाई सिक्योरिटी सेल में लॉरेंस बिश्नोई को रखा गया। वहां की सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही सीसीटीवी कैमरे से उसपर निगरानी रखी जा रही थी।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड 31 मई से भारत की चार दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' 31 मई से भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उच्चस्तरीय बैठक करेंगे।

यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दी।

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दिसंबर 2022 में पदभार ग्रहण करने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी। उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। प्रचंड इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करेंगे। वह भारत और नेपाल की द्विपक्षीय साझेदारी के विविध क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। अन्य भारतीय गणमान्य व्यक्ति भी नेपाल के प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। नेपाल के प्रधानमंत्री इस दौरान उज्जैन और इंदौर भी जाएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति को आगे बढ़ाने में भारत और नेपाल के बीच नियमित रूप से उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा का हिस्सा है। सहयोग के सभी क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के संबंध काफी मजबूत हुए हैं।

एगरा विस्फोट कांड पीड़ितों को ममता बनर्जी ने दी होमगार्ड की नौकरी

सिर झुकाकर मांगी माफी

कोलकाता, 27 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एगरा में खादीकुल में अवैध पटाखे के कारखाने में विस्फोट में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिवारों से मुलाकात की। शनिवार सुबह करीब 11 बजे उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। ममता बनर्जी ने पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को होमगार्ड की नौकरी दी और साढ़ लाख रुपए का चेक देकर आर्थिक मदद की। अवैध पटाखे की फैक्ट्री में विस्फोट के 11 दिनों के बाद ममता बनर्जी गांव में पहुंची और सिर झुकाकर माफी मांगी। ममता बनर्जी ने कहा, "इस घटना ने हमारी आंखें खोल दी हैं। मुख्य सचिव के नेतृत्व में अवैध पटाखे की फैक्ट्री को लेकर एक कमेटी बनाई गई है। यह दो माह में रिपोर्ट देगी। अवैध पटाखे की फैक्ट्रियों में काम कर किसी की जिंदगी बर्बाद नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग लालची होते हैं और पैसे के लोभ में इस तरह का काम करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवारों को ढाई लाख रुपये मुआवजा दिया जा रहा है और प्रति परिवार एक होमगार्ड की नौकरी दी जा रही है। ममता बनर्जी ने मृतक के परिजनों को चेक सौंपा।

मृतकों के परिजनों के ममता ने सौंपा चेक, आर्थिक मदद दी

ममता बनर्जी ने कहा, "यहां पटाखे की अवैध फैक्ट्री में 11 लोगों की मौत हुई है। जो लोग काम करते थे और मर गए उनके परिवारों के प्रति संवेदना है। इस घटना ने हमारी आंखें खोल दी हैं। हमने फैसला किया है कि रिपोर्ट अगले 2 महीने के भीतर मेरे पास आ जाएगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस घटना के लिए वह सिर झुकाकर क्षमा मांगती हैं। यदि वह कुछ और कर पाती हैं, तो कर पाएंगी। यदि अवैध पटाखे की फैक्ट्री की जानकारी मिले, तो ओसी को बताये। यदि ओसी कार्रवाई नहीं करेगा, तो उसका तबादला कर दिया जाएगा। खादीकुल में 16 मई को अवैध फैक्ट्री में हुए विस्फोट में फैक्ट्री मालिक भानु बाग समेत कुल 11 लोगों की मौत हो गई थी। सीआईडी जांच में खुलासा हुआ है कि धमाके के बाद घायल भानु पास के राज्य ओड़िशा भाग गया और फर्जी आधार कार्ड के साथ वहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अवैध फैक्ट्रियों में ब्लास्ट को लेकर शुरू हुई राजनीति

उधर, एगरा अवैध पटाखे की फैक्ट्री को लेकर राजनीति जारी है। पूर्व में नेता प्रतिपक्ष सुभेंदु अधिकारी ने मृतकों और घायलों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने वहां से कई मांगें रखीं, जिसमें एनआईए की जांच भी शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को पीड़ित परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा की मांग की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भानु तृणमूल के नेता हैं, लेकिन तृणमूल ने उस दावे को खारिज कर दिया। सत्तारूढ़ दल के राज्य सचिव कुणाल घोष ने दावा किया कि भानु अधिकारी के करीबी थे। इस दबाव के बीच तृणमूल प्रतिनिधिमंडल एगरा गया और विरोध का सामना करना पड़ा। इस लिहाज से तृणमूल नेता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आगरा दौरा 'महत्वपूर्ण' है।

संसद भवन नहीं लोकतंत्र का मंदिर

बहिष्कार से गिरेगा मान, विपक्षी दलों के विरोध पर बोले बाबा रामदेव

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह को लेकर सियासत थमने का नाम नहीं ले रही है। 20 से ज्यादा विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार का एलान किया है। इस बीच योग गुरु बाबा रामदेव ने इस मामले में बयान दिया है। बाबा रामदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे जोकि ऐतिहासिक है। जो लोग कल संसद का घेराव करने वाले हैं, उन्हें इस पर पुनर्विचार करना चाहिए और जिन विपक्षी दलों ने उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करने का फैसला किया है, उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। बाबा रामदेव ने आगे कहा कि संसद सिर्फ भवन नहीं लोकतंत्र का मंदिर है। अगर इसका बहिष्कार होगा तो उससे लोकतंत्र का मान गिरेगा। उन्होंने कहा कि जिन बलिदानियों की शहादत से हमें आजादी मिली है, उनके सम्मान का केंद्र संसद है। संसद का बहिष्कार और घेराव करना उन बलिदानियों का अपमान होगा। इसके साथ ही बाबा रामदेव ने पहलवानों से भी अपील की। बाबा रामदेव ने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे पहलवान इस बात को समझेंगे और कल संसद की ओर नहीं कूच करेंगे।

यासीन मलिक को मृत्युदंड दिलाने के लिए एनआईए उच्च न्यायालय पहुंचा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मौत की सजा देने का अनुरोध किया, जिसे आतंक वित्तपोषण मामले में निचली अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एजेंसी की याचिका को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह की पीठ के समक्ष 29 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। यहां की एक निचली अदालत ने 24 मई, 2022 को जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख मलिक को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता के तहत विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मृत्युदंड के लिए एनआईए के अनुरोध को खारिज करते हुए निचली अदालत ने कहा था कि मलिक का उद्देश्य भारत से जम्मू-कश्मीर को बलपूर्वक अलग करना था। निचली अदालत ने कहा था, इन अपराधों का उद्देश्य भारत पर प्रहार करना और भारत संघ से जम्मू-कश्मीर को बलपूर्वक अलग करना था। अपराध अधिक गंभीर हो जाता है क्योंकि यह विदेशी शक्तियों और आतंकवादियों की सहायता से किया गया था। अपराध की गंभीरता इस तथ्य से और बढ़ जाती है कि यह एक कथित शांतिपूर्ण राजनीतिक आंदोलन की आड़ में किया गया था। अदालत ने कहा था कि मामला 'दुर्लभतम" नहीं है, जिसमें मृत्युदंड की सजा दी जाए।

केरल के जंगल से स्थानांतरित बिगड़ैल हाथी तमिलनाडु पहुंचा

चेन्नई, 27 मई (एजेंसियां)। केरल के इडुक्की जिले के चिन्नकनाल से तमिलनाडु की सीमा के पास पेरियार टाइगर रिजर्व में स्थानांतरित अरीकोम्बन नाम का जंगली हाथी तमिलनाडु के कुंबुम शहर पहुंच गया है। केरल के वन मंत्री ए.के। सशींद्रन ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि मानव बस्तियों में तबाही मचाने के बाद हाथी को चिन्नकनाल वन क्षेत्र से स्थानांतरित कर दिया गया है और वन विभाग हाथी को शांत करने और उसे कुम्की हाथी में बदलने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि पशु प्रेमियों ने केरल के उच्च न्यायालय का रुख किया था, इसके कारण हाथी को शांत किया गया और उसे एक वन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया। तमिलनाडु के मुख्य वन्यजीव वार्डन श्रीनिवास रेड्डी ने से बात करते हुए कहा, हम हाथी को शांत कराएंगे और उसे गहरे जंगल में स्थानांतरित कर देंगे। वन विभाग की टीम इसके लिए तैयार है।

लिफ्ट देने के बहाने ऑटो चालक ने लूटी आबरू

ग्वालियर, 27 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक महिला को बंधक बनाकर ऑटो चालक द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पता चला है कि महिला अपने पति को ढूंढने के लिए निकली थी तभी महिला के पड़ोस में रहने वाला एक ऑटो चालक युवक मिल गया। और लिफ्ट देने के बहाने वह महिला को एक सुनसान इलाके में ले गया और उसे बंधक बनाकर उसके साथ 5 दिनों तक दुष्कर्म करता रहा।

मुंबई पुलिस ने आरटीआई एक्टिविस्ट गुलाम काजी को हिरासत में लिया

पीएम मोदी और अमित शाह पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। मुंबई की साकीनाका पुलिस ने आरटीआई एक्टिविस्ट गुलाम काजी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है। एक्टिविस्ट गुलाम नाजी पर आरोप है कि उसनेभारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की है और फेसबुक पोस्ट के जरिए उन्हें धमकी दी है। आरटीआई एक्टिविस्ट ने बीजेपी नेता किरीट सोमैया और अन्य नेताओ के खिलाफ भी गलत शब्दों का इस्तेमाल करते हुए सोशल मीडिया में धमकी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में पुलिस ने काजी नामक आरटीआई एक्टिविस्ट को अपने हिरासत में लिया। इस व्यक्ति के ऊपर फेसबुक पोस्ट के जरिए पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, किरीट सोमैया और अन्य नेताओं को धमकी दी है। आरटीआई एक्टिविस्ट गुलाम काजी ने इसके अलावा मुंबई पुलिस के खिलाफ भी आपत्तिजनक शब्द का इस्तमाल किया है। साकीनाका पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 509,500,506(2)और 504 के तहत मामला दर्ज किया है। मुंबई पुलिस ने खबर की जानकारी देते हुए कहा कि साकीनाका पुलिस स्टेशन में आरटीआई कार्यकर्ता गुलाम काजी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया है। सोशल मीडिया में पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी नेता किरीट सोमैया के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी गुलाम काजी से पूछताछ और मामले की जांच जारी है। साकीनाका पुलिस जल्दी ही आरोपी को कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है। फिलहाल आरोपी ने पुलिस पूछताछ में क्या कबूल किया है और इस काम को अंजाम देने के पीछे उसका मकसद क्या है,

सेवा विभाग की महिला अधिकारी ने आप के मंत्री से जताया खतरा

मांगी पर्याप्त सुरक्षा

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार और अधिकारियों के टकराव के बीच वरिष्ठ आईएएस अधिकारी किन्नी सिंह ने मुख्य सचिव को सरकार के एक मंत्री के खिलाफ शिकायत की है। इस चार पेज की शिकायत में सेवा विभाग की विशेष सचिव ने मंत्री द्वारा किए गए व्यवहार पर चिंता जताई है और मुख्य सचिव को स्पष्ट तौर पर लिखा है कि वे (किन्नी सिंह) सुरक्षा कारणों से मंत्री के साथ होने वाली बैठकों में शामिल नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि मंत्री के व्यवहार की वजह से सुरक्षा को लेकर विश्वास खत्म हो गया है। इस शिकायत में किन्नी सिंह ने मुख्य सचिव को 16 मई 2023 मुझे मंत्री कार्यालय से उनके निजी सचिव का फोन आया था। निजी सचिव ने बताया था कि मंत्री उनसे कुछ विषयों पर मुलाकात करना चाहते हैं और उनके पहुंचने से पहले ही मंत्री के कक्ष में सचिव आशीष मोरे भी मौजूद थे। जहां मंत्री ने सभी फाइल उनके कार्यालय भेजने के लिए कहा। जब वहां पर उप सचिव अमिताब जोशी फाइल लेकर पहुंचे तो इस पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। इस बैठक में मंत्री ने एक खाली कागज लिया और इस पर उप सचिव को मंत्री द्वारा दिए गए आदेश लिखने को कहा। इसके बाद तुरंत मुझे भी इस कागज पर हस्ताक्षर करने को कहा गया। बैठक में मंत्री को वाईवीवीजे राजशेखर की फाइल उनके पास ही होने की जानकारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि राजशेखर कहा है और उन्हें उनके कमरे में लेकर आए। किन्नी ने बताया कि बैठक में मंत्री को बताया गया था कि उनके पास रिकार्ड के अधिकार नहीं है। इसके बाद मंत्री ने बैठक में शोर मचाना और चिल्लाना शुरू कर दिया। हंगामे के बीच किन्नी समेत अन्य अधिकारियों ने मंत्री का कमरा छोड़ दिया। किन्नी ने बताया कि मंत्री ने कहा, तुम दोनों मुख्य सचिव के बहकावे में आकर चुनी हुई सरकार से पंगा ले रहे हैं।

किश्तवाड़ में खराब मौसम बना आफत बारिश से ढहा घर, तीन लोगों की मौत

जम्मू, 27 मई (एजेंसियां)। कश्मीर में भारी बारिश से किश्तवाड़ में एक घर ढह गया जिससे 3 लोगों की मौत हो गई। किश्तवाड़ में पुलर नागसेनी निवासी अश्वनी कुमार का घर गिरने से 3 की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक किश्तवाड़ जिले के पाडियारना इलाके में बारि श के कारण एक कच्चे मकान के गिरने से तीन नेत्रहीन भाई-बहनों की मौत हो गई जबकि अन्य दो लो ग घायल हो गए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 28 मई, 2023 3

सुविचार

रिश्तों की सिलाई अगर भावनाओं से हुई है तो टूटना मुश्किल है और अगर स्वार्थ से हुई है, तो टिकना मुश्किल है।

1.54 से अधिक लोगों की हुई आंखों की जांच, प्रदेश हुआ नेत्रहीन मुक्त

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर में सबसे महत्वाकांक्षी कंटी वेलुगु चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक जारी है। अब तक 1,54,58,982 से अधिक लोगों की आंखों की जांच हुई है और कंटी वेलुगु कार्यक्रम में 21,85,945 लोगों को पढ़ने के लिए चश्मा दिया गया है। यह "अंधापन मुक्त" नारे के साथ शुरू हुआ तेलंगाना लक्ष्य पूरे राज्य में सफलतापूर्वक जारी है। करीब 11,862 ग्राम पंचायत वार्डों और 3,495 नगरपालिका वार्डों में आंखों की जांच हो चुकी है।

15 अगस्त, 2018 को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने दृष्टि दोषों को ठीक करने के लिए मेडक जिले के मलकापुर में कांटी वेलुगु कार्यक्रम के पहले चरण की शुरुआत की। यह कार्यक्रम आठ महीने तक चला। डेढ़ करोड़ लोगों की आंखों की नि:शुल्क जांच की गई। 50 लाख लोगों को चश्मे बांटे जा चुके हैं। इसी भावना से मुख्यमंत्री ने गत 18 जनवरी को खम्मम में कंटी वेलुगु कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुरुआत की। यह नियोजित उद्देश्य के अनुसार सफलतापूर्वक जारी है। 84 कार्य दिवसों में राज्य में 92.75 प्रतिशत लोगों ने आंखों की जांच कराई।

सरकार ने 100 कार्य दिवसों के लक्ष्य के भीतर राज्य में सभी के लिए नेत्र परीक्षण पूरा करने का निर्णय लिया है। अन्य चिकित्सा सेवाओं को बाधित किए बिना आंखों की देखभाल के दौरान विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चिकित्सा विभाग, पंचायत राज, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के सभी जनप्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। निगरानी के लिए सरकार ने राज्य स्तर और जिला स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण दलों का गठन किया है और निगरानी कर रही है। चिकित्सा अधिकारियों का मत है कि यदि इसी तरह नेत्र परीक्षण कार्यक्रम चलता रहा तो दो करोड़ लोगों के नेत्र परीक्षण किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार को कांटी वेलुगु कार्यक्रम आयोजित करने पर गर्व है, जो अब तक देश के किसी भी राज्य द्वारा नहीं किया गया है।

जनस्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

राज्य सरकार सभी के लिए स्वास्थ्य के उद्देश्य से कंटी वेलुगु योजना लाई है। प्रदेश में इस योजना को 19 जनवरी से 15 जून तक 100 दिवसीय कार्यक्रम बनाने के लिए जिला कलेक्टर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी शिविरों की अग्रिम योजना बनाकर क्रियान्वयन कर रहे हैं। सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार, समय-समय पर कमियों को दूर करने, अग्रिम योजनाओं, निरंतर निगरानी, दैनिक समीक्षा, विश्लेषण, वीडियो सम्मेलन और बैठकों के साथ कांटी वेलुगु कार्यक्रम को पूरे राज्य में सख्ती से लागू किया जा रहा है।

शिविरों में दर्ज आंकड़े बताते हैं कि सभी जिलों में ऐसे लोग ज्यादा हैं, जो नजदीक से नहीं देख पाने से परेशान हैं. शिविर में 40 वर्ष से अधिक आयु के कई लोग निकट दृष्टि दोष के साथ आते हैं। ऐसे लोगों को पढ़ने का चश्मा तुरंत उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा कई लोगों को विटामिन ए, डी और बी कांप्लेक्स की गोलियां बांटी जा रही हैं, जो आंखों की समस्या लेकर आ रहे हैं। 50 साल से ऊपर के लोग ज्यादातर मोतियाबिंद से पीड़ित होते हैं। चिकित्साकर्मियों का कहना है कि वे मोबाइल फोन के माध्यम से उन लोगों को इलाज के समय की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें सर्जरी की जरूरत है। डॉक्टर उन लोगों को सलाह और हिदायत दे रहे हैं, जिनकी पहले ही सर्जरी हो चुकी है और जो अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में विकास और सबका कल्याण करने के सरकार के प्रयासों के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। इसी भावना से स्वास्थ्य, परिवार कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी राज्य स्वास्थ्य राज्य तेलंगाना के रूप में आकार ले रहा है।

किशन रेड्डी ने केसीआर सरकार को दी चुनौती

कहा, तेलंगाना को केंद्र की सहायता पर चर्चा के लिए तैयार

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज तेलंगाना सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सीएम केसीआर पर निशाना साधा और कहा कि राज्य के पहले सीएम के रूप में दलित नेता बनाने के अपने वादों से मुकरने और भूमिहीन दलित परिवारों को जमीन और डबल बेडरूम हाउस के प्रावधान के लिए वर्ष 2014 में तेलंगाना के सीएम के रूप में शपथ लेने से पहले सीएम को खुद को सिर कलम कर लेना चाहिए था।

रेड्डी ने केसीआर को चुनौती दी कि वह तेलंगाना राज्य को केंद्र की सहायता पर चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार रियल एस्टेट कंपनी बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी चुनाव में देश भर में पैसा बांटने के लिए 111 जीओ को निरस्त किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीआरएस नेताओं के पास 111 जीओ की सीमा में सैकड़ों एकड़ जमीन है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और कांग्रेस ने आपस में बातचीत की और अपने कार्यालयों के लिए जमीन हथिया ली। उन्होंने कहा कि कल्वाकुंतला के परिवार की जमीन और कर्ज की प्यास नहीं बुझ रही है। नीति आयोग की बैठक से केसीआर की अनुपस्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने इसे तेलंगाना राज्य के लिए एक बड़ी क्षति करार दिया। उन्होंने यह जानने की मांग की कि केसीआर के लिए नीति आयोग की बैठक से ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है।

पिछले नौ साल में सभी मोर्चों पर विफल रहे मोदी : उत्तम

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्र की भाजपा सरकार पिछले नौ साल में सभी मोर्चों पर विफल रही है और आम लोगों को कोई राहत नहीं मिली है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रव्यापी अभियान '9 साल, 9 सवाल- छुपी प्रधानमंत्री जी' के तहत शनिवार को विजयवाड़ा में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी से भाजपा के नौ साल के शासन से संबंधित नौ प्रमुख मुद्दों पर सवालों के जवाब देने को कहा गया है। उत्तम ने पूछा कि 2014 के बाद से सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ी हैं, भले ही इसी अवधि में तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से गिरकर 70 डॉलर प्रति बैरल हो गई हैं। युवा बेरोजगारी 30-40% तक बढ़ गई है, जबकि वास्तविक मजदूरी गिर गई है। यह एक विनाशकारी रिकॉर्ड है। नोटबंदी और जीएसटी ने काले धन को खत्म किए बिना छोटे व्यवसायों को नष्ट कर दिया है और हाल ही में घोषित दानव 2.0 आपकी सरकार के बेरहम दृष्टिकोण की एक ताजा याद दिलाता है।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने वाईएस अविनाश रेड्डी को दी राहत

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने वाईएसआरसीपी सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी को वाईएस विवेकानंद रेड्डी हत्या मामले में राहत दी है। हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सांसद वाईएस अविनाश की गिरफ्तारी बुधवार तक रोकने को कहा है। अदालत का फैसला अविनाश की अग्रिम जमानत याचिका के दौरान की गई लंबी दलीलों को सुनने के बाद आया, जिसके चलते अदालत ने यह फैसला सुनाया।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने कहा कि अविनाश रेड्डी की अग्रिम जमानत मामले में अंतिम फैसला बुधवार को आएगा. अदालत ने आदेश दिया है कि 31 मई तक अविनाश रेड्डी के खिलाफ उनकी मां की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए सीबीआई द्वारा कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान अविनाश रेड्डी के खिलाफ लगाए गए आरोपों के आधार पर सवाल किया। सीबीआई ने दावा किया कि आरोपों को गवाह गवाही द्वारा समर्थित किया गया था। उच्च न्यायालय ने सीलबंद लिफाफे में गवाहों की गवाही प्रस्तुत करने की सीबीआई की याचिका को स्वीकार कर लिया।

सरकार ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार के लिए खर्च करेगी 500 करोड़

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकार ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के पुनरुद्धार के लिए कमर कस ली है। विश्वविद्यालय के सौंदर्यीकरण के साथ एक नए रीडिंग कांप्लेक्स का निर्माण, पुरुषों और महिलाओं के लिए छह छात्रावास भवनों के साथ एक नया 4 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए 500 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, विश्वविद्यालय प्रशासन छात्र सीखने की सुविधा, अनुसंधान कोष निधि, बुनियादी ढांचा विकास, सौंदर्यीकरण और हरित परिसर के साथ आ रहा है।

बुधवार को वीसी के रूप में दो साल का कार्यकाल पूरा करने वाले ओयू के वाइस चांसलर प्रो. डी. रविंदर ने कहा कि शताब्दी सम्मेलन केंद्र, ओपन-एयर ऑडिटोरियम, छह छात्रावास - पुरुषों के लिए दो और महिलाओं के लिए चार और स्थापना एक अनुसंधान कोष निधि की योजना बनाई गई है। राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की है। विश्वविद्यालय ने एक प्रस्ताव भेजा है और जितना संभव हो उतना अनुदान प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

परिसर को बंद करने के लिए, प्रोफेसर डी. रविंदर ने कहा, विश्वविद्यालय ने जीएचएमसी को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के पास तरनाका से एनसीसी गेट तक बाईपास सड़क बनाने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि प्रस्ताव को जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी।

हरित पहल के हिस्से के रूप में, अधिकारियों ने परिसर में झीलों की बहाली के अलावा सीवेज उपचार योजना, भूजल संचयन सुविधाएं, हरित अपशिष्ट प्रबंधन और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के निर्माण की योजना तैयार की है। कुलपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद विश्वविद्यालय को बदलने के लिए 21 सूत्री एजेंडे के साथ आए प्रो. रविंदर ने कहा कि 80 प्रतिशत एजेंडा पहले ही पूरा हो चुका है। पहले साल में, हमने सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया। दूसरे कार्यकाल में, प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया गया है और अब हम विविधता के परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

वाईएस भास्कर रेड्डी का निम्स में मेडिकल चेकअप हुआ

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के सांसद वाईएस अविनाश रेड्डी के पिता वाईएस भास्कर रेड्डी, जिन्हें चंचलगुडा जेल में रिमांड पर रखा गया था, कल बीमार पड़ गए और उन्हें उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया।

सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को वाईएस भास्कर रेड्डी का ब्लड प्रेशर गिर जाने पर उन्हें उस्मानिया अस्पताल भेजा गया था। उस्मानिया अस्पताल के चिकित्सा कर्मचारियों ने निर्धारित किया कि उसे विशेष उपचार की आवश्यकता है, और उन्होंने उसे निम्स (निजाम चिकित्सा विज्ञान संस्थान) में स्थानांतरित करने की सलाह दी। कड़ी सुरक्षा के बीच, वाईएस भास्कर रेड्डी को आज निम्स में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां वह वर्तमान में दिल के परीक्षणों की एक श्रृंखला से गुजर रहे हैं। सीबीआई ने अभी तक विकास पर कोई टिप्पणी नहीं की है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने वाईएस विवेकानंद रेड्डी हत्या मामले में वाईएस भास्कर रेड्डी को 16 अप्रैल, 2023 को पुलिवेंदुला स्थित उनके आवास पर गिरफ्तार किया।

तुरुप बाजार में दुकान में लगी आग

पार्षद राकेश जायसवाल ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के तुरुप बाज़ार में शनिवार को एक बिजली सामान की दुकान में आग लगने से संपत्ति जलकर खाक हो गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल अधिकारियों के मुताबिक, आग दोपहर करीब 2 बजे तुरुप बाजार स्थित एक इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित एलईडी लाइट हाउस स्टोर में लगी। सूचना पर गौलीगुडा दमकल विभाग से दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। दमकलकर्मियों को आग पर पूरी तरह से काबू पाने में करीब तीन घंटे का समय लगा। इमारत की ऊपरी मंजिल पर फंसे दो लोगों को बगल की इमारत में ले जाकर सुरक्षित नीचे उतारा गया।

अग्निशमन अधिकारियोंको आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी होगी।

आग लगने की दुर्घटना की खबर पाते ही जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने आनन-फानन में घटनास्थल का दौरा किया तथा दुकानदारों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण का पता लगाया जायेगा तथा उनकी ओर से पीड़ितों को हरसंभव मदद दी जाएगी। पार्षद के साथ सुल्तानबाजार के एसीपी देवेंद्र, मोहिज, जसवंत जैन, रामकृष्ण, नंदू कुमार, चिन्ना और अन्य शामिल रहे।

आयकर अधिकारी बनकर ज्वेलरी शॉप से 2 किलो सोना लेकर फरार

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आयकर अधिकारियों के रूप में प्रस्तुत एक चार सदस्यीय गिरोह सिकंदराबादस्थित एक आभूषण की दुकान में गया और शनिवार को लगभग 2 किलो सोना ले गया। पुलिस के अनुसार, चारों व्यक्ति मोंडा मार्केट सिकंदराबाद में हर्ष गोल्ड स्टोर में घुसे और खुद को आई-टी विभाग के अधिकारियों के रूप में पेश किया। थोड़ी देर बाद, उन्होंने दुकानदारों से सोने के स्रोत के समर्थन में दस्तावेज दिखाने को कहा और उन्हें दिखाए गए कागजात की जांच करने का नाटक किया। चारों लोगों ने बताया कि दस्तावेज़ उचित नहीं थे और स्टोर से लगभग 2 किलो सोना जब्त किया। उन्होंने उनसे कहा कि वे उनसे फिर से संपर्क करेंगे और दुकान से चले गए। प्रबंधन ने कुछ स्रोतों से पुष्टि करने के बाद मोंडा मार्केट पुलिस से संपर्क किया, जिसने मामला दर्ज कर अपराधियों को पकड़ने का प्रयास किया।

एमसेट : तीन चरण की काउंसलिंग का कार्यक्रम घोषित

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंडर ग्रेजुएट इंजीनियरिंग और फार्मेसी कोर्सेज में दाखिले के लिए शनिवार को तीन चरणों का काउंसलिंग शेड्यूल जारी कर दिया गया है। यहां हुई टीएस ईएएमसीईटी 2023 प्रवेश समिति ने 26 जून से एमपीसी उम्मीदवारों के लिए पहले चरण की प्रवेश काउंसलिंग आयोजित करने का निर्णय लिया है और एक विस्तृत अधिसूचना 21 जून को वेबसाइट https://tseamcet.nic.in/ पर उपलब्ध कराई जाएगी।

पहला चरण के तहत 26 जून को सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और स्लॉट बुकिंग, 28 जून से 6 जुलाई तक प्रमाणपत्र सत्यापन, 28 जून से 8 जुलाई तक वेब विकल्पों का प्रयोग, 12 जुलाई को या उससे पहले अनंतिम सीट आवंटन, 12 से 19 जुलाई तक सेल्फ-रिपोर्टिंग ऑनलाइन और ट्यूशन फीस का भुगतान होगा।

दूसरे चरण के तहत रजिस्ट्रेशन 21 और 22 जुलाई तक, प्रमाणपत्र सत्यापन 23 जुलाई तक वेब विकल्प: 21 जुलाई से 24 जुलाई, 28 जुलाई को या उससे पहले अनंतिम सीट आवंटन, सेल्फ-रिपोर्टिंग ऑनलाइन और ट्यूशन फीस भुगतान: 28 से 31 जुलाई तक है।

अंतिम चरण के लिए पंजीकरण 2 अगस्त, प्रमाणपत्र सत्यापन 3 अगस्त, वेब विकल्प 2 से 4 अगस्त, 7 अगस्त को या उससे पहले अनंतिम सीट आवंटन, सेल्फ-रिपोर्टिंग ऑनलाइन और ट्यूशन फीस का भुगतान 7 से 9 अगस्त तथा आवंटित कॉलेज में रिपोर्टिंग 7 से 9 अगस्त होगी।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फिक्की महिला संगठन (एफएलओ) के हैदराबाद चैप्टर ने शनिवार को यादाद्री-भुवनगिरी जिले की जिला कलेक्टर पामेला सत्पथी की उपस्थिति में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाया, जिसमें 800 गांव की महिलाओं ने भाग लिया।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस एक वार्षिक जागरूकता दिवस है जो 28 मई को अच्छे मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के महत्व को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। रितु शाह ने पुट्टापाका में जिला परिषद् हाईस्कूल में आयोजित एक समारोह में 800 से अधिक महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, यह कार्यक्रम एफएलओ द्वारा 'सस्टेन हर हेल्थ' पहल के तहत किया गया था।

रितु शाह ने घोषणा की कि उसने पुट्टापका गांव को गोद लिया है। इस अवसर पर, एफएलओ ने पुट्टापाका ग्रामीणों को कलेक्टर पामेला सतपथी के हाथों 4,800 सेनेटरी पैड, दो मोबाइल शौचालय, एक सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और एक इंसीनरेटर (सैनिटरी पैड बर्निंग मशीन) दान किया। इस अवसर पर एफएलओ ने नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया। 800 से अधिक महिलाओं ने इस अवसर का उपयोग किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, पामेला सतपथी ने कहा कि वह विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस में भाग लेकर खुश हैं। अच्छा मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता बहुत महत्वपूर्ण है। अच्छे अभ्यास संक्रमण को रोकते हैं।

वे गंध को भी कम करते हैं, और महिलाओं को अवधि के दौरान सहज रहने में मदद करते हैं। राज्य सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को महत्व दे रही है। उन्होंने कहा कि हम जिले में हर मंगलवार को दो स्थानों पर एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते हैं। उन्होंने महिलाओं से इस अवसर का उपयोग करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर बोलने वाली एफएलओ की सदस्य सीता रेड्डी ने सैनिटरी पैड के सुरक्षित निपटान के महत्व पर प्रकाश डाला। यह अनुमान लगाया गया है कि लैंडफिल में फेंके गए सैनिटरी पैड को धरती में विघटित होने में 500 साल लग जाते हैं। डॉ. श्वेता अग्रवाल ने मासिक धर्म स्वच्छता और शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में बात की। उन्होंने मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं को साल में कम से कम एक बार कैंसर के लिए स्तन परीक्षण कराने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि किसी को भी पीरियड्स के बारे में बात करने में शर्माने की जरूरत नहीं है।

SHRI GUJARATI VIDYA MANDIR HIGH SCHOOL
4-3-259, Sultan Bazar, Koti, Hyderabad-95
REQUIRES TEACHERS FOR MIDDLE/HIGH SCHOOL
QUALIFICATION REQUIRED:
1. MATHS/PHYSICS (BSc. BEd WITH EXPERIENCE•)
2. BIOLOGY (BSc. BEd WITH EXPERIENCE)
3. ENGLISH /SOCIAL STUDIES (M.A. BEd With Experience)
4. DRAWING (TRAINED), 5. MUSIC (TRAINED)
Contact No : 24756943
NOTE: Time-10.00A.M. to 12.00 Noon From Monday to Friday
OR SEND APPLICATION IN SCHOOL OFFICE
I/c HEADMISTRESS : Smt B. Madhuri
SHRI GUJARATI VIDYA MANDIR HIGH SCHOOL

हरि ॐ शवयात्रा हरि ॐ

श्री केसारामजी लचेटा
:सुपुत्र: स्व. श्री नवलारामजी लचेटा (मरुधर मे चेलावास मारवाड़ जंक्शन)
स्वर्गवास: शनिवार दि.27 मई 2023 (उम्र: 102 वर्ष)
शवयात्रा आज रविवार दि.28 मई प्रात: 10:30 बजे निवास स्थान एस.वी.नगर चकरीपुरम से कुशाईगुडा शमशान वाटिका जायेगी
: शोकाकुल :
सजाराम, भीकाराम, भोलाराम (पुत्र), हरजीराम, बाबुलाल, गोमाराम (भतीज), सुनील, सोहन, मदन, रमेश, दिनेश, सुरेश, दीपक (पौत्र), हितेष, चीकू (पड़पौत्र) समस्त लचेटा परिवार
: फर्म : * तुलसी मार्केटिंग कुशाईगुड़ा *
* श्री रामा इलेक्ट्रीकल्स न्यू बोईनपल्ली *
* गणेश हार्डवेयर न्यू बोईनपल्ली *
9989188982, 9700108601, 9618228530
P.Solankey

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Suresh M Rathore, S/o:Sri Motilal Rathore, R/O: 202, K-1 Identity, Plot No.9,Panchavati Colony, Near Registrar office, New Bowenpally, Secunderabad –lost my original Sale Deed Document No.423/1997 on dt.4/5/23 in transit at Bowenpally, if anyone found pls call on 9346234790

SHAILASHRI BHIMAPPA NAYIK(old name)Resident of Balawad Village-Balawad PO-balawad,city-Athani, Dist-Belgaum,state-Karnataka.my name has been change to SHAILASHRI VITTAL AINAPUR(new name) hereafter my name is known as SHAILASHRI VITTAL AINAPUR.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीएम नीतीश ने नए संसद भवन के साथ नीति आयोग की बैठक को बेमतलब कहा

बीजेपी बोली- जाते तो नजर कैसे मिलाते

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाईटेड में अब हर बात पर तीखी टक्कर हो रही है। राष्ट्रीय जनता दल मैदान में सिर्फ जदयू का साथ देता नजर आ रहा है। संसद के नए भवन में उद्घाटन को लेकर प्रधानमंत्री का विरोध करने के बाद अब जदयू नीति आयोग की बैठक में भी सीधी लड़ाई पर उतर आया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग इस देश का इतिहास बदलने के लिए नया संसद भवन बनाकर खुद उद्घाटन कर रहे हैं, इसलिए इसका मतलब नहीं हे। उन्होंने नीति आयोग की बैठक को भी बेमतलब बताया। वहीं पलटवार करते हुए भाजपा ने कहा कि नीतीश कुमार पीएम नरेंद्र मोदी की नजरों से बचना चाह रहे हैं। वह अगर बैठक में जाते तो उनसे नजर कैसे मिलाते। नीतीश कुमार बोले- अलग से नया भवन बनाने का कोई मतलब ही नहीं है शनिवार सुबह पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन की क्या जरूरत थी। आजादी हुई तो जहां से शुरुआत हो गई, उसे ही और विकसित कर देना चाहिए। अलग से नया भवन बनाने का कोई मतलब ही नहीं है। आप क्या इतिहास ही बदल दीजिए। इसे अलग करने की क्या जरूरत थी। पुरानी संसद भवन को ही विकसित करना चाहिए था। आप क्या इतिहास भूला दीजिएगा? कल आप इसे खत्म कर दीजिएगा तो इतिहास के बारे में कैसे पता चलेगा। आप जान लीजिए जो शासन में हैं, वह सारे इतिहास को बदल देंगे। आजादी की लड़ाई के इतिहास को भी बदल देंगे। आज नीति आयोग की बैठक और कल नए संसद भवन के उद्घाटन में शामिल होने का कोई मतलब नहीं था।

भाजपा का पलटवार- पीएम मोदी की नजरों से बच रहे नीतीश कुमार

इस बीच भाजपा का और भी तीखा बयान आ गया। नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को इस बैठक में शामिल होना चाहिए था लेकिन उनके नहीं जाने से बिहार के विकास में बाधा पहुंचेगी। यदि वह नीति आयोग की बैठक में शामिल होते तो बिहार के विकास के लिए जो जरूरी नीतियां है, उस पर चर्चा होती। लेकिन, नीतीश कुमार की मनसा बिहार का विकास करना नहीं है। इसी कारण हो नीति आयोग की बैठक से दूरी बना रहे हैं।

जदयू का आरोप- केंद्र सरकार ने बिहार के साथ कभी भी इंसाफ नहीं किया

इधर, जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से अधिकृत करने पर भी मंत्रिमंडल सदस्य को बैठक में शामिल होने की अनुमति नहीं देने को असंवैधानिक बता दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने बिहार के साथ कभी भी इंसाफ नहीं किया है। हमेशा भेदभाव किया जाता है। बिहार कई मामलों में आगे है और इसे और विकसित करने के लिए फंड की जरूरत होती है। केंद्र सरकार भेदभाव करती है।

नई संसद के उद्घाटन पर बोले अखिलेश यादव- 'ऐसे कार्यक्रमों में जाने से क्या फायदा...'

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे. उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों पर ना होने से तकरार जारी है. कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियों ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह से दूर रहने की घोषणा की है. विपक्षी नेता राष्ट्रपति से नए संसद भवन का उद्घाटन कराए जाने की मांग पर अड़े हैं. विरोध, तकरार और बहिष्कार के बीच, सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी बड़ा बयान दिया है.

नई संसद पर क्या बोले सपा के मुखिया

सपा अध्यक्ष ने नई संसद के उद्घाटन से जरूरी लोकतंत्रातिक परंपराओं को बढ़ावा देने और निभाने की मांग की है. सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष का अपमान करनेवाले, नफरत की राजनीति करने वालों और जनता से झूठ बोलने वालों के कार्यक्रमों में जाने का क्या फायदा? सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री गोरखपुर पहुंचे. गोरखपुर में उन्होंने मालवीय नगर स्थित पूर्व विधायक शारदा देवी के पति को श्रद्धांजलि दी. बता दें कि विपक्षी दलों ने बीजेपी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं करने पर 'दरकिनार' करने का आरोप लगाया है. नए संसद भवन की आधारशीला पीएम मोदी ने रखी थी. निर्माण कार्य 10 दिसंबर 2020 को शुरू किया गया था. 1927 में तैयार हुई संसद की पुरानी इमारत करीब 100 साल की हो चुकी है. भारत की नई संसद तीन साल के अंदर करीब 1200 करोड़ की लागत से तैयार की गई है. नए संसद भवन में रखे जाने वाले सेंगोल यानी राजदंड पर भी विवाद है.

वैदिक रीति रिवाज से सेंगोल स्थापित करने का मुरादाबाद के सपा सांसद डॉ. एसटी हसन ने विरोध किया है. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार पर सेंगोल के सिलसिले में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है. जयराम रमेश का आरोप है कि पीएम मोदी राजदंड का इस्तेमाल तमिलनाडु में राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे हैं.

'वो करें तो रासलीला, हम तो कैरेक्टर ढीला'

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर ओम प्रकाश राजभर का तंज

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। दो हजार के नोट को आरबीआई ने सर्कुलेशन से बाहर करने का एलान किया है, जिसके बाद इस पर देश में जबरदस्त तरीके से राजनीति हो रही है. विपक्षी दल इस फैसले को लेकर लगातार केंद्र सरकार पर हमला बोल रहे हैं. जिसमें अब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की भी एंट्री हो गई है. राजभर ने कहा कि देश में सिर्फ दो हजार का ही नहीं 500 और 200 के नोट भी बंद कर देने चाहिए.

अखिलेश यादव पर किया पलटवार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी के महाजनसंपर्क अभियान पर सवाल उठाए थे, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि बीजेपी के मंत्रियों और सांसदों ने काम नहीं किया इसलिए बाहर से मंत्रियों को बुलाया जा रहा है. इस पर राजभर ने कहा कि वो करें तो रासलीला, 'हम तो कैरेक्टर ढीला'. उन्होंने कहा कि आप तमिलनाडु व बिहार में प्रचार करने क्यों गए थे. हम कहते हैं तो वह कहते हैं कि हमें सलाह की जरूरत नहीं है. राहुल गांधी ने बीजेपी की नकल मारी और सेम टू सेम कर्नाटक में उनकी सरकार बनी और पूरे देश में बीजेपी को हिला कर रख दिया. पिछड़ी जातियों के यूपी में 2 सबसे बड़े दुश्मन एक अखिलेश और दूसरे मायावती हैं. सुभासपा प्रमुख शुक्रवार को गाजीपुर दौरे पर पहुंचे, इस दौरान उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में शिरकत की. इस दौरान जब पत्रकारों ने उनसे दो हजार के नोट पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि 2000 ही नहीं 500 और 200 के नोटों पर भी पाबंदी लगा देना चाहिए, सिर्फ देश में सौ का नोट ही चलना चाहिए, इस भ्रष्टाचार में कमी आएगी. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, अगर किसी अधिकारी ने दस लाख रूपये की घूस मांगी हो और 100-100 का नोट ही चलन में होगा तो वो इतने पैसे किस बोरे में भरकर ले जाएगा.

नोट बंद करने के पीछे दी ये दलील

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि जब वो अधिकारी इतने सारे पैसे लेकर जाएगा तो दूसरे लोग भी उसे पैसे ले जाते देखेंगे और उसके भ्रष्टाचार का उन्हें पता लगेगा. राजभर ने कहा, 2000 और 500 के नोट चलन होने से भ्रष्टाचार को ही बढ़ावा मिला है क्योंकि किसी भी बैग में 2000 और 500 के नोट आराम से भर लिए जाते हैं और किसी को पता

नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह को लेकर

ललन सिंह ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

पटना, 27 मई (एजेंसियां)। जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है. इसका उद्घाटन रविवार को किया जाएगा. विपक्षी पार्टियों ने कार्यक्रम के बहिष्कार की बात कही है. इस बीच ललन सिंह का भी बयान सामने आया है. उन्होंने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर हमला बोला है. इतना ही नहीं उन्होंने इसके लिए पीएम मोदी को देश के आदिवासी समुदाय के लोगों से क्षमा मांगने की बात भी कही है.

नए संसद के उद्घाटन को लेकर ललन सिंह ने क्या कहा?

ललन सिंह ने शनिवार को पटना में कहा "प्रधानमंत्री को इस देश के आदिवासी समुदाय के लोगों, दलित समुदाय के लोगों और देश की महिला से क्षमा मांगनी चाहिए. जब उन्होंने दलित समुदाय की महिला को राष्ट्रपति बनाया था तब तो वे अपनी पीठ थपथपा रहे थे लेकिन उद्घाटन की बात आई तो उन्हें (राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू) इससे वंचित कर दिया. प्रधानमंत्री देश के इतिहास को समाप्त करके अपने नाम करना चाहते हैं.' उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी के नेता नीतीश कुमार आदिवासी वर्ग, दलित वर्ग और महिला वर्ग का सम्मान करते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश के इतिहास को समाप्त करके उसे अपने नाम करना चाहते हैं.

मथुरा में पुलिस एनकाउंटर, दो बदमाश पुलिस की गोली से हुए घायल और 9 गिरफ्तार

मथुरा, 27 मई (एजेंसियां)। जिले की थाना फरह पुलिस और एसओजी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी. शुक्रवार को पुलिस ने मुठभेड़ में व्यापारियों से रंगदारी मांगने वाले हिस्ट्रीशीटर महेंद्र पाल सिंह समेत 9 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया. इस दौरान मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से 2 बदमाश घायल हो गए. इन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया. पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में असलाह, तमंचा, पिस्टल, राइफल और कारतूस बरामद किया.

मथुरा पहुंचे जयंत चौधरी, निकाय चुनाव में जीतने वालों को दी बधाई, बोले- 2024 की करें तैयारी

मथुरा, 27 मई (एजेंसियां)। मथुरा में निकाय चुनाव में जीतने वाले पार्षद एवं छाता चेयरमैन नंदगांव में चैयरमैन की कुर्सी पर काबिज होने वाले पार्टी पदाधिकारी को बधाई देने और मिशन 2024 की तैयारियों की रणनीति बनाने को राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद जयंत चौधरी शनिवार को मथुरा आए गोकुल बैराज पर पदाधिकारी ने उनका जोरदार स्वागत किया। नरसीपुरम स्थित पार्टी के कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने निकाय चुनाव जीतने वाले पार्षद तथा नंदगांव चैयरमैन को बधाई दी। साथ ही कार्यकर्ताओं को 2024 के चुनाव हेतु अभी से जुटने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को समरसता का पाठ भी पढ़ाया।

राजद नेता अपहरण कांड में पुलिस का एक्शन

भाजपा विधायक राजू सिंह के ठिकानों पर हुई छापेमारी, दो लग्जरी गाड़ी जब्त

मुजफ्फरपुर, 27 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में राजद नेता अपहरण कांड मामले में पुलिस ने एक्शन शुरू कर दिया है। पुलिस ने साहेबगंज के भाजपा विधायक राजू सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की है। पुलिस ने दो लग्जरी गाड़ी भी जब्त कर ली है। साथ ही विधायक के ठिकाने के पास से एक अन्य मामले के एक आरोपित को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल, शुक्रवार को राजद नेता तुलसी राय ने बीजेपी विधायक राजू सिंह समेत आधा दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद और करीब एक दर्जन अज्ञात के खिलाफ पारू थाना में एफआईआर दर्ज कराया था।

इसमें विधायक और उसके समर्थकों पर अपहरण कर पिटाई का आरोप लगाया था। यह पूरी घटना गुरुवार की देर रात हुई थी। एक तिलक समारोह से लौटने के दौरान भाजपा विधायक राजू सिंह और राजद नेता तुलसी राय के बीच झड़प हुई थी। इसके बाद राजू सिंह तुलसी राय को लेकर अपने कोल्ड स्टोरेज पर चले गए। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद तुलसी राय को कोल्ड स्टोरेज से सुरक्षित निकाला गया था। इसके बाद तुलसी राय ने पारू थाना में राजू सिंह समेत कई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई। इस मामले को लेकर राजद नेता का पुलिस अभिरक्षा में मुजफ्फरपुर कोर्ट में शुक्रवार को बयान दर्ज कराया गया। इसके बाद शनिवार को बीजेपी विधायक के ठिकाने पर पुलिस की कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया है।

पूरे मामले पर सरैया एसडीपीओ कुमार चंदन ने बताया कि अपहरण मामले को लेकर राजू सिंह विधायक के यहां छापेमारी की गई। इसमें कांड में प्रयुक्त दो वाहन एक फॉर्च्यूनर और एक क्रेटा कार जब्त किया गया है। साथ ही साथ एक मस्जिद में विवादित झंडा लगाने के आरोपी को भी वहां से गिरफ्तार किया गया है। आगे की कार्यवाई की जा रही है।

मिर्जापुर में लड़कियों की तस्करी कर रहा था गिरोह, 11 लोग गिरफ्तार

मिर्जापुर, 27 मई (एजेंसियां)। जिला की राजगढ़ थाना पुलिस ने मानव तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया. शुक्रवार को पुलिस ने एक महिला समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया. इनमें कुछ लोग बुलंदशहर, हापुड़ और दिल्ली के रहने वाले हैं. पुलिस को इनके पास से शादी का सामान और नगद रुपये मिले हैं. गिरोह मासूम लड़कियों की गरीबी का फायदा उठाता था और उनके परिजनो से इनका सौदा करता था. इसके बाद दूसरे शहरों के अधिक उम्र के पुरूषों या फिर अविवाहित लोगों से पैसे लेकर इनकी शादी करा देता था.एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि राजगढ़ थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक नाबालिग की शादी कराई जा रही है. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दूल्हे समेत 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया.

अररिया में मिड डे मील में मिला सांप, 150 से अधिक बच्चों ने खाया खाना; स्कूल में परिजनों का हंगामा

अररिया, 27 मई (एजेंसियां)। बिहार के अररिया जिले में बच्चों के मध्याह्न भोजन में सांप मिलने के बाद हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि 150 से अधिक बच्चे खाना खा चुके थे। मामला जोगबनी नगर परिषद के अमौना माध्यमिक विद्यालय का है। मिड डे मील में सांप मिलने की जानकारी मिलते ही स्कूल में हंगामा मच गया। सैंकड़ों की संख्या में बच्चों के परिजन स्कूल पहुंच गए। आनन-फानन में सभी बच्चों को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल फारबिसगंज में भर्ती कराया गया है। घटना को लेकर बताया जाता है कि सुबह नौ बजे के करीब एनजीओ की ओर से पका हुआ खाना विद्यालय लाया गया था। लगभग 150 बच्चों ने खाना खा भी लिया था। अन्य बच्चों को खाना परोसे जाने के लिए एनजीओ के बर्तन से निकाला जा रहा था। इसी क्रम में मरा हुआ सांप खाने में मिलने से विद्यालय में हड़कंप मच गया।

स्कूल में जुटी लोगों की भीड़

घटना की खबर बाहर फैलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक व स्थानीय लोगों की भीड़ स्कूल परिसर में जुट गई। हालात बेकाबू देख स्कूल के शिक्षकों ने अंदर से ग्रिल बंद कर लिया। आक्रोशित लोग ग्रिल को तोड़ने की भी कोशिश कर रहे थे। बच्चों के खाने में स्कूल प्रबंधन की घोर लापरवाही से परिजनों में आक्रोश है। वहीं, सूचना पर फारबिसगंज एसडीओ सुरेंद्र कुमार अलबेला और डीएसपी खुशरू सिराज भी विद्यालय पहुंचे और भीड़ को स्कूल परिसर से बाहर किया। फिलहाल, बच्चों की स्थिति ठीक बताई जा रही है। एसडीओ खुद अस्पताल में बच्चों की निगरानी कर रहे हैं।

टीवी देखने पहुंचे पड़ोसी ने किया किशोरी का रेप, पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। राजधानी के बीकेटी थाना क्षेत्र में पड़ोसी ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया. आरोप है कि पड़ोसी टीवी देखने के बहाने आया था और किशोरी को घर में अकेला पाकर उसे अपनी हवस का बना डाला. किशोरी के परिजनों ने बीकेटी थाने में पड़ोसी के खिलाफ तहरीर दी है. तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल मामले की जांच की जा रही है.पीड़िता के परिजनों ने बताया कि वो किसी काम से बाहर गए हुए थे. बेटी (14 वर्ष) घर पर अकेली थी, तभी पड़ोस में रहने वाला युवक हनुमान मौर्य उनके घर पर टीवी देखने आया. टीवी देखने के दौरान हनुमान ने उनकी बेटी के साथ रेप किया और मौके से फरार हो गया. परिजनों के अनुसार, जब वो घर पहुंचे तो बेटी ने आपबीती बताई. इसके बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी. पीड़िता की मां ने आरोपी के खिलाफ बीकेटी थाने में लिखित तहरीर दी.

मुखिया मां का मर्डर हुआ अब बेटी वहीं से जीती

21 साल की पायल बनीं सबसे कम उम्र की मुखिया; बोलीं-मां का सपना पूरा करूंगी

भागलपुर, 27 मई (एजेंसियां)। भागलपुर में महज 21 साल की पायल मुखिया बनी हैं। पायल शर्मा ने जदयू नेता सरोज चौधरी को 193 मतों से हराकर मुखिया पद पर कब्जा जमाया। पायल का कहना है कि मुखिया बनकर वो अपने मां के उन सपनों को पूरा करेंगी, जो अधूरे रह गए थे। दरअसल, सुल्तानगंज के कुमैठा पंचायत में मुखिया अनीता देवी की उन्हीं के बॉडीगार्ड ने हत्या कर दी थी। अब इस सीट पर हुए उपचुनाव में मां के बाद बेटी ने जीत दर्ज की है। शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना हुई। जिसमें सुल्तानगंज के कुमैठा पंचायत में मुखिया के पद के चुनाव में पूर्व मुखिया अनिता देवी की 21 साल की बेटी पायल शर्मा जीतीं। बता दें कि सुल्तानगंज प्रखंड के कुमैठा पंचायत में हुए मुखिया उपचुनाव में कुल 8160 मतदाताओं में से कुल 3934 लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। जिसमें पायल शर्मा को 2033 मत और उनके प्रतिद्वंदी सरोज चौधरी को 1840 वोट मिले। पायल शर्मा ने 193 मतों से मुखिया पद पर कब्जा जमाया है।

कुमैठा को सबसे विकसित पंचायत बनाना है : पायल

पायल शर्मा ने बिहार की कम उम्र की मुखिया सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वह अपनी जीत पर काफी खुश दिखीं। जीत का श्रेय जनता को दिया। नव निर्वाचित मुखिया ने कहा कि जैसे उनकी मां ने पूरे पंचायत में विकास किया था। उसी तरह मै भी आम जनता के सहयोग से काम करूंगी। पायल ने कहा कि कुमैठा पंचायत को बिहार का सबसे विकसित पंचायत बनाना है। पायल शर्मा की जीत से उत्साहित उनके समर्थकों ने उन्हें फूल-माला से स्वागत किया।

बॉडीगार्ड ने की थी मुखिया मां की हत्या

पायल शर्मा की मां पूर्व मुखिया अनीता देवी की 31 मार्च 2022 को उनके ही बॉडीगार्ड महत मिश्र ने हत्या कर उसके शव को पंखे से लटका दिया था। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। बताया जाता है कि अनिता देवी के विरोधी लगातार उनकी हत्या करने के प्रयास में लगे हुए थे। इसी बीच विरोधियों ने महत मिश्रा को उकसा कर अनीता की हत्या करवा दी। महत मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यूपी में कई सब्जियां हुईं महंगी, प्याज की कीमतों में गिरावट

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। प्याज की आवक भरपूर और मांग कमजोर होने से इन दिनों प्याज की कीमतों में जबरदस्त गिरावट बनी हुई है. थोक बाजार में पांच से 8-12 रुपये किलो और चिल्हर में 15 से 20 रुपये किलो तक प्याज बिक रहा है. कारोबारियों का कहना है कि इस वर्ष प्याज का उत्पादन काफी अच्छा रहा. इस वजह से कीमतें लगातार कम होती जा रही हैं. थोक प्याज व्यावसायी एजाज हुसैन ने बताया कि आवक भरपूर होने के साथ ही बाजार में प्याज की मांग भी कमजोर है. इसका नतीजा है कि कीमतों में गिरावट हो रही है. पिछले साल की तुलना में दाम हुए आधेः पिछले वर्ष मई में थोक बाजार में प्याज 16 से 18 रुपये किलो और चिल्हर में 25 से 35 रुपये किलो तक बिक रहा था. वर्तमान में प्याज की कीमतें आधी हो गई हैं. कारोबारियों का कहना है कि जून में प्याज की कीमतों में और गिरावट हो सकती है. लखनऊ में सब्जियों का थोक भावः पालक 8 रुपये किलो, तोराई 20 रुपये किलो, भिंडी 30 रुपये किलो, गाजर 10 रुपये किलो शिमला मिर्च 10 रुपये किलो, आलू 12 रुपये किलो, गोभी 8 रुपये प्रति पीस, टमाटर 14 रुपये किलो, मिर्ची 40 रुपये किलो, प्याज 12 रुपये किलो, लहसुन 80 रुपये किलो, बैंगन 10 रुपये किलो, पत्तागोभी 8 रुपये किलो, सेम 30 रुपये किलो, कद्दू 10 रुपये किलो, लौकी 12 रुपये किलो, परवल 60 रुपये किलो, नींबू 60 रुपये किलो थोक के भाव में बिक रही है. इसी तरह अन्य सब्जियों के दामों में भी गिरावट हुई है. बाजार में फुटकर सब्जियों के भावः वर्तमान में मंडियों से उठकर बाजारों में फुटकर दामो में पालक 15 रुपये किलो, तोराई 30 रुपये किलो, भिंडी 40 रुपये किलो, गाजर 15 रुपये किलो, शिमला मिर्च 15 रुपये किलो, आलू 18 रुपये किलो, गोभी 15 रुपये प्रति पीस, टमाटर 18 रुपये किलो, मिर्ची 50 रुपये किलो, प्याज 20 रुपये किलो, लहसुन 120 रुपये किलो, बैंगन 20 रुपये किलो, सेम 60 रुपये किलो, लौकी 28 रुपये किलो, कद्दू 15 रुपये किलो, नींबू 90 रुपये किलो और परवल 90 रुपये किलो में बिक रहा है.

ससुराल में महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत

बेगूसराय, 27 मई (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत का मामला सामने आया है. महिला का शव उसके सुसाराल में फंदे से लटका हुआ मिला. जिसके बाद मृतका के मायके वालों ने पति समेत ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है. घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र की है.

यूपी के 1600 थानों में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे, 144 करोड़ रुपए जारी

लखनऊ, 27 मई (एजेंसियां)। प्रदेश भर में थानों के चप्पे-चप्पे पर नजर रखने के लिए लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों के लिए गृह विभाग ने 144.90 करोड़ रुपए स्वीकृत कर दिए है. इस धनराशि से यूपी के लगभग 1600 थानों में 5-5 कैमरे लगेंगे. इसमें 12 महीने तक के फुटेज रखने की व्यवस्था होगी. सुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकारों के संरक्षण और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए निर्देश दिए थे.भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए थानों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरेभ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए थानों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरेसुप्रीम कोर्ट ने मानवाधिकारों के संरक्षण और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए निर्देश दिए थे. कोर्ट के आदेश के बाद यूपी के हर थाने में दो-दो कैमरे लगाकर खानापूरी की गई थी. लेकिन मार्च 2023 में योगी कैबिनेट ने थानों में पांच से छह कैमरे लगाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी थी. इसके बाद डीपीआर तैयार कर लिया गया. अब पूरे थाने परिसर को कवर करने के लिए कैमरे लगाए जाएंगे.

राहुल कर रहे आबादी से हिस्सेदारी देने की मांग, लेकिन कर्नाटक कैबिनेट में दलित-मुस्लिम और महिलाओं को नहीं मिला 'हक'

बेंगलूरू, 27 मई (एजेंसियां)। सरकार गठन के एक हफ्ते बाद सिद्धारमैया कैबिनेट का विस्तार भी हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सीएम और डिप्टी सीएम के बीच विवादों को सुलझाते हुए 24 नामों पर मुहर लगा दी है। सरकार गठन के वक्त मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री के अलावा 8 मंत्रियों ने शपथ ली थी। कर्नाटक कैबिनेट में कांग्रेस ने जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को साधने का दावा किया है, लेकिन कैबिनेट में महिलाओं और मुसलमानों को सिर्फ प्रतीकात्मक भागीदारी मिली है। वो भी ऐसे समय में जब राहुल गांधी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी देने की मांग को लेकर मुहिम छेड़े हुए हैं। कर्नाटक चुनाव के दौरान ही राहुल गांधी ने 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि राहुल के इस नारे की छाप कर्नाटक की नई कैबिनेट में भी दिख सकती है। 224 सदस्यों वाली कर्नाटक विधानसभा में कांग्रेस को 135 सीटें मिली है।

जितनी आबादी, उतना हक का नारा क्या है?

यह स्लोगन नया नहीं है। 1960 के दशक में समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने सत्ता के शीर्ष पदों पर सिर्फ एक जाति के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए यह नारा दिया था। उस वक्त समाजवादियों का नारा था- सोपा ने बांधी गांठ, पिछड़े पावें सौ में साठ। लोहिया का तर्क था कि देश में पिछड़े और दलितों की आबादी 60 फीसदी से अधिक है, लेकिन सत्ता में उसकी भागीदारी काफी कम है। लोहिया का यह नारा काम कर गया और 1967 के आसपास कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार चली गई। धीरे-धीरे यह मुद्दा पूरे देश में फैलता गया। 1990 में बीजेपी के राम मंदिर आंदोलन के बरक्स जनता दल के नेताओं ने मंडल कमीशन का बिगुल फूंक दिया। सरकारी नौकरी में मिलने वाले आरक्षण में संशोधन भी किया गया। हाल ही में इस मुद्दे को फिर से तूल देते हुए बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने जातीय जनगणना का फैसला किया है। कांग्रेस भी इस मुद्दे को खूब तरजीह दे रही है और जातीय जनगणना कराने की मांग कर रही है। कर्नाटक में राहुल गांधी ने इसी रणीनीति के तहत जितनी आबादी, उतना हक का नारा दिया था। राहुल गांधी के मुताबिक दिल्ली में जो नीति तय कर रहे हैं, वहां दलित-पिछड़ों की भागीदारी काफी कम है। ऐसे में सरकार आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी देने की फॉर्मूले को अमल में लाए।

कैबिनेट में हिस्सेदारी का गुणा-गणित

14 फीसदी वाले लिंगायत को मिला 7 मंत्री पद

बीजेपी के कोर वोटर माने जाने वाले लिंगायत कर्नाटक में 14 प्रतिशत के आसपास है। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस ने भी लिंगायतों को खूब तरजीह दी। पार्टी ने इस बार 46 लिंगायत उम्मीदवार मैदान में उतारे थे, जिसमें से 37 जीतने में सफल भी रहे। कैबिनेट में लिंगायतों को खूब तरजीह दी गई है। कांग्रेस ने लिंगायत समुदाय से आने वाले 7 नेताओं को मंत्री बनाया

है। इनमें एमबी पाटील, इश्वर खंडारे, एस दर्शनपुर, शिवानंद पाटील, एस।एस मल्लिकार्जुन, एसपी पाटील और लक्ष्मी हेबाल्कर का नाम शामिल हैं। लोकनीति-सीएसडीएस के मुताबिक कर्नाटक चुनाव में सिर्फ 29 प्रतिशत लिंगायतों ने कांग्रेस के पक्ष में वोट किया था। बीजेपी की सरकार में भी लिंगायतों का दबदबा था। मुख्यमंत्री बासवाराज बोम्मई के अलावा 8 मंत्री सरकार में लिंगायत समुदाय के शामिल किए गए थे।

11 फीसदी वाले वोक्कलिगा सरकार में पावरफुल

कर्नाटक में लिंगायत के बाद वोक्कालिगा की आबादी सबसे अधिक है। राज्य में करीब 11 फीसदी वोक्कलिगा हैं। हालांकि, समुदाय इससे अधिक का दावा करती रही है। कर्नाटक कैबिनेट में लिंगायत की तरह ही वोक्कलिगा भी सबसे पावरफुल हैं। वोक्कलिगा समुदाय से आने वाले डीके शिवकुमार सरकार में उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं। शिवकुमार के अलावा वोक्कलिगा समुदाय से 5 और मंत्री बनाए गए हैं इनमें रामलिंगा रेड्डी, एमसी सुधाकर, कृष्णा बायेर गौड़ा, एन चेलुवरस्वामी और के वेंकटेश का नाम शामिल हैं। कर्नाटक में वोक्कलिगा पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा की पार्टी जनता दल सेक्युलर का कोर वोटर माना जाता रहा है। कांग्रेस ने इस बार वोक्कलिगा समुदाय से 42 उम्मीदवार मैदान में उतारे थे, जिसमें से 21 जीतने में सफल रहे। वोक्कलिगा समुदाय के सौम्या रेड्डी 16 वोटों से चुनाव हार गई। लोकनीति-सीएसडीएस सर्वे में कहा गया है कि वोक्कालिगा समुदाय के 49 प्रतिशत वोट कांग्रेस को मिले हैं। बीजेपी की बोम्मई सरकार में भी वोक्कलिगा को खूब तरजीह दी गई थी। 7 मंत्री वोक्कलिगा समुदाय से बीजेपी ने बनाए थे।

18 फीसदी दलित, लेकिन कैबिनेट में सिर्फ 6 मंत्री

कर्नाटक में दलित समुदाय की आबादी करीब 18 फीसदी है। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी दलित हैं और कर्नाटक से आते हैं। कर्नाटक में जीत के बाद दलित नेताओं ने डिप्टी सीएम का पद मांगा था, लेकिन हाईकमान ने इसे ठुकरा दिया। कर्नाटक में दलित समुदाय से सिर्फ 6 मंत्री बनाए गए हैं, जिसमें एक खरगे के बेटे प्रियांक का नाम भी है। प्रियांक के अलावा जी परमेश्वर, केएच मुनियप्पा, शिवराज तंगादगी, एचसी महादेवा और आरबी तिमापुर कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं। कर्नाटक में दलितों के लिए विधानसभा की 36 सीटें रिजर्व है। कांग्रेस ने इस बार 38 दलित उम्मीदवार मैदान में उतारे थे, जिसमें से 27 सदन पहुंचने में कामयाब रहे। 2018 में कांग्रेस ने जेडीएस के साथ समझौते में दलित नेता जी परमेश्वर को डिप्टी सीएम बनाया था।

13 फीसदी मुसलमान पर कैबिनेट में सिर्फ 2

कर्नाटक में मुसलमानों की आबादी 13 प्रतिशत से अधिक है। कांग्रेस ने अहिन्दा फॉर्मूला के तहत मुसलमानों को साधने की रणनीति पर काम किया। कांग्रेस की यह रणनीति सफल भी रही और मुसलमानों ने पार्टी के पक्ष में जमकर मतदान किया। लोकनीति-सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक कर्नाटक में 70 फीसदी मुसलमानों ने कांग्रेस के पक्ष में वोट डाले, जबकि 14 प्रतिशत मुसलमानों ने जेडीएस को वोट दिया। इस बार 9 मुस्लिम विधायक जीतकर सदन पहुंचे हैं। दिलचस्प बात है कि सभी कांग्रेस के ही हैं। कर्नाटक में कांग्रेस ने इस बार सिर्फ 15 मुसलमानों को टिकट दिया था, जिसमें से 9 जीतने में कामयाब भी रहे। सरकार बनने के बाद मुस्लिम नेताओं ने डिप्टी सीएम की कुर्सी देने की मांग की थी, लेकिन कैबिनेट में सिर्फ 2 पद मुसलमानों को मिला है। कांग्रेस ने बी जमीर अहमद और रहीम खान को मुस्लिम कोटे से मंत्री बनाया है। 2013 में सिद्धारमैया की सरकार में मुस्लिम कोटे से 4 मंत्री बनाए गए थे। हालांकि, इस बार कांग्रेस ने स्पीकर का पद मुस्लिम नेता यूटी खादर को दिया है।

आधी आबादी को हक देने में कांग्रेस भी फिसड्डी

सोनिया गांधी के वक्त से ही कांग्रेस महिलाओं को 33 फीसदी हिस्सेदारी देने की बात करती रही है, लेकिन कर्नाटक में आधी आबादी को हक देने में कांग्रेस पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है। चुनाव आयोग के मुताबिक कर्नाटक में 43.7 फीसदी महिला वोटर्स है, लेकिन सिद्धारमैया की सरकार में सिर्फ एक महिला को मंत्री बनाया गया है। लक्ष्मी हेबाल्कर लिंगायत और महिला कोटे से मंत्री बनी हैं। कर्नाटक में कांग्रेस ने इस बार 11 महिलाओं को टिकट दिया था, जिसमें से 4 जीतने में कामयाब रही थी। कयास लगाया जा रहा है कि पोर्टफोलियों आवंटन में हेबाल्कर को महिला विभाग मिल सकता है। कांग्रेस ने महिलाओं को साधने के लिए पेंशन, फ्री बस यात्रा जैसी स्कीम की घोषणा की थी। पार्टी को इसका जबरदस्त फायदा भी मिला, लेकिन सरकार में महिलाएं भागीदारी नहीं पा सकी। सिद्धारमैया के पहली कैबिनेट में 3 महिलाओं को मंत्री बनाया गया था।

4 जिले से एक भी मंत्री नहीं

कर्नाटक कैबिनेट में जातीय के साथ-साथ क्षेत्रीय समीकरण को भी कांग्रेस ने साधने की कोशिश की है, लेकिन 4 जिले से एक भी मंत्री नहीं बने हैं। इनमें चिकमंगलूर, हावेड़ी, कोडागु और चमराजनगर का नाम शामिल हैं। हावेड़ी में 6 में से 5 सीटें कांग्रेस के खाते में गई थी। वहीं चिकमंगलूर में भी सभी 5 सीटें कांग्रेस जीत गई थी।

आईएस से संबंध रखने के आरोप में एनआईए की ताबड़तोड़ छापेमारी

हिरासत में लिए गए 10 लोग

भोपाल, 27 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के सूत्रों ने दावा किया है कि शनिवार को मध्य प्रदेश में 13 जगहों पर मारे गए छापे के मद्देनजर आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) से कथित संबंध के आरोप में 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सूत्रों ने कहा, उन्हें जबलपुर में हिरासत में लिया गया है। उनके आतंकी समूह आईएस से संबंध हैं। अधिकारी इस सिलसिले में उनसे पूछताछ कर रहे हैं। फिलहाल इस संबंध में एनआईए ने आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं दिया है। सूत्रों ने कहा कि उन्होंने इस मामले में छापेमारी के दौरान कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं, जो आतंकी फंडिंग और देश के खिलाफ युवाओं को कट्टरपंथी बनाने से संबंधित है। पिछले हफ्ते, एनआईए ने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) कैडर से संबंधित परिसरों पर छापा मारा था। जबलपुर के मुस्लिम इलाकों से प्रतिबंधित स्टूडेंट इस्लामिक मूवेमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कई बार पकड़े जा चुके हैं। वहीं आतंकवादी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से संबंध रखनेवालों को भी एनआईए एवं प्रदेश की एटीएस ने पूर्व में गिरफ्तार किया है।

मंत्री के घर छापेमारी कर रहे आईटी अफसरों को मिलेगी सीआरपीएफ सुरक्षा

चेन्नई, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) उन आयकर अधिकारियों को सुरक्षा प्रदान करेगा, जो शनिवार को राज्य के बिजली राज्य मंत्री सेंथिल बालाजी के परिसरों पर छापेमारी कर रहे हैं। यह फैसला चार आईटी अधिकारियों पर हमले के बाद हुआ, जो चेन्नई और करूर में बालाजी के परिसरों पर तलाशी और छापे मार रहे थे। उनका करूर के सरकारी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में इलाज चल रहा है। करूर पुलिस ने घटना के सिलसिले में पहले ही चार मामले दर्ज कर लिए हैं। विपक्ष के नेता और एआईएडीएमके के महासचिव, एडप्पादी के। पलानीस्वामी (ईपीएस) ने हमले की निंदा की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने मंत्री सेंथिल बालाजी, उनके भाई अशोक और करूर गिरोह के परिसरों पर छापेमारी करते हुए राज्य सरकार से अधिकारियों पर हमले की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी शराब की दुकानों पर ओवरचाजिर्ंग की मीडिया रिपोर्ट के बाद आईटी छापे पड़ रहे हैं।

बनूड़ की युवती की कनाडा में मौत, दो माह पहले उच्च शिक्षा के लिए विदेश गई थी कोमलप्रीत

राजपुरा (पंजाब), 27 मई (एजेंसियां)। दो माह पहले कनाडा गई बनूड़ की युवती की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बनूड़ के वार्ड नंबर 8 की रहने वाली कोमलप्रीत कौर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कनाडा गई थी। कोमलप्रीत कौर कनाडा के ब्रैम्पटन भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजकर 46 मिनट पर अपने दोस्तों के साथ काम पर जा रही थी, तभी रास्ते में चार वाहनों की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि चारों वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर से कोमलप्रीत की गाड़ी का दरवाजा खुल गया और वह सड़क पर जा गिरी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

80 साल के बुजुर्ग से युवती ने चैट करते समय बनाए अश्लील फोटो-2.38 लाख हडपे

ग्वालियर, 27 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर शहर के सिटी सेंटर अनुपम नगर में रहने वाले एक 80 साल के बुजुर्ग ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। फेसबुक पर दोस्ती कर एक युवती ने उनसे अश्लील चैट की और बाद में बुजुर्ग के अश्लील फोटो वीडियो तैयार कर ब्लैकमेल करते हुए वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 2 लाख 38 हजार रुपये हड़प लिए। बुजुर्ग ने क्राइम ब्रांच में मामले की शिकायत की है, अब पुलिस जांच पड़ताल में लग गई है। एडिशनल एसपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने बताया कि यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर अनुपम नगर में रहने वाले बुजुर्ग कि सोशल मीडिया के जरिए फेसबुक पर एक युवती के साथ मित्रता हुई थी। बुजुर्ग ने उसकी फ्रेंडशिप भी स्वीकार कर ली थी, जिसके बाद शातिर युवती द्वारा फेसबुक पर बुजुर्ग के साथ चैटिंग के दौरान अश्लील फोटो वीडियो तैयार कर लिए। उसके बाद फोटो वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बुजुर्ग को धमकाया जाने लगा और मामले की शिकायत पुलिस से करने और फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर बुजुर्ग को धमका कर उससे 2 लाख 38 हजार रुपये हड़प लिए। थक हारकर बुजुर्ग ने मामले की शिकायत क्राइम ब्रांच में की है और क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा इस मामले की पड़ताल की जा रही है।

शादी समारोह में आए दिल्ली के युवक की चाकू मारकर हत्या

रोहतक, 27 मई (एजेंसियां)। रोहतक के डेयरी मोहल्ले में रात शादी समारोह के दौरान झगड़ा हो गया। झगड़े में दिल्ली से शादी में आए 34 वर्षीय इशांत की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि डेयरी मोहल्ला का युवक घायल हो गया। पुरानी सब्जी मंडी थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक डेयरी मोहल्ला में शुक्रवार की रात शादी समारोह चल रहा था। डीजे पर डांस कर रहे थे। इसी बीच तीन चार युवक आए और चाकुओं से हमला कर दिया। शादी समारोह में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल ईसांत और तरुण को पीजीआई ले जाया गया, जहां इंसान की मौत हो गई। जबकि तरुण का अभी उपचार चल रहा है। पुरानी सब्जी मंडी थाना प्रभारी सतपाल सिंह का कहना है कि हत्या का मामला दर्ज कर जांच पड़ताल कर रहे हैं।

देश में गिरा कोरोना का ग्राफ, 24 घंटे में दर्ज किए गए 425 केस

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारत में कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या में कमी हो रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज सुबह कोरोना वायरस के नए आंकड़े जारी किए हैं। देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 425 नए मामले सामने आए हैं जबकि सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 5,259 रह गई है। इससे पता चलता है कि देश में कोरोना के ग्राफ में लगातार गिरता ही जा रहा है।

अब तक हो चुकी है 5,31,859 मौत

आंकड़ों के मुताबिक कोरोना से मरने वालों की संख्या तीन मौतों के साथ बढ़कर 5,31,859 हो गई है, जिसमें से केरल में कोरोना वायरस से एक व्यक्ति की मौत भी हुई है। मंत्रालय ने यह आंकड़ा आज सुबह 8 बजे अपडेट किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि कोविड-19 केस टैली 4.49 करोड़ दर्ज किया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, सक्रिय मामलों में अब कुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत शामिल है, जबकि राष्ट्रीय कोरोना की रिकवरी दर 98.80 प्रतिशत दर्ज की गई है।

चीन में दस्तक देगा नया वैरियंट

बीमारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 4,44,52,223 हो गई, जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत दर्ज की गई। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक कोविड टीके की 220.66 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। भारत में तो कोरोना मामलों का ग्राफ लगातार गिरता ही जा रहा है, लेकिन चीन में अभी भी कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। वहां कोरोना का नया वैरियंट बहुत जल्द आ सकता है।

तेज आंधी से टूटे पेड़ सड़क पर गिरे, रास्ते व बिजली सप्लाई बाधित

पानीपत, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में सुबह तीन-चार बजे की बीच तेज आंधी आई और कई जिलों में जमकर बारिश हुई। जिसके कारण सड़कों पर जलभराव की समस्या हो गई। इस कड़ी में फतेहाबाद में भी अलसुबह तीन बजे के बाद आई तेज आंधी ने काफी आफत मचाई। कई प्रमुख रास्तों पर पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए। भट्ट से फतेहाबाद की मुख्य सड़क पर भी कई पेड़ गिर गए। इससे यातायात व्यवस्था बाधित हो गई। इस कारण सुबह सुबह गंतव्य की ओर जाने वाले वाहन चालकों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ी। इसके अलावा बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। शहरी क्षेत्र में 4 से 5 घंटे के बाद बिजली सप्लाई बहाल की जा सकी।

इयूटी का फर्ज और मां का कर्तव्य एक साथ निभाती हैं उज्जैन की यह महिला पुलिस अधिकारी

उज्जैन, 27 मई (एजेंसियां)। उज्जैन जिले में बड़नगर पुलिस थाने में एक ऐसी महिला पुलिस अधिकारी हैं, जो अपनी डेढ़ साल की मासूम बिटिया का पालन-पोषण करने के साथ पुलिस का फर्ज बखूबी निभा रही हैं। एक तरफ घर में ममता की मूरत तो दूसरी तरफ अपराधियों के लिए खौफ का दूसरा नाम 2016 बैच की एसआई प्रीति सिंह चौहान फिलहाल बड़नगर थाने में पदस्थ हैं। एसआई चौहान थाने में ड्यूटी गश्त संभालने के साथ ही महिला डेस्क की नोडल अधिकारी के रूप में भी अहम जिम्मेदारी निभा रही हैं। 8-10 घंटे की ड्यूटी एसआई प्रीति सिंह अपनी डेढ़ साल की मासूम के साथ करती हैं। प्रीति सिंह ने बताया, पति आकाश दीप सिंह बालाघाट में सब-इंस्पेक्टर के पद पर सेवा दे रहे हैं। ऐसे में घर पर बच्ची को संभालने में समस्या आती है, वहीं पुलिस की ड्यूटी निभाना अपने आप मे कठिन है। तीन शिफ्ट में से किसी भी शिफ्ट में कभी भी ड्यूटी लग सकती है। इसके अलावा महिला संबंधित मामले आने पर कभी भी थाने पर आना जाना लगा रहता है। इसके बावजूद डेढ़ साल की बिटिया प्रिशा का प्रीति सिंह पूरा ख्याल रखती हैं। दोनों जिम्मेदारी का तालमेल बैठाने में प्रीति सिंह को पुलिस अधिकारियों को भी सहयोग मिल रहा है। ड्यूटी पर रहने के बाद भी एसआई प्रीति सिंह बच्ची का पूरा ध्यान रखती है। बड़नगर एसडीओपी रवींद्र बोयत, थाना प्रभारी सुरेंद्र गरवाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी अपने सहयोगी पुलिस अधिकारी के डबल रोल से काफी प्रभावित हैं। प्रीति सिंह एक सशक्त महिला के साथ ममतामयी मां की भूमिका भी निभा रही हैं।

'नए संसद भवन बनने पर उद्धव गुट के सांसद ने की पीएम मोदी की तारीफ

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद विनायक राउत ने नए संसद भवन के उद्घाटन पर अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि हम संसद भवन का विरोध नहीं कर रहे हैं। महाराष्ट्र में जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने संसद भवन के निर्माण को समर्थन दिया था। संसद भवन का उद्घाटन लोकतंत्र के सर्वोच्च पद पर बैठे राष्ट्रपति जी के हाथों से होना चाहिए। लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। यही कारण है कि हम विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने यह करके दिखाया है इसके लिए वो बधाई पात्र। विनायक राउत ने

कहा कि हम उनके शुक्रगुजार हैं लेकिन अगर इस संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के हाथों होगा तो इसकी ऊंचाई और बढ़ेगी। प्रधानमंत्री के हम शुक्रगुजार हैं क्योंकि उनके माध्यम से इतने बड़े और बढ़िया संसद भवन का निर्माण हुआ है। इसमें कोई शक नहीं है। संसद भवन और लाइब्रेरी की तुलना नहीं की जा सकती। संसद भवन और एनेक्स बिल्डिंग की तुलना नहीं की जा सकती है। पुरानी संसद अंग्रेजों ने बनाया था। नया संसद मोदी जी ने बनाया। इसके लिए हम उनकी तारीफ करते हैं। उनके शुक्रगुजार हैं और इसमें हम कोई कंजूसी नहीं करेंगे। उन्होंने राजदंड सेंगोल को लेकर कहा कि राजदंड लाकर संसद में रखना अच्छी बात है। कई देश के विधानसभाओं में भी राजदंड है, लेकिन इस राजदंड का पालन करना बड़ी बात होती है। जिस सोच के साथ राजदंड का निर्माण किया गया था, क्या उसका पालन देश की सरकार कर रही है? क्या वो लोकतंत्र आज देश में है? सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्णय देने के बावजूद भी ऑर्डिनेंस निकालकर सारे पावर अपने हाथ में ले लेना यह लोकतंत्र है क्या? एक तरफ लोकशाही को बढ़ावा देने की बात करना और दूसरी तरफ ईडी, सीबीआई और एनसीबी के जरिए लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करना सही है क्या? एजेंसियों का इस्तेमाल कर विरोधी दलों के नेताओं को परेशान किया जा रहा है।

शिवसेना शिंदे गुट के शहर प्रमुख शब्बीर शेख की धारदार हथियार से हत्या

उल्हासनगर, 27 मई (एजेंसियां)। मुंबई से सटे ठाणे जिले के उल्हासनगर से बड़ी घटना सामने आई है। यहां शिंदे गुट के शहर प्रमुख शब्बीर शेख पर बीती रात कुछ अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से हमला किया है, जिससे उनकी मौत हो गई है। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे उल्हासनगर में तनाव की स्थिति है। मिली जानकारी के मुताबिक, शब्बीर शेख और आरोपियों के बीच कोई पुराना वाद-विवाद चल रहा था। इसीलिए हमलावरों ने शिवसेना उल्हासनगर 5 के शाखा प्रमुख शब्बीर शेख पर धारदार हाथियार से हमला किया और उनकी हत्या कर दी। नजदीकी हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। एक तरफ शिंदे सरकार के भविष्य को लेकर जहां एनसीपी से विपक्ष के नेता अजित पवार ने सोमवार यानी 15 मई को कहा कि शिंदे गुट के 16 विधायकों के अयोग्य ठहराए जाने पर भी शिंदे सरकार को कोई खतरा नहीं है, क्योंकि उनके पास बहुमत है, तो वहीं पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष जयंत पाटिल ने शिवसेना के 16 विधायकों के अयोग्य करार दिए जाने पर शिंदे सरकार के गिरने का दावा किया है।

कॉपीराइट मामले में फंसा गूगल, कोर्ट ने ठोका 32.5 मिलियन का जुर्माना

सैन फ्रांसिस्को, 27 मई (एजेंसियां)। अमेरिका की एक अदालत ने कंपनी के स्मार्ट स्पीकर पेटेंट का उल्लंघन करने के लिए गूगल को हाई-टेक ऑडियो टेक्नोलॉजी कंपनी सोनोस को 32.5 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया है। सैन फ्रांसिस्को जूरी ने मामले में पाया कि गूगल के स्मार्ट स्पीकर और मीडिया प्लेयर्स ने सोनोस के दो पेटेंटों में से एक का उल्लंघन किया है। जूरी सदस्यों ने कहा कि बेचे गए 14 मिलियन से अधिक डिवाइस में से प्रत्येक के लिए गूगल 2.30 डॉलर का भुगतान करेगा। पिछले साल जनवरी में एक फैसले में, यूएस इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन (आईटीसी) ने कहा कि गूगल ने स्मार्ट स्पीकर से संबंधित हाई-टेक स्पीकर और ऑडियो टेक्नोलॉजी कंपनी सोनोस के पांच पेटेंट का उल्लंघन किया है। एक अमेरिकी न्यायाधीश ने पिछले साल अगस्त में फैसला सुनाया था कि गूगल ने सोनोस पेटेंट का उल्लंघन किया है। जनवरी 2020 में, सोनोस ने पहले तकनीकी दिग्गज गूगल पर उसके वायरलेस स्पीकर डिजाइन की कथित रूप से नकल करने के लिए मुकदमा दायर किया, आईटीसी से लैपटॉप, फोन और स्पीकर जैसे गूगल प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। सोनोस के सीईओ पैट्रिक स्पेंस ने यूएस हाउस एंटीट्रस्ट कमेटी के सामने गवाही दी कि गूगल ने कंपनी को अमेजन के एलेक्सा असिस्टेंट और गूगल असिस्टेंट दोनों को एक ही समय में सक्रिय होने से रोक दिया। गूगल ने कहा था, हम अपने प्रोडक्ट्स को आयात करने या बेचने की हमारी क्षमता पर कोई प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं करते हैं।

तांत्रिक क्रिया से पैसे डबल करने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश एक आरोपी काबू

पानीपत, 27 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में गांव दरियापुर निवासी दो युवकों को तांत्रिक क्रिया से पैसे डबल करने का झांसा देकर 2.20 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक आरोपी को थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने गोहाना के नजदीक गांव सैनीपुरा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया है। थाना पुराना औद्योगिक प्रभारी इंस्पेक्टर नरेंद्र ने बताया कि पूछताछ में आरोपी साहिल निवासी रामगढ़ सोनीपत ने गांव निवासी अपने साथी सतीश, मेवासिंह व गोहाना निवासी साथी दीपक के साथ मिलकर तांत्रिक क्रिया से पैसे डबल करने का झांसा दे ठगी की उक्त वारदात को अंजाम देना कबूल किया हे। ठगी की नकदी बरामद करने व वारदात में शामिल अन्य आरोपियों के ठिकानों का पता लगाने के लिए उसे दो दिन के रिमांड पर लिया है।

आज मैं ऊपर आसमां नीचे ... : संजय लीला भंसाली

अतुल कुमार

इस बार सर्वश्रेष्ठ फिल्म निर्देशक का प्रतिष्ठित फिल्म फेयर अवार्ड नामी निर्देशक संजय लीला भंसाली को उनकी लोकप्रिय फिल्म " गंगू बाई कठियाडी " के लिये प्रदान किया गया . इसी फिल्म को भिन्न कैटेगरीस में कुल 10 ट्राफियां मिलीं जो रिकार्ड है .उनकी डायरेक्ट की हुई फिल्मों ने क्लासिक पिक्चर के रूप में खूब रंग जमाया .फिल्म के पहले फ्रेम से ले अंतिम तक उनकी क्रिएटिव पकड इतनी इंप्रेसिव होती हैं कि कहीं झोल नहीं दिखायी देता . कहानी ,संवाद और निर्देशन से ऐसे बांधते हैं कि दर्शक कोई सीन मिस करना नहीं चाहते गाना आये भी तो उसमें इतनी आर्टिस्टिक खूबसूरती पेश करते हैं जो लंबे वक्त तक दर्शकों की यादों में बस जाती है .कुछ ही गिने चुने फिल्म मेकर्स हैं जो फिल्म मेकिंग के हर पहलू पर अपनी पकड बनाये रखते हैं तकनीकी विकास के बाद फिल्मों में विज़ुअल इफेक्ट्स की भरमार है जबकि भंसाली की फिल्मों में छोटी सी छोटी डिटेल में उनका डूबा जुनून दिखायी देता है आज दर्शक जब सिनेमा हालों से मुंह मोड रहे हैं तब उनका नाम और उनकी फिल्में आडियंस को विथ फैमिली देखने के लिये प्रेरित करती हैं .

संजय लीला भंसाली ने अपने 28 साला फिल्मी कैरीयर में कामयाबियों के जो मुकाम हासिल किये वह उनकी मेकिंग की सक्सेस स्टोरी को बयां करते हैं . अपनी पहली फिल्म " खामोशी " (सन 1996) से उन्होंने जिस सुनहरे सफर की शुरुआत की उसमें शोहरत के कई अफसाने जुडे और जुड रहे हैं ." खामोशी " म्यूसिकल फिल्म थी जिसकी कथा मूक बधिर परिवार से संबंधित थी इसमें कई दिलचस्प मोड देखने मिलते हैं स्टोरी को भंसाली ने जिस सधे हुए निर्देशन से सजाया वह कैरीयर की पहली गेंद पर ही छक्का लगाने जैसा है . फिल्म के टाइटल के साथ ही " द म्यूसिकल " की टैग लाइन दी गयी . उस दौर में उसके गाने जम कर चले मसलन " बांहों के दरम्यां दो प्यार मिल रहे हैं " और " आज मैं ऊपर आसमां नीचे आज मैं आगे ज़माना है पीछे " बंपर हिट हुए .

फिल्म " खामोशी " का एक डायलाग है " नामुमकिन को मुमकिन बनाना ही ज़िंदगी की कामयाबी है " अपनी बेहतरीन फिल्मों से इसे साबित कर दिखाया .उनकी यादगार फिल्मों में एक " ब्लैक " है यह एक युवा महिला

की कहानी है जो देख ,सुन या बोल नहीं सकती . एक शिक्षक उसकी अंधेरी दुनिया में रौशनी की किरण लाता है .फिल्म में महानायक अमिताभ बच्चन और रानी मुखर्जी ने मुख्य किरदारों की भूमिका निभायी जिसकी हर ओर सराहना हुई .पिछले दिनों फिल्म की 12 वी सालगिरह पर अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लाग में इस अद्भुत फिल्म को याद करते हुए लिखा कि " संजय लीला भंसाली की फिल्में देख मैं उनसे इतना ज़्यादा प्रभावित हो गया कि उनके साथ काम करना चाहता था जब अवसर मिला तो वह काफी ज़बर्दस्त था .मैंने फिल्म के लिये कोई मेहनताना नहीं लिया .इस प्रकार की फिल्म का हिस्सा बनना ही मेरे लिये काफी था .वह लिखते हैं फिल्म के प्रीमीयर के दिन जब सभी फिल्म देख रहे थे तो सबकी आंखों में खुशी के आंसू थे .हैरान करने वाली बात यह थी कि दर्शकों में दिलीप साहब बैठे थे और यह मेरे बचपन का सपना सच होने जैसा था जब फिल्म खत्म हुई तो वह हाल के बाहर मुझे खडे मिले ,मेरा हाथ थाम मेरी आंखों में देखा यह ज़िंदगी भर मेरे साथ रहेगा "

संजय लीला भंसाली वर्तमान दौर के दिग्गज फिल्म निर्देशकों में माने जाते हैं भव्य फिल्में जिसकी स्ट्रेंथ मधुर गाने होते हैं के लिये विख्यात हैं उनकी फिल्मों में भावनाओं का ज्वार स्वतः उमडता है सरल ,सहज और सादगी उनकी स्टोरी टेलिंग की खूबी है . अपने पात्रों से दर्शकों को इतना मोहित करते हैं कि उनसे वह दिल लगा बैठते हैं फिल्म " बाजीराव मस्तानी " की प्रेम कहानी पर फिल्म बनाने की इच्छा बरसों तक दिल में बसाये थे . फिल्म को इतनी खूबसूरती से बनाया कि दर्शक उनके दीवानावार प्यार और दर्द को महसूस करने लगे . काशी बाई के चरित्र और पक्ष को जिस तरह से डील किया वह उनके उत्कृष्ट निर्देशन कला का सुंदर नमूना बनी . 1942 – ए – लव स्टोरी को लिखा जिसे दर्शकों ने खूब सराहा . लेखन ,निर्देशन ,आर्ट डायरेक्शन , से फिल्मों को अलग आयाम देते हैं .विधु विनोद चोपडा के सहायक निर्देशक के रूप में कैरीयर शुरु किया .कविता पढना और पुराना संगीत सुनना हमेशा उनकी पसंद रहा . अच्छे संगीत निर्देशक हैं फिल्म "गुज़ारिश " में पहली बार बतौर संगीतकार गानों की तर्ज़ें बनायी उनके संगीत निर्देशन में अभी तक 40 से अधिक गाने कंपोस हुए हैं संगीत के प्रति शुरु से ही ललक रही बडे गुलाम अली खान के संगीत को सुनने के लिये " मुगले आज़म " 18 बार देखी . दूसरी कक्षा में थे तब ही ठान लिया कि भविष्य में फिल्म डायरेक्टर बनना है उसी सुध में बडे हुए तो किस्मत का इशारा भी उसी ओर मिला. जीवट भाव से अपनी प्रतिभा को डेवलप किया .

बडा निर्देशक बनने का जब भी सपना देख रहे होते तब उनके हाथ पर चूहा या काक्रोच रेंग रहे होते .क्यो कि वे मुंबई की एक चाल में रहा करते पिता के असमय निधन के बाद परवरिश मां ने की जो कपडे सीने का काम किया करती इससे जो आमदनी होती उसी से घर खर्च चलता. उनकी कडी मेहनत और प्यार से प्रभावित हो अपने नाम के बीच में मां का नाम लीला रखा जो मां के प्रति उनका आभार स्वरूप है . पुरुष प्रधान समाज में यह असाधारण बात है . फिल्म इंस्टीट्यूट पुणे से फिल्म निर्माण में डिप्लोमा करने के बाद परीक्षा के तौर पर फिल्म " अंगीकम " बनायी .

फिल्म " सांवरिया " और " गुज़ारिश " के नहीं चलने के बाद " रास लीला " और " बाजीराव मस्तानी " बनायी और दर्शकों के दिलों पर छा गये सन 1917 में यशस्वी कथाकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय की लिखी प्रसिद्ध कहानी " देवदास " को युवा पीढी शाहरुख खान के माध्यम से जानती है जिनकी फिल्म "देवदास " दो दशक पहले आयी .यह फिल्म 10 - 12 भारतीय भाषाओं में बनी लेकिन हर बार इसका जलवा बरकरार रहा इसे " मदर आफ लव स्टोरीस " कहा जाता है साहित्य और सिनेमा का यह अच्छा तालमेल सिद्ध हुई .भंसाली की बनायी " देवदास " ने दर्शकों को आकर्षित किया ." टाईम " पत्रिका ने अब तक बनी दस सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में इसे आठवें स्थान पर रखा .

" हम दिल दे चुके सनम " से संजय ने नाम काम और कमाई की उंचाई को पाया . फिल्म ने सफलता की पायदानों पर मौज मस्ती करते हुए नये किस्सों को लिखा .फिल्म के गानों ने धूम मचायी घरों ,गलियों और कारों में राज किया .उनकी हिट फिल्मों में यह एक है . गीत " निंबूडा निंबूडा निंबूडा " पर श्रोता झूमे . फिल्म का मार्मिक दृश्य है जिसमें सलमान खान अपने दिवंगत पिता से आसमान की तरफ देख बातें करते हैं दरअसल ,यह कोई इमैजनरी सीन नहीं बल्कि निर्देशक संजय लीला भंसाली की असली आदत थी .बताया जाता है कि बचपन में आसमान की तरफ देख पिता से बातें किया करते जिसे उन्होंने फिल्म में दिखाया . 24 फरवरी 1963 को मुंबई में गुजराती भाषी परिवार में जन्में इस दिग्गज फिल्मकार ने अपने सिनेमाई निर्देशन कौशल से जो संसार रचा उसे देखने का इंतज़ार दर्शकों को रहता है .क्यों कि कथा सुनाने ,बताने और सजाने की उनकी शैली ने दर्शकों के बडे वर्ग में अलग पहचान बनायी. अब तक के उनके पूरे फिल्मी सफर पर उन्हीं की फिल्म " खामोशी " के गाने की लाइन फिट बैठती हैं " आज मैं ऊपर आसमां नीचे ".

काव्य कुंज

ज़िक्र

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

आओ ज़िक्रे यार करें
आ खुदा से बात करें
वह तू नहीं जो तू है
आ खुला आसमान देखें
आ प्यार से बात करें
आओ ज़िक्रे यार करें
हर घड़ी यूं ही
फिक्र में चली जाती है
जिंदगी यूं ही दौड़े चली जाती है
अपने ख्यालों में खोई जाती है
पास में कुदरत बुलाती है
चांद घड़ी बैठ अपने साथ
आ अब बात करें
आ अब फिकरे यार करें
आ फिकरे यार करें
तू दुनिया में दौलत में
हरदम घिरा रहता है
ना चैन है ना आराम है
न खुशी है ना चेहरे पर नूर है
अब दुनिया को छोड़
आ अब फिकर यार करें
खुदाई नूर से भर जाएगा
आ दिल को शाद करें
आ फिकरे यार करें
अपने खुदा को याद करें।।

सूरज बनना है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

जो अंधकार से डर जाये ,
जिसमें ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे ,
जब अग्नि जल रही सीने की
दीप प्रज्वलित करो साथियों ,
अपने प्यारे वतन की खातिर
कदम चलो तुम साथ भाइयों ,
अपने प्यारे वतन की खातिर
यही एकता काम आयेगी , अपने प्यारे वतन की खातिर
साथ जियें औ साथ मरें हम , अपने प्यारे वतन की खातिर
राहों से शूल चुनें जो , उनमें है शक्ति हलाहल पीने के की
जो अंधकार से डर जाये , जिसमें ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे , जब अग्नि जल रही सीने की
गहरा कितना ही हो सागर लेकिन लहरें झूमतीं आतीं तट पर
जलते सूरज की स्नेहिल किरणें खिलखिला जातीं भूतल पर
सिंदूरी मांग विश्वास जतलाती जैसे अचल विशाल वृक्ष वट पर
हमें भी है लहराना तिरंगा अपने देशवासियों के वक्षस्थल पर
वह हृदय नहीं है पत्थर है जिसने ली न कसम माँ के सीने की
जो अंधकार से डर जाये जिसमें , ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे , जब अग्नि जल रही सीने की
हिमालय सा नहीं अडिग हृदय तो , जलधार फूटेगी कैसे
तरु सा कोमल नहीं हृदय तो , फल की टोकरी भरेगी कैसे
हमें लिये तिरंगा हाथ में नये , आदर्श पदचिन्ह बनाने हैं
न चले भविष्य गर पदचिन्हों पे,प्रेम की बगिया खिलेगी कैसे
रहेगा शोभित किरीट शीश पे , कसम है देश नगीने की
जो अंधकार से डर जाये जिसमें , ललक नहीं है जीने की
वह दीप प्रज्वलित करेगा कैसे , जब अग्नि जल रही सीने की।

सुनो मेरी बात यारों

डॉ टी महादेव राव

सुनो यह मेरी बात यारों गुनो बदतर हालात यारों
सारे जवाब गुम हो गए, हैं कितने सवालात यारों
गिद्धों पर ही रहा भरोसा , डरा है आदमजात यारों
खुदगर्जों से निभाएं दूरी ,करें कोई करामात यारों
कितनी रोशनियां लाएं,है काफी लंबी रात यारों
अब बंद करें धोखे खाना ,सावधान दिन रात यारों
हुए सारे शहर खतरनाक
बने घने जंगलात यारों
छूट गया रिश्तों से रिश्ता
खोगए सब जज़्बात यारों
खोजें आओ भाई चारा
सबसे करें मुलाक़ात यारों
न डरें शब की सियाही से
कट जायेगी काली रात यारों,
नई सुबह की राह देखें बदलें खयालात यारों,

डर तुझे भी लगता है

डॉ डी डी देसाई

उम्मीदों को जिद्द बना के चली,
आसमान की ऊंचाईयों को छुति चली,
हर पगडाण्डी को सड़क बना के
मंजिल को परचम बनती चली।
बेखौप.. बेबाक पहचान हैं तेरी,
पर जब मुझसे नज़रे मिली
तेरी नज़र चुराती नजरों से जाना..
कि...डर तुझे भी लगता हैं।
एक दूसरे की बातों में घुल जाना,
असमय भी समय निकालना,
बिन तेरे न दिन उतरा आसमान से,
न कभी रात गुजरी झारोखों से।
मिलने की आस में थरथराते लबों से जाना
कि...डर तुझे भी लगता हैं।
हाथों में हाथ ले खुशियों की सौगात,
दिन बदिन बढ़ते प्यार की खुशियाँ,
बंद खुली आँखों से जन्नत की सैर,
पर आने वाले भविष्य की चिंता से
तेरे माथे की शिकन से जाना
कि...डर तुझे भी लगता हैं...।
बेशुमार प्यार और खुशियों का आंगन,
अपनों का दुलार और पलकों में सपने,
किस्मत को अपने हाथों से सजाति,
पर असमंजस में फंसी प्यार की कश्ती,
सोच में डूबी तेरी थरथराती रूह से जाना,
कि..... डर तुझे भी लगता हैं...।
कहीं हम तुम अलग न हो जाए,
सफर मिले और मंजिल खो जाए।
आज हैं साथ कल न जाने कहाँ होंगे
आसमान मिलेगा या टूट के बिखर जाएंगे,
मजधार में धँसते डगमगाते क़दमों से जाना,
कि..... डर तुझे भी लगता हैं।

एहसास

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

आज तेरे एहसास ने
स्मृति कलश को खोल दिया।
इस जीवन की बगिया में,
एक नया रस घोल दिया।।
ऐसी महकती खुशबू ,
दूर कोई पास आ जाता था,
लगता जैसे उससे मेरा
जन्मों जन्मों का नाता था,
मेरी लहराती जुल्फों में,
जब रस बस वो जाता था
दिन के उजाले में आकर, रातें मेरी महकाता था,
समय की बहती धारा में जीवन अनमोल जिया।
आज तेरे एहसास ने स्मृति कलश को खोल दिया।
मनभावन सावन में जब जब बागों में झूले पड़ते थे,
राधा कृष्ण को स्मरण कर,गीत हम गाया करते थे,
पवित्र प्रेम के बंधन को ही,सदा हम ध्याया करते थे
खामोश थी कहानी अपनी,नजरों से जताया करते थे,
स्पर्श का एहसास नहीं,सुरभि ने मन को मोह लिया।
आज तेरे एहसास ने स्मृति कलश को खोल दिया।
इस जीवन की बगिया में एक नया रस घोल दिया।।

सपने

डर सा लगता निंद भी नहीं आती
हार कर चुप बैठे बेजान से बैठे
आंखों में नये सपने सज़ा लेगें
प्यार के नये सपने बुन लेगें
समझौता प्यार से कर लेगें
जिंदगी की घड़ियाँ प्यार में कट जायेगी
अब ना डर लगेगा ना हार जायेगे
आंख भरके निंद आ जायेगी
थोड़ा सा मुस्कुरा कर हस लेगें
गम ए दर्द को भूल जायेगे
तेरे साथ दुनिया खुबसूरत लगती
तुम हमारी प्यारी मेहबूबा लगती
प्रित के गुण गाण गाते रहेगे
चाहते हमारी सब पूरी कर लेगें ।।

टी तारासिंह
हैदराबाद

दब गई थी नींद...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

एक प्रश्न अधूरा सा,उत्तर अनसुना सा हूँ मैं
न ओढ़ संकू ,न बिछा संकू,मैली चादर सी..मैं
चलता रहा,मुड़ा शून्य,हाथ मलता इधर उधर
दब गई थी नींद कहीं करवटों के बीच
दर पर खड़े रहे,कुछ ख़्वाब रात भर
तेरी चुप्पी बर्फ़ माफ़िक काम कर गई
मेरी मेरे मन में और तेरी तेरे में रह गई
घायल,गिर पड़ा, जैसे पतंग कट कर
दब गई थी नींद...
जब तुम मिलते, बिछ जाती थी कई राहें
अंक से लगा लूँ, प्रिय खुली मेरी बाहें
मुंगेरी सपनें ध्वस्त नसीब में नहीं है सहर
दब गई थी नींद...
मेरी हर सांस संग मीत तेरा नाम आता है
मूसलसल आंख का आंसू, ग़ज़ल के काम..है
मैं हारा, तुम जीते,प्रिय न जा छोड़ कर
दब गई थी नींद...।।

हालात

हेमंत सुराना

मौजूदा हालात बयाँ कर रहा है,
हर कोई अपनी तरह गम मना रहा है,
हर कोई अपनी तरह खुशियाँ मना रहा है,
ये वक्त भी सबक सिखा रहा है,
बेटे माँ से अलग रहने लगे है,
टूटकर घर मकान बनने लगे है,
पेड़ भी उजड़ने लगे है,
आँगन भी सिकुड़ने लगे है,
खेतों के टुकड़े होने लगे है,
अपने भी पराए लगने लगे है,
चाहो तो यह हालात बदल सकते है,
ज़िन्दगी के पड़ाव के अनुभव ले सकते है,
अज्ञानता के बादल हटा सकते है,
ज्ञान का दीपक जला सकते है,
हमारी नादानी ऊपर गौर कर सकते है,
मुकाम पाने के लिए हालात से लड़ सकते है,
लहजे में मिठास घोल सकते है,
डगमगाते कदम को थाम सकते है,
दूसरों के जज्बातों को समझ सकते है ।

ले डूबेगा

सोचने का डर तुम्हें ले डूबेगा।
अपना सारा घर तुम्हें ले डूबेगा।
क्यों सहारा छोड़ते हो तिनके का,
देखना पत्थर तुम्हें ले डूबेगा।
पाप करता है तू छुप कर किस मन से,
रूह का अन्दर तुम्हें ले डूबेगा।
हमने देखा है तजुर्बे का जीवन,
तू बुरा तो कर तुम्हें ले डूबेगा।
क्यों भरोसा कर रहा तू भंवर पर,
एक दिन अकसर तुम्हें ले डूबेगा।
दोस्ती खंजर से करना ठीक नहीं,
बस यही खंजर तुम्हें ले डूबेगा।
दौड़ ले, जब थक गया तो एक दिन,
वक्त का बंदर तुम्हें ले डूबेगा।
टिमटिमाता मैं हूं जुगनूं, ऐ सूरज,
शाम का मंजर तुम्हें ले डूबेगा।
कश्तियों से दोस्ती 'बालम' ना रख,
तूफां में सागर तुम्हें ले डूबेगा।

ममता की मूरत

सुंदर कोमल पावक सी सूरत
होती है ऐसी ममता की मूरत।।
अपने सन्तानों के उज्ज्वल भविष्य
के खातिर हर रूप में अवतरित
होती है ये मूरत।।
कभी यशोदा कभी मदर टरेशा
तो कभी हीराबा कि लेती है सूरत
होती है ऐसी ममता की मूरत।।
खुद विद्या का बोध नही
अपने बच्चों को विद्या का बोध करवाती है,
खुद पेट भरने की चिंता नही

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

पर अपने बच्चों के भरण-पोषन
के लिए दूसरों के घर का जूठन
भी धो लेती है ये सूरत,
होती है ऐसी ममता की मूरत।।
अपने बच्चों के खुशियों के
खातिर मिट्टी का घर लेपति है
ये सूरत,
होती है ऐसी ममता की मूरत।।

लवली आनंद,
बिहार

पराई दीवारों में झांकना,आसां बहुत

गुमान हो गर ,जमीर में झांक कर देख,
मजलूम पर, जिन्दगी खाक कर देख।
पराई दीवारो में झांकना,आसां बहुत,
कभीअपनी गिरेंबा में झांक कर देख।
चादरों में सुराख करना,आसां बहुत,
अपनी फटी पैबन्द अपनी टांक कर देख।
खुश है, नुक्स पर पराई मीनारों के,
बारिश में ढहती दीवार ढांक कर देख,
भ्रम है, तुझे,जिंदगी रंगीन है बहुत,
मुफलिसी में जरा झांक कर देख,
गैर की दौलत से किसका भला हुआ,
फकीरी का तजुर्बा फांक कर देख,
बेईमीनी चार दिन की चाँदनी, ,
एक दिया पाक जला कर देख,
जलते घरो से हाथ सेंकना, आसां,
तिनका खुद का जरा जलाकर देख,
खुशी अभी रूठी नहीं है, तुझसे संजीव,
खिलखिलाहट में मासूम की, झांक कर देख।।

संजीव ठाकुर,
रायपुर

जिंदगी की जद्दोजहद

विवेक वर्धन
नालंदा, बिहार

एक ज़िंदगी है, जन्म लेते ही
सफ़र पर निकल पड़ते हैं हम
जिंदगी का यह सफर
अनगिनत कठिनाइयों से
लड़ते हुए मुकाम पर
जाने के सपने लिए
लग जाता है
अपने रास्तों से लड़ते हुए
बचपन की मस्ती में खो जाते हैं हम
जब स्कूल जाने और न जाने की जदोजहद में
लड़ते हैं हम सबसे लेकिन देखते ही देखते
एक वक्त आता है जब हम जवानी की दहलीज पर
कदम रखते हैं और फ़िर अपने जिंदगी के
अपनों के लिए उनके बोझ को उठाते हुए
निकल पड़ते है परदेस किसी काम के लिए
किसी दिन नौकरी की मारामारी में हम खो जाते है
वक्त जबाब दे देता है
जब घर से दूर चले जाते है हम
नौकरी की आस लिए तब हमें याद आते हैं
वो बचपन के दिन वो दोस्तों का साथ
एक दूसरे से लड़ना कभी खाने के नाम पर
मां का हमारे पीछे दौड़ लगाना
कभी गलती करने पर पापा का वो जोर का थप्पड़
हम फिर से उसी बचपन में खोना चाहते हैं लेकिन
जिंदगी की जिम्मेदारी हमें कहीं और ही
खड़ा कर देती है नौकरी की दौड़ में
फिर निकल जाते हैं हम जिंदगी के सफर में।

दिल्ली का श्वेत-रक्त

रक्त-श्वेत हुआ दिल्ली का,
नहीं जानती पीरपराई।
शहरी कदम अनदेखा करते,
निर्धन करता कैसे कमाई।
वो क्या जाने कैसे होगी,
उदराग्नि की लपटें शाँत।
निर्धन निर्धनता को बढ़ रहा,
गाँव-गाँव और प्राँत-प्राँत।
आँकड़ों में चिल्लाती दिल्ली,
जे॰ डी॰ पी॰ दर चमक लाई।
अरे! ग्रामीण महिला को देखो,
तन पर फटी धोती आई।
एक धोती के दो हिस्से कर, माँ-बेटी ने ढ़का है तन।
दिल्ली तुझको लाज न आती,कब पिघलेगा तेरा मन।

डॉ उमेश प्रताप
वत्स, हरियाणा

जनता से तो तू नहीं डरती, जनता की आह से डर।
या तो उनकी सुध ले ले, अन्यथा नष्ट हो जाएगा तेरा घर।
अनिच्छा से ही शहरी सीमा, लांघ के कभी तो गाँव में आ।
भूखे-बिलखते बूढ़े-बच्चे, दिल्ली दो रोटी तो ला।
तेरे सिंहासन की चारों टाँगे, इनके ही कन्धों पर है।
फिर भी आँकड़ों की क्रीड़ा में, निर्धनता हाशिये पर है।
नर-नारायण होते ईश्वर, स्वच्छ हृदय में वास करें।
सुन ले सदा को इनकी दिल्ली, तुझसे कुछ ये आस करें।
सदियों से ये लड़ते आए, निर्धनता से दीर्घ लड़ाई।
समान विकास हो देश का दिल्ली, अब तो पाट दो ये खाई।

प्रश्न ?

खोज की राह बनकर
कालचक्र के उलझनों को
समाप्त कर,
विकास का नव सृजन करता है प्रश्न
जिस नवसृजन के अंतरंग में छिपे
अनंत निस्वार्थ भावनाएँ,
त्याग, बलिदानों के किस्से
दर्शन देते हैं इतिहास के पन्नों पर
अजरामर उत्तर बनकर------
चमक रहे नभ में कांति के तारे
वे प्रश्न के क्रांति तारे ,
जिनके सम्मुख निरंकुशता
भ्रष्ट हुई, भस्म हुई----
प्रश्न की हुई जीत
भौतिक संसार को
असीम,अखंड
कांति वितरण करने वाला प्रश्न
नित चेतनशील है
सूरज की किरणों-सा
सागर की लहरों-सा
प्रश्न आविष्कार की जननी है
प्रश्न अस्तित्व की निधि है -----
प्रश्न विशाल विश्व का दर्शन है
जिसे कंठ में लेकर
राही बनना ही जीवन है-----

केएल प्रभाकर प्राण

नब्बे पार का जीवन

सुनील कुमार
महला,

कभी घड़ी दो घड़ी बैठकर
उसकी चारपाई के पास
तुम भी बतियाना उस बूढ़ी मां के संग
जो पिछले ढ़ाई-तीन महीने से
इंतजार कर रही है मौत का पर
मौत है कि आती ही नहीं
जिंदगी के पल अब कटते ही नहीं
चहारदीवारी कचौटती है क्षण-क्षण
महसूस करना कभी उस बूढ़ी माई के अंतर्मन की
फैलती-सिकुड़ती संवेदनाओं को
वो कुछ कहना चाहती है शायद
लेकिन तुम हो कि सुनते ही नहीं कभी
झांकते ही नहीं उसके कमरे की ओर
किस उधेड़बुन में तुम खोये हो ?
लालच, स्वार्थ की दुनिया से क्यों नहीं हो तुम परे ?
तुम साथ नहीं दे रहे
तुमने दिया साथ जब तक तुम्हें जरूरत थी
अब तुमने कृशकाय काया को तिनके की तरह
फेंक दिया है निकालकर
लोग दिखावे के लिए तुमने जमा रखी है
उसकी चारपाई जहाँ कोई आता-जाता नहीं
तुमने खरीद ली है एक नर्स
पैसे वाले जो तुम हो गये हो
लेकिन मां कभी खरीदी नहीं जाती याद रखना
तुम यह भी याद रखना कि बूढ़ा तुम्हें भी होना है एक दिन
सभी में आने हैं ये दिनअहसास तुम्हें भी होगा इक दिन
कि बड़ा कठिन होता है नब्बे पार का जीवन
बिना सहारे का जीवन...!

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

बद्रीनाथ से केदारनाथ तक जाम ही जाम

डेढ़ किमी जाने में लग रहे 2 घंटे, 6 हजार का हेलिकॉप्टर टिकट 25 हजार में

केदारनाथ/बद्रीनाथ धाम। (अजय शुक्ला)

गीता और सुरेश हॉलैंड से सिर्फ चारधाम यात्रा के लिए भारत आए हैं। ट्रैवल प्लान बनाया, कुछ दोस्तों को भी साथ ले आए, पर बद्रीनाथ धाम तक पहुंचते-पहुंचते परेशान हो गए। वजह भीड़, ट्रैफिक जाम, खराब सड़कें, मिसमैनेजमेंट और बेतहाशा महंगाई। सुरेश कहते हैं, 'हम बद्रीनाथ धाम के लिए निकले थे, डेढ़ किलोमीटर का रास्ता तय करने में 2 घंटे लग गए। कई बार 3-4 घंटे लाइन में खड़े रहे, हमारा अनुभव तो बहुत खराब रहा।' ये परेशानी सिर्फ गीता और सुरेश की नहीं है। 22 मई से शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक 12 लाख से ज्यादा लोग शामिल हो चुके हैं। खराब मौसम के बावजूद केदारनाथ धाम में ही 5 लाख लोगों ने दर्शन किए हैं। करीब 30 लाख रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

अफसरों ने 22 मई तक यात्रियों का डेटा जारी किया, फिर वो भी बंद कर दिया। वजह जी-20 मीटिंग की तैयारी को बताया गया। ये मीटिंग 24 और 25 मई को टिहरी में हुई थी।

हरिद्वारः चारधाम यात्रा का एंट्री पॉइंट है। ज्यादातर यात्री यहीं गंगा स्नान करके पवित्रयात्रा शुरू करते हैं। गर्मी का मौसम है, तो पहाड़ों पर जाने के लिए टूरिस्ट भी आ रहे हैं। इसलिए हरिद्वार पहुंचने से पहले ही ट्रैफिक जाम लग रहा है। हरिद्वार में प्रीपेड टैक्सी यूनियन के प्रेसिडेंट संजय शर्मा बताते हैं कि 'यहां ट्रैफिक का कोई कंट्रोल ही नहीं है। चारधाम यात्रा के लिए लाखों यात्री आ रहे हैं, उसके बावजूद कोई ट्रैफिक प्लान नहीं है।'

ऋषिकेशः हरिद्वार के बाद अगला पड़ाव ऋषिकेश है। कई यात्री ऋषिकेश से भी चारधाम यात्रा शुरू करते हैं। अभी यहां इतना ट्रैफिक है कि शहर पार करने में 4-5 घंटे लग जाते हैं। खासतौर से ऐसा शनिवार-रविवार को ज्यादा होता है। इस रूट पर टैक्सी चलाने वाले एक ड्राइवर ने बताया कि श्यामपुर रेलवे फाटक, तपोवन, लक्ष्मण झूला पर सबसे ज्यादा जाम है। यही इलाके चोक रहते हैं।

बद्रीनाथ रूटः बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर कई जगह सड़कें बहुत खराब हैं। जोशीमठ से करीब 12 किमी पहले पड़ने वाले हेलंग से बद्रीनाथ धाम तक 52 किमी के रास्ते पर जगह-जगह खुदाई चल रही है। इससे रास्ता वनवे हो गया है। एक तरफ का ट्रैफिक रोका जाता है, तो गाड़ियों की लंबी लाइन लग जाती है। आगे जोशीमठ में पार्किंग के लिए जगह नहीं है, इसलिए जाम लग रहा है। बद्रीनाथ हाईवे पर हेलंग और जोशीमठ के बीच का रास्ता काफी खराब है। यहां मशीनों से पहाड़ों की खुदाई भी चल रही है, इससे पूरे रास्ते में धूल और मिट्टी हो गई है।

बद्रीनाथ धामः जोशीमठ से बद्रीनाथ धाम 40 किमी दूर है, लेकिन बारिश ने पहाड़ी रास्तों को मुश्किल बना दिया है। संकरे रास्ते और फिसलन की वजह से डर बढ़ जाता है। बद्रीनाथ धाम पहुंचे तो वहां भी वही भीड़, खराब इंतजाम, दर्शन के लिए लंबी लाइन और घंटों का इंतजार। कोलकाता से तापस और राखी करमाकर परिवार के साथ दर्शन के लिए आए हैं। तापस कहते हैं कि यात्रा में दिक्कतें बहुत हैं। ट्रैफिक की वजह से ज्यादा टाइम लग रहा है। बारिश के कारण भी अव्यवस्थाएं हैं।

छोटे से रूम का किराया 8-10 हजार रुपए

हॉलैंड से आए सुरेश कहते हैं कि 'ट्रैफिक में कई घंटे इंतजार करना पड़ा। इससे हमारा ट्रैवल प्लान बिगड़ गया। खोली जैसे छोटे-छोटे रूम के 8-10 हजार रुपए लिए जा रहे हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया, लेकिन क्राउड मैनेजमेंट में उसका फायदा नहीं दिख रहा है।' हालांकि, सुरेश की पत्नी गीता कहती हैं कि 'आने में परेशानी तो हुई, लेकिन दर्शन के बाद बहुत शांति मिली है।'

बद्रीनाथ धाम के बाद हम केदारनाथ धाम के सफर की शुरुआत ही जाम में फंसने से हुई। बाहर निकलने वाले रास्ते में पुलिस ने बैरिकेडिंग की है, लेकिन ट्रैफिक मैनेज नहीं कर पा रही है। बद्रीनाथ धाम से जोशीमठ तक 40 किमी का रास्ता तय करने में करीब 3 घंटे लग गए। दो पॉइंट पर रास्ता खराब भी है।

रुद्रप्रयागः बद्रीनाथ से लौटते हुए जोशीमठ और चमोली होते हुए रुद्रप्रयाग पहुंचे । रुद्रप्रयाग से ही केदारनाथ धाम के लिए रास्ता जाता है। 18 किमी आगे बढ़ने पर पहला पड़ाव अगस्त्यमुनि है। ये दूरी तय करने में 30 से 40 मिनट लगते हैं, लेकिन जाम की वजह से साढ़े तीन घंटे लग गए। केदारनाथ धाम की ओर आगे बढ़ते हुए अगस्त्यमुनि से कुंड के बीच रास्ता काफी संकरा है। यहां कार, बसों और ट्रैवलर्स की लंबी लाइन लगी रहती है। ट्रैफिक में थका देने वाले इंतजार और बारिश की वजह से हो रही दिक्कतों के बाद सोनप्रयाग पहुंच गए। केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू करने के पहले यात्री यहीं एक रात के लिए ठहरते हैं। दूसरे दिन केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू होती है। सोनप्रयाग में ज्यादातर होटल भर चुके हैं। कई यात्री बाहर खुले में सोते दिखे।

केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू करने से पहले सोनप्रयाग में रजिस्ट्रेशन वैरिफिकेशन करवाना पड़ता है। सोनप्रयाग में रजिस्ट्रेशन वैरिफिकेशन के लिए रात दो बजे से ही 2-3 किलोमीटर लंबी लाइन लग जाती है। यात्रियों के 3-4 घंटे इसी प्रोसेस में लग रहे हैं। इससे पैदल यात्रा शुरू करने के पहले ही थकान हो जाती है। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के लिए टैक्सी सर्विस है। 50 रुपए में टैक्सी आपको गौरीकुंड तक ले जाती है। गौरीकुंड से केदारनाथ धाम के लिए पैदल यात्रा शुरू होती है। गौरीकुंड से आगे के रास्ते में गुजरात के वडोदरा से आए प्रदीप सिंगोरा मिले। प्रदीप गुस्से में कहते हैं, 'केदारनाथ धाम में बिल्कुल थर्ड क्लास सिस्टम है। सरकार ने सोनप्रयाग से केदारनाथ बेस कैंप तक के लिए खच्चर का रेट 3 हजार रुपए तय किया है, लेकिन हमसे 4500 रुपए रुपए लिए गए। साथ में दो महिलाएं थीं, वे घोड़े से गिर गईं।' 'रजिस्ट्रेशन की स्कैनिंग के लिए एक ही लाइन है, ये भी 2-3 किमी लंबी है। सुबह के 4 घंटे सिर्फ स्कैनिंग में ही बर्बाद हो गए। तीन घंटे तक खच्चर नहीं मिला। खच्चर वाले ज्यादा पैसे मांग रहे थे। पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।'

सोनप्रयाग से केदारनाथ बेस कैंप तक घोड़े या खच्चर से जाने के 3 हजार रुपए लगते हैं। 2022 में इसका किराया 2740 रुपए था। केदारनाथ से सोनप्रयाग वापसी के लिए 2100 रुपए किराया तय किया गया है।

केदारनाथः गुजरात से नरेश पटेल घर से चले थे, तो यात्रा के लिए 50 हजार रुपए का बजट बनाया था। केदारनाथ धाम आते-आते 80 हजार रुपए खर्च कर चुके हैं। बद्रीनाथ धाम की यात्रा अभी बची है। नरेश बताते हैं कि 'बजट गड़बड़ाने की सबसे बड़ी वजह ट्रैफिक जाम और लेटलतीफी है। रास्ते में बहुत टाइम बर्बाद हुआ, इससे हमें 2-3 दिन ज्यादा लग गए।'

केदारनाथ धामः हेलीकॉप्टर का टिकट 4-5 गुना महंगा

केदारनाथ की चढ़ाई वाले रास्ते में जगह-जगह साइन बोर्ड लगे हैं। मेडिकल कैंप भी हैं। पैदल यात्रियों की शिकायत है कि खच्चर और पालकीवालों की वजह से उन्हें चलने में दिक्कत होती है। खच्चर के लिए अलग रास्ता होना चाहिए, ताकि पैदलयात्रियों को दिक्कत न हो। मुश्किल चढ़ाई चढ़ते हुए देर शाम केदारनाथ धाम पहुंचे। मंदिर तक जाने के लिए करीब 2 किमी लंबी लाइन लगी थी। लाइन में लगने से लेकर दर्शन करने तक 3-4 घंटे का वक्त लग रहा है। दर्शन करके मंदिर से बाहर निकलीं अरुंधति मुंबई में कॉरपोरेटर हैं, 25 लोगों के ग्रुप के साथ यात्रा पर आई हैं। वे कहती हैं कि 'हेलीकॉप्टर की टिकटों में बहुत धांधली हो रही है। ऑनलाइन टिकट मिल नहीं रहा। सोनप्रयाग में दलाल होटल पैकेज के साथ 4-5 गुने दाम में टिकट दिलवा देते हैं। एक टिकट की कीमत 6 हजार रुपए है, पर दलाल 25 हजार तक मांग रहे हैं।' अरुंधति की ये भी शिकायत है कि पैदल यात्रा के दौरान टॉयलेट के इंतजाम ठीक नहीं है। इससे महिलाओं को खासतौर पर बहुत दिक्कत हो रही है। वहीं, हरिद्वार में ट्रैवल एजेंसी चलाने वाले गौरव भाटिया की भी शिकायत है कि हेलीकॉप्टर की टिकट के लिए सरकार ने जो व्यवस्था बनाई है, वो पारदर्शी नहीं है।

केदारनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन की ज्यादा डिमांड

रजिस्ट्रेशन की दिक्कतों के बारे में हरिद्वार के रीजनल टूरिज्म ऑफिसर सुरेश सिंह यादव कहते हैं कि 'हाल के दिनों में केदारनाथ धाम में लिमिट से ज्यादा यात्री पहुंच रहे हैं। रजिस्ट्रेशन कराना इसलिए जरूरी है, ताकि सरकार के पास यात्रियों का रिकॉर्ड रहे। इससे आपदा की स्थिति में रेस्क्यू कराना आसान हो जाता है।'

हेलीकॉप्टर के टिकट की बहुत मारामारी है, यात्रियों का कहना है कि इसकी व्यवस्था पारदर्शी नहीं है, कालाबाजारी हो रही है। श्रद्धालुओं की तादाद बहुत ज्यादा होने से टिकट की डिमांड भी ज्यादा है। केदारनाथ सेंसेटिव जोन में है, इसलिए उड़ानें सीमित मात्रा में ही की जा सकती हैं। टिकट का काम IRCTC को दिया गया है। उसी के जरिए टिकट दिए जा रहे हैं। खच्चर, होटल और बाकी सुविधाओं के लिए रेट तय हैं, पर यात्रियों की शिकायत है कि उनसे ज्यादा पैसे लिए गए?प्रशासन का कहना है कि अगर कोई ओवरचार्जिंग की शिकायत करता है तो ऐसे मामलों में कार्रवाई की जाएगी।

नहीं थम रहा चीतों की मौत का सिलसिला

तीन चीतों के बाद तीन शावकों की मौत, आखिर वजह क्या है?

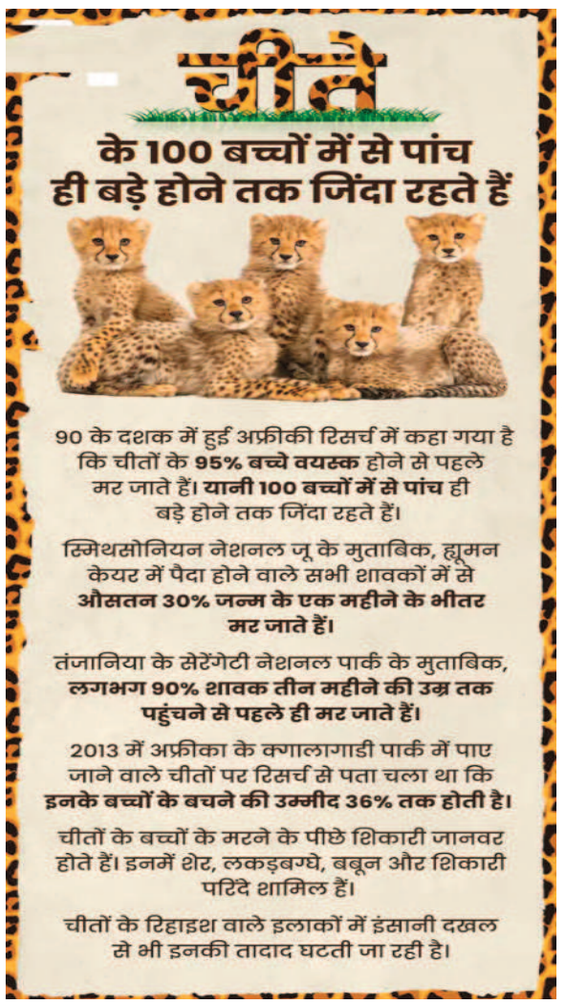

मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में 25 मई को दो और चीता शावकों की मौत हो गई। इससे दो दिन पहले भी एक शावक की मौत हुई थी। बचे हुए एक शावक की हालत भी गंभीर है। नामीबिया और साउथ अफ्रीका से लाए गए 20 में से 3 चीतों की मौत पहले ही हो चुकी है। ऐसे में जानना आवश्यक है कि आखिर क्यों नहीं थम रहा चीतों की मौत का सिलसिला? क्या भारत में चल रहा चीता प्रोजेक्ट खतरे में है?

70 साल बाद देश में चीतों की वापसी हुई थी, जब 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जन्मदिन पर नामीबिया से आए 8 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में रिलीज किया था। इस साल 18 फरवरी को साउथ अफ्रीका से 12 और चीतों को कूनो में छोड़ा गया था। यानी कुल मिलाकर नामीबिया और साउथ अफ्रीका से 20 चीते लाए गए। इसके बाद शुरू हुआ चीतों की मौत का सिलसिला...।

नामीबिया से लाई गई 4 साल की मादा चीता साशा की किडनी इंफेक्शन से मौत हो गई। वन विभाग ने बताया कि 15 अगस्त 2022 को नामीबिया में साशा का ब्लड टेस्ट किया गया था, जिसमें क्रियेटिनिन का स्तर 400 से ज्यादा था। इससे ये पुष्टि होती है कि साशा को किडनी की बीमारी भारत में लाने से पहले ही थी। साशा की मौत के बाद चीतों की संख्या घटकर 19 रह गई।

नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। इसके साथ ही कूनो में शावकों सहित चीतों की संख्या 23 हो गई।

23 अप्रैल 2023 को साउथ अफ्रीका से लाए गए चीते उदय की मौत हो गई है। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में बताया गया कि चीता उदय की मौत कार्डियक आर्टरी फेल होने से हुई। मध्यप्रदेश के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन जेएस चौहान ने बताया कि हृदय धमनी में रक्त संचार रुकने के कारण चीते की मौत हुई है। यह भी एक प्रकार का हार्ट अटैक है। इसके बाद कूनों में शावकों सहित चीतों की संख्या 22 रह गई।

9 मई 2023 को दक्षा को दक्षिण अफ्रीका से कूनो लाया गया था। जेएस चौहान ने बताया कि मेल चीते को दक्षा के बाड़े में मेटिंग के लिए भेजा गया था। मेटिंग के दौरान ही दोनों में हिंसक इंटरैक्शन हो गया। मेल चीते ने पंजा मारकर दक्षा को घायल कर दिया था। बाद में उसकी मौत हो गई। इसके बाद कूनों में शावकों सहित चीतों की संख्या 21 रह गई।

चीतों की मौत का सिलसिला क्यों नहीं थम रहा?

साउथ अफ्रीका की एक स्टडी में 293 चीते की मौतों को डॉक्यूमेंट किया गया है। इसमें चीतों की मौत की दर बताई गई है। इसमें बताया कि... शिविर लगाने की वजह से 6.5% चीतों की मौत हुई।

एक जगह से दूसरी जगह ले जाने यानी रिलोकेशन पर 7.5% चीतों की मौत होती है। ट्रैकिंग डिवाइस की वजह से 0.7% चीतों की मौत होती है। इन तीन वजहों से 15% चीतों की मौत होती है। यानी हर सात में से एक चीते की मौत इनकी देखभाल ओर रखरखाव के लिए किए गए बाकी इंतजामों की वजह से होती है।

इस स्टडी में चीते की मौत का सबसे बड़ा कारण 53.2% शिकार होना है। इसके लिए शेर, तेंदुआ, लकड़बग्घे और सियार को मुख्य रूप से जिम्मेदार बताया गया। स्टडी में बताया गया कि इनके अलावा वार्थोग, बबून, सांप, हाथी, मगरमच्छ, गिद्ध, जेबरा और यहां तक कि शुतुरमुर्ग सहित कई अन्य वन्यजीवों ने भी चीतों को मारा है।

चीतों के बच्चे बड़ी मुश्किल से बचते हैं। ये इस जानवर के विलुप्त होने की बड़ी वजह है। मध्यप्रदेश के चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन जेएस चौहान बताते हैं कि चीता शावकों के जंगल में जीवित रहने की 10-20% संभावना होती है। साउथ अफ्रीका में चीता मेटापोपुलेशन प्रोजेक्ट के मैनेजर और वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट विन्सेंट वैन डेर मर्व ने तीन शावकों की मौत को सामान्य बताया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में और भी मौतें होंगी।

उन्होंने कहा कि यह यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन पहली बार मादा चीतों का अपना पहला बच्चा खोना असामान्य नहीं है। उन्होंने बताया कि चीतों में स्वाभाविक रूप से उच्च मृत्यु दर होती है। हमने अफ्रीका में ऐसी ही मृत्यु दर को देखा है जब हमने उन्हें बिना बाड़ वाले सिस्टम में फिर से पेश किया था।

यह प्रोजेक्ट का क्रिटिकल फेज है, इसमें चीतों को बड़े एरिया में छोड़ा जा रहा है, जहां उन पर नियंत्रण कम होता जा रहा है। चोट और मृत्यु दर के जोखिम बढ़ रहे होंगे और इन जोखिमों को रिलोकेशन प्लान में शामिल किया गया है।

डिपार्टमेंट ने बताया कि उसे उम्मीद है कि रिलीज होने के बाद पहले साल के भीतर कुछ शुरुआती चीते खत्म हो जाएंगे। रिलीज किए गए चीतों में से कई कूनो नेशनल पार्क की सीमाओं से पार चले जाएंगे और उन्हें इस दौरान अल्पकालिक तनाव से गुजरना पड़ सकता है। एक बार जब चीते अपना होम रेंज बना लेंगे तो स्थिति स्थिर हो जाएगी।

क्या भारत में चल रहा चीता प्रोजेक्ट खतरे में है?

चीता प्राजेक्ट में पहले से ही कहा गया है कि पहले साल आए 20 चीतों में से अगर 10 यानी 50% भी सर्वाइव कर जाते हैं तो यह प्रोजेक्ट सफल माना जाएगा।

तीन लोक से न्यारी हैं "बेटियां"

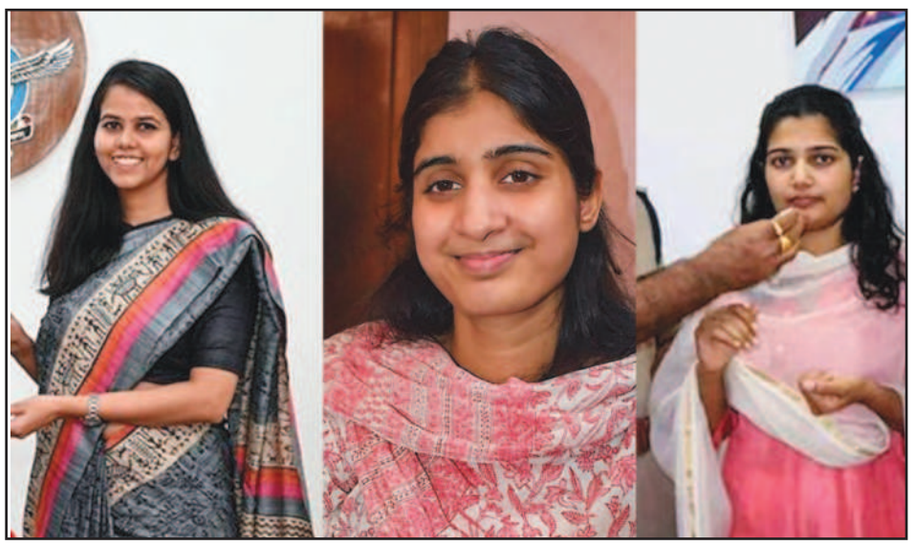

बेटियों के जन्म को अभिशाप मानने वाले आज छाती कूट-कूट कर अपनी गलती के लिए ईश्वर से माफी मांग रहे होंगे। बेटियों के प्रति हीनभाव से ग्रसित ऐसे माता-पिता आज निश्चित रूप से यह सोचने के लिए मजबूर होंगे कि काश इशिता किशोर, गरिमा लोहिया, उमा हराती, स्मृति मिश्रा जैसी उनकी भी बेटियां होतीं, जिन्होंने देश की सबसे कठिन यूपीएससी की परीक्षा में भारत में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान लाकर अपने माता-पिता का मस्तक गर्व से ऊंचा किया। बधाई इन बेटियों को और इनकी परवरिश करने वाले इनके माता—पिता को, जिन्हें आज इस गर्व की अनुभूति हो रही होगी।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की टॉपर इशिता किशोर (बाएं), दूसरी टॉपर गरिमा लोहिया (बीच में) और तीसरी टॉपर उमा हरथी (दाएं)। (फोटो- पीटीआई)

पिछले कुछ वर्षों में देश हर क्षेत्र में बेटियों ने अपनी भागीदारी की शुरुआत की है, उसने सिद्ध कर दिया है कि हम कितने पिछड़े थे, जब इन बेटियों के गुण से वाकिफ नहीं थे अथवा जानकर भी उसे उजागर नहीं करना चाहते थे और कहते थे बेटियां घर की शोभा होती हैं, इसलिए उसे परदे में रहना चाहिए।

बहादुर बेटियों ने आसमान से जमीन तक नेतृत्व किया

एयर इंडिया की चार महिला पायलटों ने नॉर्थ पोल से उड़ान भरकर सोलह हजार किलोमीटर की दूरी तय करके इतिहास रच दिया। जोया अग्रवाल के साथ-साथ कैप्टन तनमई पपागिरी, कैप्टन आकांक्षा सोनावाने तथा कैप्टन शिवानी मन्हास थीं। टीम का नेतृत्व करके जोया अग्रवाल विश्व की सबसे युवा पायलट बनी थीं। उन बेटियों का उल्लेख यहां न करना नाइंसाफी होगी, ये वही हैं जिन्होंने देश को गौरवान्वित किया, और हर पिता का सीना गर्व से ऊंचा किया और सलाम उन माता-पिताओं को, जिन्होंने अपनी बेटियों की परवरिश में कोई कसर नहीं छोड़ी। ये बेटियां हैं- बेल्लूर की स्नेहा, ओडिशा की अनुप्रिया, लेखिका नासिरा शर्मा, लेफ्टिनेंट शिवांगी, भारतीय सेना की पहली महिला न्यायाधीश कर्नल ज्योति शर्मा, क्रिकेट बोर्ड की पहली अध्यक्ष रूपा गुरुनाथ, महालेखा नियंत्रक सोमा राय वर्मन, हिमा दास,सिंधु, वृंदा राठी, आरोही, अंजलि सिंह, पहली महिला डिफेंस अटैच ले. भावना कस्तूरी, दुती चंद, चंद्रिमा शाह, गगनदीप कंग, मानसी जोशी, और न जाने कितने। अब आज के खेल के दौर को देखते हैं, जिनमें बेटियों ने भारत के लिए विजय का झंडा अंतर्राष्ट्रीय मंच पर गाड़कर भारतीय तिरंगा का परचम लहराया। उनमें महिला पहलवानों का उल्लेख करना आवश्यक है। हरियाणा के महावीर फोगाट ने अपनी दो बेटियों को कुश्ती के लिए प्रेरित किया और अपनी प्राकृतिक प्रतिभा को कठोर प्रशिक्षण के साथ जोड़कर, उन्हें खुद को काफी कम उम्र में ही पहले राष्ट्रीय, फिर अंतर्राष्ट्रीय पहलवानों के रूप में स्थापित कर दिया। गीता फोगाट और बबिता फोगाट ने 2009 राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय पदक जीता। गीता ने 55 किग्रा में और बबीता ने 51 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता। 2010 में गीता फोगाट ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण विजेता पहली महिला भारतीय पहलवान के समान इतिहास रच दिया, जबकि बबीता फोगाट रजत जीतकर अपनी बहन के साथ शामिल होने से बस एक कदम दूर रह गईं। गीता फोगाट ने लंदन 2012 में अपना ओलंपिक पदार्पण किया और ओलंपिक पदक विजेता पहली महिला भारतीय पहलवान बनने से काफी पीछे रह गईं, वह टित्याना लाजेरेवा के खिलाफ उग्र होने के कारण हार गईं। हालांकि, इसी वर्ष सफलता का दौर भी चला, जब गीता ने अपना पहला विश्व चैंपियनशिप पदक जीता। 2012 में स्ट्रैथकोना काउंटी में कनाडा में महिला कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में गीता ने कांस्य पदक जीता, जबकि उनकी बहन बबीता फोगाट ने भी कांस्य पदक जीता। बबीता फोगाट ने 2014 में अपना राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीता और रियो 2016 में अपना ओलंपिक धनुष बनाया, जहां वह पहले दौर में हार गईं।

इन बेटी महिला पहलवानों का भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर आरोप है कि उन्होंने उनका यौन शौषण किया। अब लगभग एक महीने से बैठी इन बेटियों पर तरह-तरह के जुल्म करके बाहुबली सांसद द्वारा मामले को खत्म कराने का प्रयास किया जा रहा है। इन बेटियों ने देश का मान-सम्मान विश्व के पटल पर बढ़ाया और आज उन्हें तरह-तरह से अपमानित किया जा रहा है। अब चूंकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में हस्तक्षेप किया है, जिसके कारण हो सकता है कि इन महिला पहलवान बेटियों को न्याय मिल जाए और कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पर लगाए गए आरोप सही पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई से गुजरना पड़े। संभवतः आज शायद कोई भी ऐसा क्षेत्र अछूता नहीं रह गया हो, जहां बेटियों का अहम योगदान न हो। लेकिन, हां आज भी हमारे देश में ऐसा होता है, जहां बेटियां उपेक्षित हैं, जिन्हें उनके माता-पिता शिक्षित नहीं करना चाहते। देश के कई भागों बिटिया के जन्म को अशुभ माना जाता है, उस महिला को हिकारत भरी नजरों से देखा जाता है, उन्हें तरह-तरह के उलाहना दिए जाते हैं, अपमानित किया जाता है। इस सब के बावजूद यदि बड़ी होकर अपने पैरों पर खड़ा होना भी चाहें, तो उसे रोक दिया जाता है। इसलिए यदि लड़कियों को बीच में ही पढ़ाई छोड़ने की स्थिति देखेंगे, तो आंखें फटी रह जाएंगी। आंकड़ों के अनुसार 2010 में महिला साक्षरता दर 80.35% थी। अंततः समय के साथ दर में वृद्धि हुई है। 2010-2021 के बीच, भारत में महिला साक्षरता दर में 14.4% की वृद्धि हुई है। 2021 में यह दर 91.95% थी।

लड़कियों की शिक्षा का समर्थन करके, समुदायों, राष्ट्रों और दुनिया को बदल दिया जाता है। शिक्षा प्राप्त करने वाली लड़कियों के स्वस्थ, जीवित रहने की संभावना अधिक होती है और उनकी जल्दी शादी करने की संभावना कम होती है। वे अपने और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य बनाते हैं, और उन फैसलों में हिस्सा लेते हैं, जो उन्हें सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। लड़कियों की शिक्षा उद्योगों को बढ़ावा देती है और हमेशा काम करती है। यह अधिक सुरक्षित, लचीला समाज बनाने में मदद करता है, जहां सभी लड़कों और पुरुषों सहित अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका मिलता है। आज यदि हम अपनी बेटियों पर गर्व करते हैं, तो वह इसलिए कि समाज ने उन्हें पुरुषों के समान आगे बढ़ने का अवसर दिया और उन बेटियों में आगे बढ़ने की एक ललक थी। जिसे समाज एक भार मानता था, आज उसे शिक्षित समाज ने आगे बढ़ने का अवसर दिया। उसी की परिणाम है कि आज हर क्षेत्र में उसके आगे बढ़ने पर खुश होते हैं, समाज खुश होता है और फिर दूसरी बेटियों में विकास के उस रास्ते पर आगे बढ़ने का एक भाव जागता है और फिर अगले दिन उसका उससे बेहतर परिणाम वह देती है। हमारे यहां तो मान्यता ही यही है बेटी देवी होती है और उसकी खुशी से हमारा भविष्य उज्ज्वल होता है। सच में नारी-जीवन का अर्थ ही है-सृजन की प्रचण्ड शक्ति का सुप्त केंद्र। जब कभी वह अपनी शक्ति को पहचान लेती है, तब जीवन में पीछे मुड़कर कभी नहीं देखती, वह आगे आगे ही चलती रहती है।

समुद्र मंथन के बाद वासुकि के दुख हो गए दूर
वासुकि नाग और ब्रह्मा जी की कथा

हमें जब भी अच्छे काम करने का या अच्छे कामों में मदद करने का अवसर मिले तो पीछे नहीं हटना चाहिए। अच्छे कामों का देर से ही सही, लेकिन इसका शुभ फल जरूर मिलता है। ये बात समुद्र मंथन के एक किस्से से समझ सकते हैं...

देवताओं और असुरों में युद्ध चल रहा था। उस समय देवता असुरों से जीत नहीं पा रहे थे। देवताओं की समस्या समझकर भगवान विष्णु ने उन्हें समुद्र मंथन करने की सलाह दी। विष्णु जी ने उनसे कहा था कि आप समुद्र मंथन करें और उसमें औषधियां डालें, ऐसा करने से समुद्र से अमृत निकलेगा। अमृत पी लेंगे तो देवता अमर हो जाएंगे और युद्ध जीत जाएंगे।

समुद्र मंथन की तैयारियां शुरू हो गईं। देवताओं के साथ असुर भी समुद्र मंथन के लिए तैयार हो गए। मंदराचल पर्वत की मथनी बनाई गई। इसके बाद सभी विचार करने लगे कि मंथन के लिए रस्सी किसे बनाया जाए। ऐसी रस्सी कहीं मिल नहीं रही थी, जिससे मंदराचल पर्वत को घुमाया जा सके।

तब देवताओं ने वासुकि नाग से कहा कि इस समुद्र मंथन में मदद करें और रस्सी बन जाइए। वासुकि नाग ने देवताओं की बात मान ली। इसके बाद वासुकि नाग को मंदराचल पर्वत पर लपेटा गया। वासुकि की मदद से समुद्र मंथन हुआ और कई रत्नों के साथ अमृत भी निकला।

सभी देवताओं वासुकि को धन्यवाद कहा और उन्हें लेकर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। देवताओं ने ब्रह्मा जी से कहा कि इन्होंने समुद्र मंथन में हमारी बहुत मदद की है। इनकी एक समस्या है। इनकी मां ने इन्हें एक शाप दिया था। ये शाप इन्हें दुख दे रहा है। आप इस शाप को खत्म कर दें, क्योंकि वासुकि नाग ने मंथन में रस्सी बनकर सृष्टि की भलाई का काम किया है।

ब्रह्मा जी ने कहा कि मैं जानता हूं कि वासुकि बहुत दुखी हैं। इन्होंने अच्छा काम किया है तो मैं आशीर्वाद देता हूं कि भविष्य में इनका भला जरूर होगा। जरत्कारु नाम के एक ब्राह्मण हैं जो तपस्या कर रहे हैं। जरत्कारु नाम की वासुकि की एक बहन भी हैं। इन दोनों का विवाह होगा और वासुकि की सभी समस्याएं खत्म हो जाएंगी। मैं इन्हें शांति का वरदान देता हूं।

ब्रह्मा जी वरदान से जल्दी ही वासुकि की सभी समस्याएं खत्म हो गईं और उनका मन शांत हो गया।

किस्से की सीख

इस किस्से का संदेश ये है कि हमें जब भी मौका मिले, अच्छे काम करते रहना चाहिए। अच्छे कामों मदद करने से हमें शांति मिलती है। देर से ही सही, लेकिन भविष्य में हमारा भी भला जरूर होता है।

महाकाल का दर्शन सबसे महंगा

केवल चार दिन 12 से 4 बजे तक फ्री में दर्शन
बाकी 11 ज्योतिर्लिंगों में ऐसा कहीं नहीं

उज्जैन महाकाल मंदिर ट्रस्ट ने सप्ताह के चार दिन मंगलवार से शुक्रवार तक दोपहर 12 से 4 बजे तक गर्भगृह से निःशुल्क दर्शन कराने की व्यवस्था की है। सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे और शाम 6 से रात 8 बजे तक दर्शन के लिए 750 रुपए फीस तय की गई है। भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग कराने के लिए प्रति व्यक्ति 200 रुपए तय है।

12 ज्योतिर्लिंगों का विशेष महत्व है, इसलिए सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। यहां VIP दर्शन के लिए अलग से फीस तय की गई है। किस दर्शन का कितना पैसा लगेगा, ये मंदिर ट्रस्ट तय करता है। 12 में से 11 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में VIP दर्शन के करीब-करीब एक जैसे ही चार्जेस हैं, लेकिन एक मात्र महाकाल में अलग-अलग दर्शन के अलग-अलग 'रेट' तय हैं। कुल मिलाकर महाकाल के दर्शन बहुत महंगे हैं।

महाकाल मंदिर में दर्शन व्यवस्था से करोड़ों रुपए की आय मंदिर समिति को होती है। अप्रैल माह में गर्भगृह में प्रवेश, भस्म आरती अनुमति से और शीघ्र दर्शन से 10.44 करोड़ रुपए की आय मंदिर समिति को हुई है।

महाकाल मंदिर में श्री महाकाल महालोक बनने के बाद से लगातार दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ रही है। मंदिर समिति गर्भगृह दर्शन के लिए 750 रुपए, शीघ्र दर्शन के 250 और भस्म आरती ऑनलाइन के 200 रुपए प्रति व्यक्ति से लेती है।

समिति ने सप्ताह के चार दिन मंगलवार से शुक्रवार तक दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक भक्तों को गर्भगृह से निःशुल्क दर्शन कराने की व्यवस्था की है। सुबह 7.30 से दोपहर 12 बजे और शाम 6 से रात 8 बजे तक सशुल्क दर्शन कराए जा रहे हैं। जिसके लिए प्रति व्यक्ति 750 रुपए शुल्क लिया जाता है। इसके अलावा भस्म आरती अनुमति के लिए ऑनलाइन परमिशन करवाने के लिए प्रति व्यक्ति 200 रुपये शुल्क निर्धारित है। महाकाल मंदिर की धर्मशाला से भी आय होती है। इन सब में दान से आने वाली राशि अलग है। इसके अलावा मंदिर में होने वाली पूजन का शुल्क निर्धारित है।

पूजा प्रकार (महाकालेश्वर)			
चार्ज जनरल पूजा 100,			महा रूद्राभिषेक 15000
शिव महिमा पाठ 200	शिवे महिमा स्त्रोत 500	1000	1.25 लाख
रूद्राभिषेक वैदिक पूजा 300	रूद्राभिषेक 11 अवतरण रूद्र पाठ	लघु रूद्राभिषेक 11 ब्राह्मणों द्वारा 121 पाठ 3000	महामृत्युंजय जाप 15000
			भांग श्रृंगार 500

तिजोरी किस दिशा में शुभ?

1. उत्तर दिशा: उत्तर कुबेर की दिशा मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस दिशा में यदि आप अपनी तिजोरी रखते हैं तो सही नहीं माना जाता है। हालांकि आप अपनी दुकान या व्यवसाय की जगह पर पैसे के गल्ले को इस दिशा में रख सकते हैं। माना जाता है कि उत्तर के बजाय दक्षिण दिशा में तिजोरी रखना शुभ होता है। इसके अलावा उत्तर दिशा को कभी भी खाली नहीं रखना चाहिए।

2. पूर्व दिशा: वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूर्व दिशा के स्वामी सूर्य देव और इंद्र देव हैं। इसके चलते इस दिशा में कुछ भी सामान ना रखें तो बेहतर होगा। घर में इस दिशा वाले स्थान की सफाई करके दिन में एकबार दीपक जलाना शुभ माना जाता है। इस दिशा में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्ति रखना भी अच्छा होता है।

3. दक्षिण दिशा: दक्षिण यम के आधिपत्य की दिशा मानी जाती है। इस दिशा को पृथ्वीत्तव का स्वामीत्व भी प्राप्त है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में यदि इस दिशा में पैसे रखना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में बरकत होने लगती है। हालांकि इस दिशा में भूलकर भी शौचालय नहीं बनवाना चाहिए। यदि किसी घर में इस दिशा में शौचालय होता है तो अशुभ माना जाता है।

4. पश्चिम दिशा: वास्तु शास्त्र के अनुसार, पश्चिम दिशा के देवता वरुण माने जाते हैं। ग्रह स्वामी इसके शनि हैं। इसके चलते इस दिशा में किचन बनाना बेहद फलदायक माना जाता है।

5. ईशान कोण: वास्तु शास्त्र के अनुसार, ईशान कोण को जल और भगवान शिव का स्थान माना जाता है। गुरु इस दिशा के स्वामी हैं। यदि ईशान कोण में पूजा घर, बोरिंग वाटरटैंक बनवाना शुभ माना जाता है।

6. आग्नेय कोण: वास्तु शास्त्र के अनुसार, आग्नेय कोण अग्नि एवं मंगल का स्थान माना जाता है। शुक्र इस दिशा के स्वामी है। आग्नेय कोण में रसोई घर या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि का स्थान बना सकते हैं।

7. वायव कोण: वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस कोण का विशेष महत्व होता है। इस दिशा के स्वामी चंद्र हैं। वायव कोण को खिड़की का स्थान माना जाता है। यदि आप चाहें तो यहां गेस्ट रूम भी बनवा सकते हैं।

8. नैऋत्य कोण: इस दिशा के स्वामी राहु और केतु होते हैं। इस दिशा में टीवी, रेडियो और खेलकूद आदि का सामान रखना शुभ होता है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, नैऋत्य कोण पृथ्वी त्तव का स्थान माना जाता है।

अपनाएं तेज पत्ते के 6 ज्योतिष उपाय

खाने का स्वाद बढ़ाने वाला तेजपत्ता मनुष्य के जीवन में आ रही समस्याओं से भी छुटकारा दिला सकता है। ज्योतिष शास्त्र में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर मनुष्य अपने जीवन में आ रही अनेक तरह की परेशानियों से छुटकारा पा सकता है। फिर चाहे वह प्रॉब्लम पैसे से जुड़ी हो, इच्छापूर्ति से जुड़ी हो, बुरे सपने से जुड़ी हो या फिर नजर दोष से जुड़ी हो। इन सभी समस्याओं का हल ज्योतिष शास्त्र में बड़ी सरल विधि से बताया गया है। आज भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा हमें बता रहे हैं तेज पत्ते से होने वाले ज्योतिषी उपाय के बारे में।

1. दूर करें नकारात्मकता

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ गई है और वे उससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो घर में 5 तेजपत्ता और 5 कालीमिर्च जलाकर पूरे घर में इसके

धुएं को फैलाएं। इस उपाय से आपके घर में फैली नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाएगी।

2.सपने के लिए उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को डरावने और भयानक सपने आते हैं। जिसकी वजह से वह दिनभर मानसिक रूप से परेशान रहते हैं तो उन्हें अपने तकिए के नीचे नियमित रूप से एक तेजपत्ता रखकर सोना चाहिए। इस उपाय से मनुष्य को बुरे सपनों से छुटकारा मिलेगा।

3. आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं तो प्रत्येक शुक्रवार माता लक्ष्मी के चरणों में एक तेजपत्ता अवश्य रखें। कुछ समय बाद उस पत्ते को उठाकर अपने पर्स में रख लें, इस उपाय से धन संबंधित सभी समस्याएं दूर होंगी और आय के नए स्रोत बनने लगेंगे।

4. मनोकामना पूरी करने का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, आप कोई इच्छा पूर्ति करना चाहते हैं जो लंबे समय से अधूरी है, तो उसके लिए एक तेज पत्ते के ऊपर अपनी मनोकामना सिंदूर से लिख दें। अब इस पत्ते को अपने घर के मंदिर में रख दें। इस उपाय से आपकी मनोकामना जल्द ही पूरी होगी।

5. दूर करें नजर दोष

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आप को या आपके घर में किसी को बार-बार नजर लग जाती है तो 7 तेज पत्ते और 1 चम्मच नमक लें। अब इन्हें उस व्यक्ति के ऊपर से 7 बार घड़ी की दिशा में घुमाएं और इसे किसी भी पेड़ के नीचे रख दें। नजर दोष खत्म हो जाएगा।

6. लड़ाई झगड़ा खत्म करने का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आपके घर में पति पत्नी के बीच अक्सर तकरार बनी रहती है तो दो तेज पत्ते अपने घर में नियमित रूप से जलाएं, ये उपाय आपको लगातार एक हफ्ते करना है। इससे दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी। जीवन साथी के साथ आपके संबंध मजबूत और मधुर होंगे।

क्या होता है गोत्र, क्या है इनका महत्व

क्या होता है गोत्र, क्या है इनका महत्व, क्यों नहीं होता एक ही गोत्र में विवाह?

हिंदू धर्म में विवाह के दौरान वर वधु से उनके गोत्र के विषय में पूछा जाता है। हिंदू धर्म में विवाह के दौरान वर वधु से उनके गोत्र के विषय में पूछा जाता है।

हिन्दू धर्म में हर व्यक्ति के गोत्र को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। आज के बदलते दौर में मॉर्डन हो चुके युवा गोत्र की समझ नहीं रखते, और न ही इसमें कोई रुचि रखते हैं, लेकिन धार्मिक कार्य करते समय गोत्र का महत्व बढ़ जाता है। ख़ासतौर पर विवाह के समय वर और वधू के गोत्र के बारे में ज़रूर पूछा जाता है। गोत्र के महत्व की बात की जाए तो ये हिन्दू धर्म की पहचान के लिए बना था।

पहले के समय में गोत्र को सिर्फ़ ऋषियों के साथ जोड़कर देखा जाता था, लेकिन आज के युग में गोत्र एक हिंदू के वर्ग, जाति, क्षेत्र और स्थान को दर्शाता है। गोत्र प्राचीन मानव समाज द्वारा बनाए गए उन रीति-रिवाजों का हिस्सा है। जो यह निर्धारित करता है, कि कोई व्यक्ति किस पूर्वज की संतान है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं, हिंदू धर्म में कितने होते हैं गोत्र और क्या होता है इसका महत्व।

हिंदू धर्म में गोत्र को ऋषि परंपरा से संबंधित माना जाता है। ब्राह्मणों के लिए जो गोत्र विशेष रूप से महत्व रखता है। हर ब्राह्मण का संबंध ऋषि कुल से माना गया है। प्राचीन काल में 4 ऋषियों के नाम से गोत्र परंपरा प्रारंभ हुई थी।

ये चार ऋषि हैं अंगिरा, कश्यप, वशिष्ठ और भृगु। गोत्र एक संस्कृत शब्द है जिसमें "गो" से मतलब हमारी इंद्रियों से निकाला जाता है, और "त्र" रक्षा को दर्शाता है। प्राचीन काल में मुख्य रूप से चार ही गोत्र माने जाते थे, परंतु बाद में 4 और गोत्र भी शामिल किए गए जो इस प्रकार हैं- अत्रि, जन्मदग्नि, अगस्त्य और विश्वामित्र।

हिंदू धर्म में विवाह के दौरान वर वधु से उनके गोत्र के विषय में पूछा जाता है। इसके पीछे कारण होता है, कि वर और वधु दोनों एक ही गोत्र के ना हों। हिंदू धर्म में एक ही गोत्र में विवाह करने की मनाही होती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गोत्र का संबंध ऋषियों से माना जाता है। वह ऋषि उस गोत्र के अंतर्गत आने वाले महिला या पुरुष के पूर्वज होते हैं। जितने भी लोग एक गोत्र में आते हैं। वे एक दूसरे के भाई-बहन होते हैं। इसी वजह से समान गोत्र में विवाह करना वर्जित माना गया है।

महेश नवमी पर विशेष : सुन्दरतम संकल्पना और विचारों का पर्व

रमेश कुमार बंग

देश भर में माहेश्वरी समाज द्वारा ज्येष्ठ शुक्ल नवमी को अपना जात्योत्पत्ति पर्व 'श्री महेश नवमी' उत्साह एवं श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है । माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति सिद्धांतानुसार ऋषियों के श्राप से ग्रस्त - 72 क्षत्रिय उमरावों को इसी दिन भगवान महेश ने श्राप मुक्त किया और उन्हें क्षत्रिय धर्म त्यागकर वैश्य धर्म अंगीकार करने का आदेश दिया । इन 72 उमरावों की सन्तति भगवान महेश के नाम पर माहेश्वरी कहलायी । माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति कब हुई यह ठीक-ठीक बता पाना संभव नहीं है क्योंकि हमारे देश में प्राचीन काल से प्रामाणिक इतिहास लेखन की प्रवृत्ति का नितांत अभाव रहा है । ऐसे में जातीय उत्पत्ति के सिद्धांत और काल-खंड की साक्ष्य सहित सटीक उद्घोषणा कर पाना संभव नहीं है लेकिन इतना सत्य है कि देश में विभिन्न जातियों की उत्पत्ति परवर्ती वैदिक काल में हुई । आवश्यकतानुसार समय-समय पर चतुष्वर्ण से ही विभिन्न जातियों का उद्भव हुआ और माहेश्वरी जाति भी उन्हीं में से एक है। माहेश्वरी जाति की उत्पत्ति उस काल खंड में हुई जब विश्व धार्मिक संक्रमण और उन्माद के दौर से गुज़र रहा था, जिसमें व्यापार करना अत्यंत साहसिक कार्य था । ऐसे में भगवान महेश की प्रेरणा से साहसी क्षत्रियों ने वैश्य धर्म अंगीकार कर नष्टप्राय व्यापार और वाणिज्य को गति प्रदान करने का प्रयास किया और सफलता के नवीन कीर्तिमान स्थापित किये । मध्ययुगीन राजपुताना की शायद ही ऐसी कोई रियासत रही होगी जिसके आर्थिक केन्द्र में माहेश्वरी न रहे हों । मुग़लों के पराभव और अंग्रेज, फ्रांसीसी, पुर्तगालियों के देश में बढ़ते वर्चस्व के समय माहेश्वरी व्यापारियों ने अपनी दूरदृष्टि का परिचय देते हुए देश के विभिन्न स्थानों पर अनेक कष्टों को सहन करते हुए अपने व्यापारिक केन्द्र स्थापित करना प्रारंभ किया । आज माहेश्वरी देश के लगभग प्रत्येक भाग में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है । देश में माहेश्वरी समाज की जनसंख्या के अनुपात में प्रभाव कहीं अधिक है। माहेश्वरी समाज में सामाजिक एकता की सबसे बड़ी समस्या भी उभरकर सामने आयी। इसका सबसे प्रमुख कारण माहेश्वरी समाज का इतर समाजों की भाँति एक ही स्थान पर केंद्रित न होना था । 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में जब देश धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक पुनर्जागरण के

दौर से गुज़र रहा था। माहेश्वरी समाज ने भी सामाजिक एकता के लिए प्रयास प्रारंभ किये । फलस्वरूप देश के विभिन्न भागों में माहेश्वरी महापंचायत अस्तित्व में आयी, जिन्होंने सामाजिक एकता के साथ सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन का शंखनाद किया, परिणाम स्वरूप मध्ययुगीन सामाजिक कुरीतियों का उन्मुलन हुआ और समाज संगठन के रास्ते पर चल पड़ा । वर्तमान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा इन्ही महापंचायतों का संगठित रूप है।माहेश्वरी समाज को संगठित करने में 'श्री महेश नवमी पर्व' का सर्वाधिक योगदान है । साफ़ शब्दों में कहा जाए तो यह पर्व माहेश्वरी समाज का वह जीवन रसायन है जिसने माहेश्वरी शब्द को अमरत्व प्रदान किया है । यह पर्व माहेश्वरी समाज के जातीय स्वाभिमान, अदम्य साहस, कार्यकुशलता, राष्ट्रनिष्ठा, संघर्षशीलता और गौरवमयी इतिहास का प्रतीक है । भगवान शिव को आराध्य माननेवाला यह समाज त्याग, समर्पण, सदाचार, उच्च मानवीय मूल्यों, परस्पर सद्भाव और जनकल्याण की भावना रखने वाले समाज के रूप में जाना जाता है। भगवान शिव का सम्पूर्ण मानवीयता का भाव इस समाज की शिराओं में प्रवाहित होता है । महेश नवमी पर्व एक ओर जहाँ सम्पूर्ण समाज को एकता के सूत्र में पिरो देता है, वहीं दूसरी ओर समाज को आत्म-मंथन करने का अवसर भी प्रदान करता है।

यहीं माहेश्वरीजन, समाज, देश और विश्व को दिये गये अपने अवदानों का पवित्र भाव से मूल्यांकन करता है और अपने भावी योगदान का संकल्प लेता है। इस पर्व का ही प्रभाव है कि यह समाज अर्थ का सही उपयोग करने में अपना सानी नहीं रखता। माहेश्वरी समाज के स्वर्णिम इतिहास का साक्षी, वर्तमान का प्रत्यक्ष दृष्टा और भविष्य की सुंदरतम , संकल्पना और विचारों का पर्व 'श्री महेश नवमी' परस्पर सद्भाव, सामाजिक एकता एवं सामूहिक प्रगति हेतु प्रतिबद्धता बनाये रखे, उत्कृष्ट जीवन मूल्यों का स्मरण कराता रहे, प्रथम व अंतिम का भेद मिटाता रहे, एक दूसरे का हित चिंतन कराता रहे, परस्पर विद्वेष एवं अनावश्यक प्रतिस्पर्द्धा मिटाता रहे । सभी के जीवन में सुख, शान्ति एवं समृद्धि का संचार करे, नवीन उपलब्धियाँ तथा सफलताएँ सभी का प्रारब्ध बनें ।

उर्फी जावेद दे रही है खतरनाक पोज, मुस्लिम कट्टरपंथियों को जम कर सुनाया

बिग बॉस ओटीटी शो में अपना कमाल दिखाकर लोगों के दिल में सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती है। कभी लोगों ने उन्हें ट्रोल किया तो कभी उनपर प्यार बरसाया। उर्फी जावेद सेक्सी पोज देते हुए लड़खाड़ई फिर क्या हुए जानने के लिए पोस्ट को पूरा पढ़े। बिग बॉस ओटीटी शो में आने के बाद उर्फी जावेद सोशल मीडिया में हमेशा चर्चा में रहती है। उर्फी जावेद को जावेद अख्तर के नातिन से जोड़ा जा रहा है। इससे पहले उर्फी जावेद एक पारदर्शी ड्रेस में नजर आयी थी। वे केवल ब्रालेट में नजर आयी। इस ड्रेस में वह मुम्बई की सड़कों पर नजर आयी थी। उर्फी जावेद साड़ी कितना पसंद करती है यह बिग बॉस ओटीटी से पता चलता है। इस समय उर्फी ब्लू रंग की साड़ी में एक फोटो शेयर किया है वे इस साड़ी में काफी खुब सुरत नजर आ रही है। यह तस्वीर शेयर कर अपने फैन्स को काफी खुश कर दिया। उर्फी जावेद ज्यादा तर शॉर्ट कपड़े में नजर आती है। उर्फी जावेद ज्यादा तर छोटे कपड़े में नजर आती है लेकिन इस समय ब्लू साड़ी में उर्फी जावेद खुब सुर्खियाँ बटोर रही है।

उर्फी जावेद अपने पहनावे और कपड़ों को लेकर अधिकतर सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियों में रहती है। इसके अलावा वह मुस्लिम समुदाय को लेकर भी बेबाक़ी से अपनी राय रखती हैं। उर्फी ने कहा था कि उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर अधिकतर गंदे कमेंट्स मुसलमानों के होते हैं। जिसको लेकर वो काफी परेशान रहती है,एक वीडियो के माध्यम से उन्होने अपनी बात कही। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ कर दिया था कि वह कभी भी किसी मुस्लिम लड़के से शादी नहीं करेंगी।

उर्फी जावेद के वीडियो वायरल हो रहे है। और वीडियो को उनके सोशल मीडिया फैन पेज पर शेयर किया गया है। वीडियो में उर्फी कहती हैं, 'जो भी मुस्लिम चरमपंथी मेरी फोटोज पर कमेंट करते हैं कि मैं तो इस्लाम पर धब्बा हूं , मेरे खिलाफ फतवा जारी कर देना चाहिए,मेरे कपड़े ये...मेरे कपड़े वो...क्या आप जानते हैं कि कुरान में कहीं भी नहीं लिखा है कि महिलाओं को जबरन पर्दा करवाना चाहिए। है यह बात जरूर कही गई है कि औरत को पर्दा करना चाहिए। ये नहीं लिखा है कि अगर कोई औरत पर्दा नहीं करती हैं तो उस पर गालियों की बौछार करो और उसे भला बुरा कहो। उर्फी ने आगे माफी मांगते हुए बताया कि जो लोग इंस्टाग्राम सोशल मीडिया पर लड़कियों को देखते हैं और उनकी फोटो पर गंदे और फालतू कमेंट्स करते हैं ये सब हराम है इस्लाम में। और उन्होने कहा कि ऐसे औरतों की तस्वीरें आप नहीं देख सकते हैं, स्पेशली जब उसने कपड़े ना पहने हो।

इस्लाम के जो रूल्स बने हैं ना वो डेढ़ हजार साल पहले बने थे, तब औरतों के पास कोई अधिकार नहीं थे। इस्लाम में चार शादियां भी इसलिए अलाउड हैं क्योंकि उस वक्त औरतों के पति मर जाते थे, तब उनका रेप हो जाता था। और उनके पास इतना अधिकार नहीं होता था कि वह न्याय मांग सके।

वह आगे कहती हैं, 'मुझे देखो, क्या मैं कमजोर महिला लग रही हूं? नहीं मैं आपकी मदद नहीं मांग रही हूं और ना मुझे आपकी किसी भी तरह की सलाह चाहिए। कितनी ऐसी चीजें इस्लाम में लिखी हैं, जिसे आप खुद फॉलो नहीं करते हैं और फिर एक लड़की को हिदायत देते हो कि ऐसे नहीं, वैसे कपड़े पहनो'. उर्फी ने यह भी कहा कि इस्लाम में शादी से पहले सेक्स हराम है, लेकिन तब भी लोग ऐसा करते है। ऐसे कितने लोग हैं, जो पांचों वक्त की नमाज पढ़ते हैं। मुझे तो लगता नहीं है कोई भी ऐसा करता होगा। अगर आप पाचों वक्त की नमाज पढ़ते तो आपको इंस्टाग्राम पर लड़कियों की फोटोज पर कमेंट करने का टाइम ही नहीं मिलता।

उर्फी ने आखिर में कहा कि, 'मैं एक बात कहना चाहती हूं कि मैं इस्लाम को फॉलो ही नहीं करती हूं. अल्लाह का कहना है कि आप जो भी करो उसे दिल से करो। अगर आप दिल से नहीं कर रहे हैं या फिर सिर्फ ऊपर जाने के लिए ये कर रहे हैं। आप पांच वक्त की नमाज और जो कुछ भी कर रहे हो, तो आपको जन्नत नसीब नहीं होगी। उससे बेहतर है कि आप किसी इंसान की मदद करो, किसी गरीब की मदद करो और औरतों को उस नजरिए देखना बंद कर दो, तब कहीं जाकर आप एक सच्चे मुसलमान कहलाओगे।

हंसी से लोट-पोट करते हैं फिल्म के डायलॉग नवाजुद्दीन की दमदार एक्टिंग ने डबल किया लाफ्टर

जोगीरा सारा रा रा मूवी रिव्यू
स्टारकास्ट - नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नेहा शर्मा
डायरेक्टर - कुषाण नंदी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और नेहा शर्मा स्टारर फिल्म जोगीरा सारा रा रा रिलीज हो चुकी है। संजय मिश्रा और महाक्षय चक्रवर्ती भी फिल्म में सपोर्टिंग रोल में हैं। फिल्म 26 मई को सिनेमाघरों में आई है, जो एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है।

कैसी है फिल्म की कहानी?

फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी जोगी के किरदार में नजर आ रहे है, जो लखनऊ में एक इवेंट कंपनी का मालिक है। इवेंट कंपनी का नाम है शानदार इवेंट्स। उसकी कंपनी लोगों की शादियां करवाती है और जहां कोई काम न बन रहा हो वहां जोगी सब काम अपने जुगाड़ से करवा देता है। ऐसी ही एक शादी के दौरान उसकी मुलाकात डिंपल यानी की नेहा शर्मा से होती है और फिर डिंपल की शादी की जिम्मेदारी नवाज की कंपनी को मिलती है।

लेकिन यहां आता है ट्विस्ट क्योंकि डिंपल जोगी से कहती है उसे उसकी शादी किसी भी हालत में तुड़वानी होगी। जोगी इस काम में जुट जाता है और ऐसा करते-करते वह खुद ही फंस जाता है जब डिंपल के घरवाले जोगी की शादी जबरदस्ती डिंपल से करवाने की बात करते हैं।

कैसी है कलाकारों की एक्टिंग?

फिल्म की कहानी बहुत ही सिंपल है लेकिन उसको बहुत अच्छे तरीके से कॉमेडी के साथ नवाजा गया है। नवाज को तो हम बॉलीवुड की गिरगिट का नाम दे सकते है। उन्हें कोई भी रोल दे दो और वह अपना रंग उसके हिसाब से बदल लेते है। इस फिल्म को देखकर ऐसा लगता है मानो वह एक कॉमेडी एक्टर ही है। कोई कह नहीं सकता कि उन्होंने आज तक ज्यादातर सीरियस रोल निभाए है। उनकी परफेक्ट कॉमिक टाइमिंग ने फिल्म में चार चांद लगा दिए हैं। नेहा ने भी अपने रोल को बहुत अच्छे से निभाया है।

उन्होंने नवाज का अच्छे से साथ दिया है। फिल्म में संजय मिश्रा और महाक्षय चक्रवर्ती भी नजर आये हैं और उन दोनों ने भी अपने अपने किरदारों से फिल्म में जान डाली है।

कैसा है फिल्म का डायरेक्शन?

फिल्म को कुषाण नंदी ने डायरेक्ट किया है। इसको गालिब असद भोपाली ने लिखा है और नईम सिद्दीकी ने प्रोड्यूस किया है। डायरेक्शन के लिए कुषाण को पूरे नंबर मिलेंगे। फिल्म में जान गालिब की राइटिंग ने डाली है।

अगर इस हफ्ते काम से बहुत परेशान रहे हैं और कुछ हल्का-फुल्का देखकर अपने आप को रिफ्रेश करना चाहते है तो अपने पूरे परिवार के साथ यह फिल्म जरूर देखें। आप बिलकुल भी निराश नहीं होंगे।

'कभी तकरार कभी प्यार', रवीना टंडन ने किया सलमान खान-करिश्मा कपूर के साथ अपने रिश्ते का खुलासा

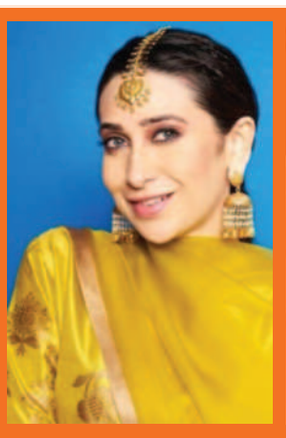

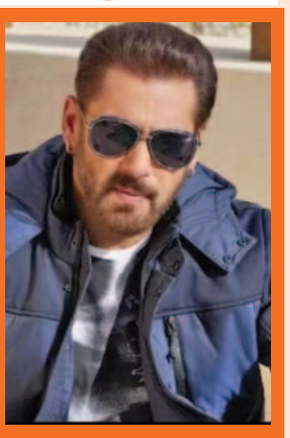

रवीना टंडन ने अपने करियर की शुरुआत 1991 की फिल्म पत्थर के फूल से की थी और सलमान खान उनके पहले सह-कलाकार थे, लेकिन उस समय सलमान और रवीना सबसे अच्छे दोस्त नहीं थे। असल में शुरुआती दिनों में दोनों के बीच छोटे-मोटे झगड़े हुआ करते थे। हाल ही में रवीना ने कहा कि अब जब वे दोनों अच्छे दोस्त हैं, दोनों के बीच अलग रिश्ता है, लेकिन शुरुआत में ऐसा नहीं था।

रवीना टंडन ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि ठीक है सलमान और मैं आज अच्छे दोस्त हैं और कलाकार के रूप में बड़े हो गए हैं। दोनों के बीच एक दूसरे के लिए प्यार और सम्मान है।

सलमान के बारे में बात करते हुए रवीना ने कहा कि वह एक ऐसे व्यक्ति और दोस्त हैं, जो मुसीबत के समय आपके साथ होंगे, हो सकता है आपके सुखी समय में वह आपके साथ न हो, लेकिन आपके बुरे समय में वह आपके साथ जरूर रहेंगे।

करियर के शुरूआती दिनों को याद करते हुए रवीना ने कहा कि पहले हम युवा थे। हमारे बीच क्लासरूम जैसे झगड़े होते थे, जैसे बच्चों के बीच हुआ करते हैं, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते गए, मुझे लगता है कि हमने एक-दूसरे को समझना सीखा और इसके लिए हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

रवीना ने करिश्मा कपूर के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की। दोनों के बीच रिश्ते ठीक नहीं थे, जब उन्होंने राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना अपना' के लिए शूटिंग की थी तो वह आपस में बात करने की स्थिति में भी नहीं थे। इस बारे में बात करते हुए रवीना ने कहा कि देखिए, आप सभी के साथ नहीं मिल सकते, है ना? और आज मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि करिश्मा और मैं बच्चे थे, हो सकता है उस समय हम अपने छोटे-मोटे कॉम्पलेक्स से गुजरे हों, लेकिन आज हमारे बच्चे दोस्त हैं और आज सामाजिक रूप से भी हम साथ घूमते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि लोग बड़े होते हैं।

बचपन में ही पूजा चोपडा को मार देना चाहते थे पिता मां ने होटल में हाउसकीपिंग का काम किया

11 सालों में पूजा चोपड़ा ने 7 फिल्मों में काम किया

- 2011 पोन्नार शंकर
- 2012 हिरोइन
- 2013 कमांडो: ए वन मैन आर्मी
- 2016 ये तो टू मच हो गया
- 2018 अय्यारी
- 2021 बबलू बैचलर
- 2022 जहां चार यार

'एक दिन मेरे पास इंस्टाग्राम के DM में मैसेज आया। उस मैसेज में लिखा था- मैं इंद्र कुमार, तुम्हारा सौतेला भाई, हमारे पापा का निधन हो गया है। ये पढ़कर मैं सन्न हो गई, थोड़े देर कुछ समझ ही नहीं आया। मैंने सोचा कि मां को ये सब बताऊं, लेकिन दीदी को पहले इस मैसेज का स्क्रीनशॉट भेज दिया। ये देखकर दीदी ने कहा कि वो हमारे लिए पहले ही मर चुके हैं। तू इन सब बातों पर ध्यान ना दे, बस अपने करियर पर फोकस कर। दीदी प्रैक्टिकल है, तो उसे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा, लेकिन मैं बहुत ज्यादा इमोशनल हूं। कई दिनों तक ये बात मेरे मन में चलती रही।' ये बात पूजा चोपड़ा ने कही है, जो फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड (2009) की विनर रहीं। इसके अलावा उन्होंने कमांडो, अय्यारी और जहां चार यार जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने 2011 में रिलीज हुई तमिल फिल्म पोन्नार शंकर से एक्टिंग डेब्यू किया था।

पूजा चोपड़ा ने बतौर मॉडल अपना करियर शुरू किया, फिर फिल्मों में आईं, लेकिन वो कभी भी इन दोनों फील्ड में अपना करियर नहीं बनाना चाहती थीं। उनका सपना आईपीएस ऑफिसर बनने का था, लेकिन किस्मत के सहारे उन्होंने इस सफर की शुरुआत की। ये सफर भी कई संघर्षों से भरा रहा। पैदा होते ही पिता इन्हें मारना चाहते थे, लेकिन मां नीरा चोपड़ा और उनकी बहन शुभ्रा ने पूजा की परवरिश कर उन्हें इस लायक बनाया।

पूजा का सपना था आईपीएल बनने का, लेकिन किस्मत की वजह से मॉडलिंग में आईं

मैंने कभी भी पूजा पर इस बात की आंच नहीं आने दी कि उसकी पैदाइश के बाद ये सब हुआ। मेरी बच्ची मेरी जान है। कभी कोई उसे कुछ बोलने जाता, मैं आंखें दिखा कर शांत कर देती थी। पूजा हमेशा से किरण बेदी के जैसे IPS ऑफिसर बनना चाहती थी।

उसने माउंट कार्मेल कॉन्वेंट हाई स्कूल में पढ़ाई की थी। 10वीं के फेयरवेल में उसे मिस फेयरवेल का टैग मिला था। अखबार में भी उसकी तस्वीर छपी थी। फिर एक ड्रीम गर्ल पेजेंट कॉम्पिटिशन निकला जिसके विनर को पैसे के साथ कुछ गिफ्ट्स भी मिलने थे। इसी वजह से पूजा ने इसमें पार्टिसिपेट किया, जिसमें भी वो विनर रही। मेरी क्वीन पेजेंट में भी पूजा विनर रही। पूजा को इतनी जीत के बाद खुद पर भरोसा हो गया कि वो इस फील्ड में अच्छा कर सकती है। इसी दौरान फेमिना वालों ने उसे अप्रोच किया। 17 फरवरी 2009 को कोलकाता में 2009 फेमिना मिस इंडिया ईस्ट के खिताब से पूजा को नवाजा गया। इस इवेंट के लिए कोलकाता जाने के लिए पैसे नहीं थे, लेकिन शुभ्रा ने उसके लिए पैसों का इंतजाम किया।

तंगी की वजह से खाली टिफिन स्कूल ले जाती थी

बचपन से मैंने स्ट्रगल देखा है। बहन मुझे बताती थी कि मम्मी से नई फ्रॉक या साइकिल मत मांगो। वर्ना उन्हें डबल ड्यूटी करनी पड़ेगी। फिर भी मम्मी अपनी ओर से मुझे बिना इमोशनली हर्ट किए मेरी डिमांड को जरूर पूरा करने की कोशिश करती थीं। स्कूल में सारे बच्चों के पास नई किताबें होती थीं, लेकिन हम दोनों बहनें पुरानी किताबें इस्तेमाल करती थीं। कभी-कभार खाली टिफिन ही स्कूल ले जाया करते थे। दोस्तों से कह देते थे कि आज भूख नहीं है, इसलिए टिफिन नहीं लाए। स्कूल में मुझे 3-4 साल स्कॉलरशिप मिलती रही। मम्मी को उस खर्च में कुछ राहत मिली। कॉलेज के टाइम पर कई बार ऐसा हुआ है कि सारे दोस्त फिल्म देखने जाते थे, लेकिन मैं कोई बहाना बनाकर मना कर देती थी। कह देती थी कि मां नाराज हो जाएंगीं। वजह ये थी पैसों की कमी रहती थी। जब कभी पैसे होते थे, तो चली जाती थी।

फीस के लिए दीदी अखबार बेचने जाती थी

मां के साथ दीदी शुभ्रा ने भी बहुत ख्याल रखा है। जब मां नहीं रहती थी, तब मेरा सब कुछ वही करती थी। मेरी फीस के लिए वो सुबह 4 बजे उठकर अखबार बेचने चली जाती थी। कड़ी धूप में वो गाड़ियों पर खड़े होकर कैंपेनिंग किया करती थी, ताकि मां पर ज्यादा प्रेशर ना पड़े।

फेमिना मिस इंडिया में इवेंट के ड्रेसेज के लिए पैसे नहीं थे

कॉलेज के दिनों में पढ़ाई के साथ मॉडलिंग भी शुरू कर दी थी। उससे थोड़ा बहुत खर्च निकल जाता था। फेमिना मिस इंडिया में पार्टिसिपेट करने के दौरान जो ड्रेसेज चाहिए थे, उसके लिए मेरे पास पैसे नहीं थे। पुणे के टॉप मेंटर और मिस इंडिया के लिए ट्रेनिंग देने वाले ट्रेनर ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। उन लोगों ने मेरी फीस भी माफ कर दी। अभी भी संघर्ष जारी है। फिल्म कमांडो हिट होने के बाद बहुत उम्मीद थी कि फिल्मों के बहुत ऑफर्स मिलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

तेज हुई 500 रुपये के नोटों की मांग

बिना छुट्टी लिए दिन-रात काम में जुटा आरबीआई

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दो हजार रुपये के नोट को वापस लेने का ऐलान हुए एक सप्ताह हो चुका है। इस सप्ताह बैंकों में 2000 रुपये के नोटों को बदलने का काम शुरू हो गया है। इसके साथ ही नोटबंदी की तरह नोटबदली में भी बैंकों का काम-काज बढ़ा हुआ है। रिजर्व बैंक को भी ऐसे में ज्यादा काम करना पड़ रहा है।

500 रुपये के नोटों की बढ़ी डिमांड

दरअसल 2000 रुपये के नोटों के बदले जाने का सीधा असर 500 रुपये के नोटों पर हो रहा है, जिनकी डिमांड अचानक बढ़ गई है। इसके चलते रिजर्व बैंक को दिन-रात काम करना पड़ रहा है। खबरों में बताया जा रहा है कि

2000 रुपये के नोटों की जगह पर 500 रुपये के नोटों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक चौबीसों घंटे और सातों दिन काम कर रहा है।

इस कारण आया था 2000 का नोट

रिजर्व बैंक ने नवंबर 2016 में नोटबंदी के बाद 2000 रुपये के नोट को पेश किया था। नोटबंदी के दौरान तत्कालीन प्रचलन के 500 रुपये के और 1000 रुपये के नोटों को बंद कर दिया गया था। उस समय एक बार में भारी मात्रा में नकदी की आपूर्ति करने की जरूरत थी, इसी कारण सेंट्रल बैंक ने 2000 रुपये की बड़ी करेंसी बाजार में उतारने का फैसला लिया था।

बदले जा रहे हैं 2000 के नोट

अब जब नोटबदली का ऐलान हुआ है, रिजर्व बैंक के सामने बड़ी मात्रा में 500 रुपये के नोटों की छपाई करने का टास्क आ गया है। रिजर्व बैंक ने बताया था कि अभी बाजार में 3.62 लाख करोड़ रुपये की वैल्यू के बराबर 2000 रुपये के नोट सर्कुलेशन में हैं। इन्हें रिप्लेस करने के लिए रिजर्व बैंक को इतनी वैल्यू के 500 रुपये के नोटों की छपाई करनी होगी। यही कारण है कि रिजर्व बैंक को दिन-रात काम करना पड़ रहा है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में बड़ी गिरावट:60 हजार पर आया सोना, चांदी डेढ़ हजार रुपए से ज्यादा फिसली

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 22 मई को सोना 60,760 रुपए पर था जो अब 27 मई को 60,142 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 618 रुपए घटी है।

चांदी में भी बड़ी गिरावट आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में डेढ़ हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 72,095 रुपए पर थी जो अब 70,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,595 रुपए कम हुई है।

आने वाले दिनों में सोने में देखने को मिल सकती है तेजी

अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान

था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

आज से सिर्फ छह डिजिट वाले हॉलमार्क सोने के आभूषणों की बिक्री होगी

नए नियम के तहत एक अप्रैल यानी आज से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एजेड4524। इस नंबर के जरिए ये पता करना संभव होगा कि कोई सोना कितने कैरेट का है। देशभर में सोने पर ट्रेड मार्क देने के लिए 940 सेंटर बनाए गए हैं। अब चार डिजिट वाली हॉलमार्किंग पूरी तरह बंद हो जाएगी।

मिस्ड कॉल देकर पता लगाएं सोने का रेट

आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं। आईबीजेए की ओर से केंद्रीय सरकार द्वारा घोषित छुट्टियों के अलावा शनिवार और रविवार को रेट जारी नहीं किए जाते हैं।

एटीएम कार्ड खोने या चोरी होने के बाद भी रहें टेंशन फ्री

परेशानी से बचने का एसबीआई ने बता दिया तरीका

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया समय-समय पर कई माध्यमों से अपने ग्राहकों को उनके काम की जानकारी देता रहता है। ट्विटर के जरिए एसबीआई बैंक के ग्राहकों को फ्रॉड से बचने समेत कई बैंकिंग सुविधाओं को कैसे लेना है, इसकी भी जानकारी मिलती रहती है। आज भी एसबीआई ने अपने एक ट्वीट के जरिए बैंक कस्टमर्स को ये जानकारी दी है कि अगर उन्हें अपने खोए या चोरी हुए एटीएम या डेबिट कार्ड को ब्लॉक करना है तो वो कैसे कर सकते हैं।एसबीआई के मुताबिक ये काम बेहद आसान है और इसके लिए ग्राहकों को बैंक के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। कस्टमर्स को केवल एक कॉल करना है और कुछ नंबर एंटर करने के बाद उनका खोया या चोरी हुआ एटीएम/डेबिट कार्ड तुरंत ब्लॉक हो जाएगा। इसके लिए एसबीआई ने स्टेप-बाई-स्टेप तरीका भी बताया है।

फिर बढ़ेगा टोल टैक्स : इस हाईवे से गुजरने पर झेलनी पड़ेगी महंगाई की मार

मेरठ, 27 मई (एजेंसियां)। मेरठ में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वालों की जेब एक बार फिर से ढीली होगी। वेस्टर्न यूपी टोल प्लाजा एक जुलाई से टोल टैक्स बढ़ाने जा रही है, जिसकी रूपरेखा तैयार की जा रही है। एनएचएआई की हरी झंडी मिलने का इंतजार है। एनएच-58 पर सिवाया गांव के पास में वेस्टर्न यूपी टोल प्लाजा टोल टैक्स की वसूली करती है। कंपनी एक जुलाई से बढ़ा टैक्स वसूलेगी। कार और जीप पर कम से कम 10 रुपये और बस व ट्रक पर 15 और मल्टीएक्सल वाहन पर 30 रुपये तक अतिरिक्त टोल देना पड़ेगा। लोकल टैक्स भी बढ़ाने की तैयारी है। वर्तमान में लोकल टैक्स 25 रुपये है, जिसमें पांच रुपये की बढ़ोतरी होगी।

फोटोशॉप बनाने वाली कंपनी के सीईओ हर दिन कमाते हैं 70 लाख रुपये, हैदराबाद से है खास नाता

कैलिफोर्निया , 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय मूल के शांतनु नारायण दिसंबर 2007 से फोटोशॉप बनाने वाली कंपनी एडोबी के चेयरमेन, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में काम कर रहे हैं। वह 2005 में कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में शामिल हुए।

हैदराबाद में पैदा हुए शांतनु नारायण के पिता चलाते थे एक प्लास्टिक कंपनी

शांतनु नारायण का जन्म हैदराबाद में एक तेलुगु भाषी परिवार में हुआ। उनकी मां एक शिक्षक थीं और उनके पिता एक प्लास्टिक कंपनी चलाते थे। वह अब कैलिफोर्निया के पालो अल्टो में रहते हैं। वह 1980 के दशक के मध्य में बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान

अपनी पत्नी रेनी से मिले। उनके दो बेटे हैं। शांतनु नारायण ने हैदराबाद पब्लिक स्कूल में पढ़ाई की। उन्होंने हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। आगे की शिक्षा हासिल करने के लिए उन्होंने अमेरिका जाने का फैसला किया। 1986 में शांतनु ने ओहियो में बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर विज्ञान में मास्टर डिग्री प्राप्त की। उन्होंने हास स्कूल ऑफ बिजनेस, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से एमबीए किया।

1989 से 1995 के बीच शांतनु नारायण ने एपल के साथ किया काम

शांतनु नारायण 1986 में सिलिकॉन वैली स्थित स्टार्ट-अप मापक्स ऑटोमेशन सिस्टम से जुड़े। कंपनी ने ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट के ग्राहकों के लिए कंप्यूटर कंट्रोल सिस्टम बनाया। 1989 से 1995 के बीच उन्होंने एपल के साथ काम किया।

इसके बाद उन्होंने सिलिकॉन ग्राफिक्स के साथ काम किया और पिक्ट्रा के सहसंस्थापक बने। 1998 में शांतनु नारायण वरिष्ठ उपाध्यक्ष के तौर पर एडोबी से जुड़े। यहां 2001 से 2005 तक दुनिया भर के उत्पादों के कार्यकारी उपाध्यक्ष थे।

विदेशी मुद्रा भंडार में छह अरब डॉलर की गिरावट

बोई के ग्राहकों को जमा पर मिलेगा अधिक ब्याज

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 मई को समाप्त सप्ताह में 6.052 अरब डॉलर घटकर 593.47 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले लगातार दो सप्ताह तक मुद्रा भंडार बढ़ोतरी के साथ करीब 600 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया था। अक्तूबर, 2021 में यह 645 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार में प्रमुख हिस्सेदारी रखना वाली विदेशी मुद्रा संपत्ति 19 मई वाले सप्ताह में 4.654 अरब डॉलर घटकर 524.945 अरब डॉलर रह गई। देश का स्वर्ण भंडार भी 1.227 अरब डॉलर कम होकर 45.127 अरब डॉलर रह गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित भंडार में 3.5 करोड़ डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।बाजार नियामक सेबी जल्द ही पैसिव फंड में कम लागत पर निवेश करने के नियम ला सकता है। इसके साथ ही अनुपालन बोझ कम करने, फंड उद्योग को बढ़ावा देने के साथ-साथ इससे जुड़े नियमों को भी आसान बना सकता है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत बरुआ ने शुक्रवार को कहा, इंडेक्स फंड और ईटीएफ के ज्यादा लचीलापन देने की योजना है।

बता दें, पैसिव म्यूचुअल फंड बाजार को ट्रैक करता है। एक्टिव फंड के मुकाबले उतार-चढ़ाव कम होता है। यह उन निवेशकों के लिए अच्छा है जो रिटर्न के बजाय सुरक्षा को तवज्जो देते हैं। इसमें फंड मैनेजरों की भूमिका नहीं होती है।बैंक ऑफ इंडिया (बोई) ने एक साल की अवधि के लिए दो करोड़ रुपये से कम के जमा पर ब्याज दर को बढ़ाकर सालाना 7 फीसदी कर दिया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	मेष--	03-13 बजे
चंद्र-	सिंह में	वृष--	04-58 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	06-58 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	09-11 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	11-23 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	13-29 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	15-35 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	17-45 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	19-58 बजे
		मकर..	22-04 बजे
		कुंभ...	23-55 बजे
		मीन ..	01-33 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 05-45 सूर्य अस्त- 18-40
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - **09 -57** तक उपरान्त नवमी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , रविवार **May 28**
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी - **02- 19** - तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - हर्षण - **20 - 38** - तक उप - वज्र
करण- बव - **09 -57** - तक उप- बालव
विशेष:- **सोमवार की महेश नवमी**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 17:07 से 18:44 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	05:45 - 07:20 अशुभ	शुभ	18:41 - 20:07 शुभ
चंचल	07:20 - 08:58 शुभ	अमृत	20:07 - 21:29 शुभ
लाभ	08:58 - 10:36 शुभ	चंचल	21:29 - 22:51 शुभ
अमृत	10:36 - 12:13 शुभ	रोग	22:51 - 00:13 अशुभ
काल.	12:13 - 13:51 अशुभ	काल	00:13 - 01:36 अशुभ
शुभ.	13:51 - 15:29 शुभ	लाभ	01:36 - 02:58 शुभ
रोग	15:29 - 17:07 अशुभ	उत्पात	02:58 - 04:20 अशुभ
उत्पात	17:07 - 18:41 अशुभ	शुभ	04:20 - 05:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, आ,

आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे हालांकि,आपको यह सब करते हुए सावधान रहना होगा ।

वृष — ई, उ, ए, ओ,वा, वी, वू, वे, वो,

अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

मिथुन — का, की, कू, घ,ङ छ, के,को,ह

यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

कर्क — ही, हू , हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है । आपको किसी का ध्यान अपनी और खींचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, नू,ने,नो या, यी ,यू,

आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है । सच्चे दिल से लक्ष्य प्राप्ति की कोशिश करें,आपको सफलता जरुर मिलेगी ।

धनु — ये, यो,य, भा, भी,भू धा ,फा, ढा, भे

आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यों में भी भाग लेते रहे है । आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा । आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था ।

मकर — भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा ।आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें ।दूसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ज्ञ, दे, दो, चा,ची

आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगे । इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है । आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा । आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं ,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

चेन्नई ट्रेड सेंटर में हुई एग्जीबिशन में चारमीनार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज ने अपना स्टॉल लगाया, जिसमें ब्रश रोलर हार्डवेयर के तमाम प्रोडक्ट थे । देश-विदेश के तमाम मुल्कों के लोग आए और प्रोडक्ट की सराहना की। इसके अलावा चारमीनार ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज हैदराबाद ने इंडिया में फ्रोजन फूड और एग का बहुत बड़ा कारोबार किया है। हिंदुस्तान में अपनी पहचान बनाने वाली चारमीनार ब्रश कंपनी ने हाल ही में शेरकोटी स्प्रेपेंट मार्केट में उतारा है।

आरबीआई ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 84.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने धोखाधड़ी वर्गीकरण और रिपोर्टिंग से संबंधित मानदंडों के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने के लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (बैंक) पर 84.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने 31 मार्च, 2021 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में बैंक के पर्यवेक्षी मूल्यांकन के तहत निरीक्षण किया था। रिपोर्टों की जांच से पता चला कि सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक संयुक्त ऋणदाता फोरम (जेएलएफ) की ओर से खातों को धोखाधड़ी घोषित करने के फैसले के सात दिनों के भीतर आरबीआई को धोखाधड़ी के रूप में रिपोर्ट करने में विफल रहा था। इसने अपने ग्राहकों से एसएमएस अलर्ट शुल्क वास्तविक उपयोग के आधार के बजाय फ्लैट आधार पर वसूला था। आरबीआई ने बैंक को नोटिस जारी कर कारण बताने को कहा था कि निर्देशों का पालन करने में विफल रहने पर उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। केंद्रीय बैंक ने कहा, 'नोटिस पर बैंक के जवाब और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान मौखिक दलीलों पर विचार करने के बाद आरबीआई इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं करने के आरोप की पुष्टि होती है और मौद्रिक जुर्माना लगाया जाना जरूरी है।

दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली पहली ईवी कार बनी टेस्ला मॉडल वाई

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार टेस्ला मॉडल वाई पहली इलेक्ट्रिक वाहन बन गई है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। जाटो डायनेमिक्स के आंकड़ों के अनुसार, टेस्ला मॉडल वाई ने 2023 की पहली तिमाही में टोयोटा के आरएव4 और कोरोला मॉडल को पीछे छोड़ते हुए वैश्विक बिक्री रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। 2023 मॉडल वाई 47,490 डॉलर से शुरू होता है, जो 2023 कोरोला (21,550 डॉलर) और आरएवी 4 (27,575 डॉलर) से काफी अधिक है। टेस्ला मॉडल वाई ने इस साल पहली तिमाही में वैश्विक स्तर पर 267,200 यूनिट्स बेचीं, जबकि 256,400 कोरोला और 214,700 आरएव4 यूनिट्स बेची गईं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने 2016 में भी अनुमान लगाया था कि यह मॉडल 500,000 से 1 मिलियन यूनिट प्रति वर्ष के स्तर पर मांग को आकर्षित करेगा। 2021 में मस्क ने भविष्यवाणी की थी कि मॉडल वाई दुनिया में शीर्ष स्थान प्राप्त करेगा। उन्होंने निवेशकों से कहा था, हमें लगता है कि मॉडल वाई दुनिया में किसी भी तरह की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार या वाहन होगी। शायद अगले साल। मैं अगले साल 100 प्रतिशत निश्चित नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इसकी काफी संभावना है। टेस्ला अमेरिका में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में मार्केट लीडर बनी हुई है, जिसमें अन्य 17 ऑटोमोटिव समूहों की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक कारों की बिक्री अधिक है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, ईवी की बिक्री 2022 में सभी अमेरिकी यात्री वाहनों की बिक्री का 7 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने के लिए बढ़ी। अनुसंधान विश्लेषक अभीक मुखर्जी के अनुसार, टेस्ला यूएस ईवी बाजार पर हावी है जबकि फोर्ड, जनरल मोटर्स, स्टेलेंटिस, वोक्सवैगन और हुंडई जैसे अन्य ऑटोमोटिव दिग्गज मजबूत प्रतिस्पर्धा प्रदान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

दिल्ली स्थित हाई कमीशन पर पड़ी पाकिस्तान की आर्थिक तंगी की मार, बंद करना पड़ा स्कूल

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान को भारत की राजधानी दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमिशन की ओर से चलाए जाने वाले अपने स्कूल को आखिरकार बंद करना पड़ गया। कहने को तो पाकिस्तान हाई कमीशन ने इस स्कूल को बंद करने की वजह छात्रों के कम एडमिशन को बताया है। लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। दरअसल देश की राजधानी दिल्ली में पाकिस्तान की ओर से चलाए जाने वाले अपने स्कूल के खर्चे तक वहन करने में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था। हालात यह तक हो गए थे कि शिक्षकों के वेतन से लेकर कर्मचारियों की तनख्वाह पिछले एक साल से न दिए जाने का भी मामला सामने आया है। बदहाल हो चुकी आर्थिक स्थिति को लेकर पाकिस्तान सरकार ने खर्चों में कटौती करने के लिए आदेश दिए थे, जो ना सिर्फ पाकिस्तान बल्कि दुनिया के अलग-अलग देशों के दूतावासों और हाई कमीशन के मौजूद अधिकारियों के रहन-सहन से लेकर अन्य खर्चों में जबरदस्त कटौती करने को कहा गया

था। पाकिस्तान के हाई कमीशन की ओर से दिल्ली में चलाए जाने वाले अपने स्कूल को आखिरकार बंद करना पड़ गया। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान हाई कमीशन को इस्लामाबाद से लगातार खर्चों में कटौती करने के निर्देश दिए जा रहे थे। दरअसल पाकिस्तान में लगातार गिर रही अर्थव्यवस्था के चलते महंगाई अपने चरम पर है। पाकिस्तान में एक डॉलर की कीमत तकरीबन 285 पाकिस्तानी रुपये से ज्यादा पहुंच चुकी है। पाकिस्तान में महंगाई और राजनैतिक अस्थिरता के चलते युद्ध की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में पाकिस्तान सरकार ने न सिर्फ अपने देश, बल्कि दुनिया के अलग-अलग देशों में स्थित एस्टेब्लिशमेंट को खर्चों में कटौती करने के निर्देश दिए। उसी कड़ी में पाकिस्तान ने देश की राजधानी दिल्ली में चलाए जा रहे अपने हाई कमीशन के स्कूल को बंद करने का भी निर्णय ले लिया। सूत्रों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि इस स्कूल में बच्चे नहीं आ रहे थे। लेकिन भारत में स्कूल खुला रखना और उसको चला पाना पाकिस्तान के लिए बहुत महंगा पड़ता जा रहा था। जिसके चलते पाकिस्तान हाई कमीशन की ओर से अप्रैल में स्कूल बंद होने और नौकरी से निकाले जाने का फरमान सुना दिया।

नहीं चला पा रहे थे दिल्ली में स्कूल

सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान हाई कमीशन के सलमान शरीफ की ओर से 31 मार्च को एक चिट्ठी जारी की जाती है। जिसमें स्कूल के बंद किए जाने का फरमान सुनाया जाता है। सूत्रों के मुताबिक यह वही दौर था जब पाकिस्तान में महंगाई और गिरती अर्थव्यवस्था के चलते त्राहि-त्राहि मची हुई थी। आलू, प्याज, टमाटर, दूध और सब्जियों समेत रोजाना की जरूरतों की लोगों के पहुंच से बाहर हो रही थीं।

कश्मीर में किलो के हिसाब से बेचती कपड़े

कभी घर ढहा, कभी सैलाब ने किया बर्बाद, हिम्मतवाली बन दोबारा खड़ी हुई, आज बिजनेस पॉपुलर

लड़कियों से कहूंगी कि खुद में हिम्मत ले आइए। जब आप हिम्मत करेंगी तो रास्ता खुद ब खुद खुलेगा। जमाना तो औरत को नीचे घसीटने और गिरने का काम करता है। लेकिन औरत अपनी कोशिशों से ऊपर उठ सकती है।

नई दिल्ली, 27 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक जो हाथ पर हाथ धरकर बैठे रहते हैं और किस्मत को कोसते रहते हैं। दूसरे जो अपनी मेहनत से किस्मत की लकीरें ही बदलकर रख देते हैं। ऐसी ही एक कश्मीरी महिला हैं, जिन्होंने बचपन में गरीबी देखी, शादी के बाद घर से बेघर हुईं। जब कुछ करना चाहा तो ताने झेलें तो कभी झेली प्रकृति की मार। बार-बार गिरीं और हर बार हिम्मत बटोर मजबूती से उठ खड़ी हुईं।

आज के 'ये मैं हूं' में बात कश्मीर की बिजनेसवुमन अंजुम जान की, जो वहां किलो के हिसाब से कपड़े बेचती रही हैं। और आज एक सफल बिजनेसवुमन बन चुकी हैं।

बचपन में तंगी देखी तो काम करके पढ़ाई पूरी की

मेरा ताल्लुक श्रीनगर के अमदाकदल से है। बचपन बहुत गरीबी में गुजरा। हम चार भाई-बहन हैं। मेरे मम्मी-पापा दोनों दर्जी का काम करते थे। पापा कपड़ा काटते-छांटते और मां सिलाई करती। मेरे भाइयों को पढ़ने का शौक नहीं था। लेकिन मुझे पढ़ने का बहुत मन था। आठवीं तक मां ने पढ़ाया। उसके बाद मैंने खुद काम करना शुरू कर दिया और अपनी पढ़ाई का खर्च उठाया। घर में भी हाथ बटाती। मैं उन दिनों चरखे पर पश्मीना कातती। मैट्रिक के बाद मैंने टाइपिस्ट का काम शुरू किया। मैं पढ़ाई, घर का काम और प्राइवेट जॉब सब एक साथ कर रही थी। बचपन से मुझे लगता था कि मुझे कुछ अपना करना है। अंदर-बाहर सारी जिम्मेदारी संभालते हुए मेरी दिलचस्पी एक्सपोर्ट-इंपोर्ट में जगी।

प्रशासन ने घर से बेघर किया तो ननद के घर किया गुजारा

शादी के पहले मैंने कई जगह नौकरी की। एक समय इनकम टैक्स ऑफिस में बैलेंस शीट बनाने का काम भी किया। इसी से एक्सपोर्ट-इंपोर्ट की समझ बनी। शादी के बाद एक मौका ऐसा आया जब घर में पैसों की बहुत तंगी हो गई। फिर मैंने अपनी पति से कहा कि मैं अपना काम शुरू करना चाहती हूं। मैंने पश्मीना एक्सपोर्ट करने का सोचा लेकिन एक्सपोर्ट में होने वाली चुनौतियों का सोचकर कदम पीछे हटा लिया। मेरा ससुराल सफाकदल में था। 2012 में मेरे ससुर की मौत हो गई। उस वक्त हमारे इलाके में सड़क बन रही थी। मेरा घर भी सड़क के दायरे में आ गया। प्रशासन ने हमारा घर ढहा दिया और मुआवजा तीन साल बाद मिला। इस बीच हमारे हालात बेहद खराब हो गए। जो थोड़ी बहुत बचत थी वो भी खत्म हो गई। अचानक बेघर होने से हम लोग साढ़े तीन साल तक अपने दो बच्चों के साथ ननद के घर पर रहे। उस वक्त मैंने इतनी परेशानियों का सामना किया, जिसे मैं अब बयां भी नहीं कर सकती। मैंने अपने पति से कहा कि बच्चे भी बड़े हो रहे हैं और मेरी सैलरी से गुजारा नहीं हो पाता। मैं अपने बच्चों की पढ़ाई से समझौता नहीं करना चाहूंगी।

मैंने पति से बातचीत करके 10 हजार रुपए में एक दुकान किराये पर लेकर और अपना काम शुरू किया। मैंने रेडीमेड परदे मांगकर बेचने लगी। उस वक्त मार्केट में आइलेट्स वाले परदे (जिनमें टांगने के लिए सुराख बनी होती है) कम बिकते थे। मैंने इसकी जरूरत को समझते हुए भाइयों से कहकर पंजाब से माल मंगवाया। मेरे परदे खूब बिके। मेरा बिजनेस इतना अच्छा चला कि मैंने रेंट पर ही दो और दुकानें ले ली। मैंने कई लोगों को काम पर रखा। मैं परदे के साथ फैब्रिक में भी डील करने लगी। धीरे-धीरे मैं परदे से जुड़ा सारा काम खुद ही करने लगी। 2014 में मैंने होलसेल का काम शुरू कर दिया। तीन दुकान, एक फैक्ट्री और होलसेल सबकुछ अच्छा चल रहा था। तभी 2014 में श्रीनगर में सैलाब आया। मार्केट में मेरे 22 लाख रूपए डूब गए। बड़ा नुकसान हुआ लेकिन मैंने सोचा रूकना तो है नहीं और हाथ पर हाथ रखकर मैं बैठ नहीं सकती। उस वक्त मेरी सास की तबियत बहुत खराब थी। वो अपने बेटे को छोड़ती ही नहीं थीं। ऐसे में मैंने अपने पति से कहा कि मैं इतनी मजबूत हो चुकी हूं कि घर, बाहर, बच्चे सब संभाल लूं। आप बस मां का ख्याल रखो। मेरे पति श्रीनगर दूरदर्शन में बतौर प्रोड्यूसर काम करते थे। श्रीनगर दूरदर्शन की हालत भी खस्ता थी। 2011 के बाद वह चल नहीं पाया। ऐसे में मेरे पति समेत वहां के सारे लोग खाली बैठे रहते।

सैलाब आने के बाद जीरो से वापस शुरू किया बिजनेस

साल 2015 में मैंने अपने बड़े भाई से बात करके फिर से बिजनेस शुरू किया, लेकिन इस बार मैंने सिर्फ फैब्रिक का काम किया। इसी साल मेरी सास भी गुजर गई। इसके बाद मेरे पति भी इस बिजनेस से जुड़ गए। मैंने उनसे कहा कि दूरदर्शन में कोई काम नहीं हो रहा, मां भी नहीं रहीं तो अब आप एक दुकान संभालिए। मैंने जीरो से काम शुरू किया। मेरे पास जितना माल दुकानों में रखा था, उसी से मैंने तीनों दुकानों पर फिर से काम शुरू किया। मेरा बाजार लगा पैसा चाहे डूब गया लेकिन दुकानों पर रखे माल ने मुझे बेचा लिया। मैंने दुकानदारों से डील करना छोड़ा और सीधे कस्टमर से जुड़ने लगी। जिस दाम पर मैं दुकानदारों को सामान देती, उसी दाम पर अब मैं ग्राहकों को बेचने लगी। इससे मेरे काम की पॉपुलैरिटी बढ़ी। मेरे पास आज 25-30 लोगों की टीम है।

एक बार मैं मुंबई कॉटन फैब्रिक लाने गई। वहां पर जिस एरिया से मैंने माल लिया वहां कपड़ा तौलकर मिल रहा था। ये कॉन्सेप्ट मुंबई में हर मार्केट में नहीं है। कुछ ही जगह है। वहां से आने के बाद मैंने अपने भाई से इस बारे में बात की। मैंने कहा अगर ऐसे में कपड़े नहीं बिके तो मीटर के हिसाब से बेच लेंगे। हमने शॉप पर तराजू लगाया। जब मैं कपड़े तौलकर देने लगी तो ग्राहक दंग रह गए। इस तरह कस्टमर को कपड़े बहुत सस्ते में मिलने लगे। मेरे पास आज जितना भी फैब्रिक हैं सारा इम्पोर्टेड है। मैं जितना कपड़ा मीटर के हिसाब से नहीं बेचती हूं, उससे कहीं ज्यादा तौलकर बेचने लगी हूं। मेरी दुकान पर ड्रेसेज के लिए सबसे ज्यादा कपड़े बिकते हैं। हर कपड़े का अलग वजन होता है, उस हिसाब से उसके भाव होते हैं। लंहगे में ग्राहकों को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है।

कस्टमर खुश रहे इसलिए नुकसान भी उठाती हूं

मैं अपने एक-एक ग्राहक से फीडबैक लेती हूं। मैं उनसे पूछती हूं कि उन्हें कीमत ज्यादा तो नहीं लग रही, कपड़ों से कोई दिक्कत तो नहीं हुई? अगर कभी किसी कस्टमर ने कहा कि उनके कपड़े में दिक्कत हुई मैं तुरंत उससे कपड़ा वापस लेती हूं और बदले में वो जो पसंद करता है वहीं दे देती हूं। कई दफा ऐसा हुआ कि ड्रेस बनवाने के बाद कस्टमर ने कहा कि फैब्रिक में दिक्कत हुई तो मैंने वो भी वापस लिया है और बदले में मनपसंद कपड़ा दिया है। हालांकि, वो रिटर्न किया हुआ फैब्रिक मेरे किसी काम का नहीं होता है। लेकिन मुझे ग्राहक की खुशी से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। इस तरह से मेरा कस्टमर के साथ रिश्ता बन जाता है। आजतक मुझे अपना कस्टमर झूठा नहीं लगा।

एक बार की बात है मेरे एक कस्टमर ने मुझसे कॉटन का कपड़ा लिया। उन्होंने 1100 रुपए लगाकर उसकी खूबसूरत सी शर्ट बनवाई। फिर उनका मेरे पास कॉल आया कि दीदी आपसे जो कपड़ा खरीदा था वो अच्छा नहीं निकला। सिलाई के साथ ही फट गया। मैंने उससे वो शर्ट वापस ले ली। साथ ही, उस थान से जितने कस्टमर ने कपड़े लिए थे, मैंने उन्हें फोन करके कहा कि अगर आपने अब तक कपड़े नहीं बनवाए हैं तो प्लीज ना सिलाए और आकर दूसरा कपड़ा ले जाएं। जिसने सिला लिया था, उन्हें भी मैंने दूसरा कपड़ा दिया।

मेरी दुकान पर कई दफा ऐसी कस्टमर आती हैं, जो कहती हैं कि दीदी मैंने ये कुरता सिलाया और अब वो छोटा हो गया। या कभी किसी को सिर्फ बाजू की जरूरत होती है तो ऐसे में मैंने उन्हें उनकी जरूरत के हिसाब से कपड़ा दे देती हूं। मार्केट में कई दुकानदार कभी दो इंच या पांच इंच कपड़े नहीं देता। मैंने दिया है और वो भी फ्री में। मुझे नहीं लगता कि इसके पैसे कस्टमर्स से लेने चाहिए।

ऑनलाइन बिजनेस में मेरी दिलचस्पी नहीं

मेरी सफलता देखकर कई लोग सलाह देते हैं कि मुझे ऑनलाइन बिजनेस करना आना चाहिए। मैंने मीशो से ट्राई भी किया लेकिन मुझे ऑनलाइन बिजनेस जंचा नहीं। आमने-सामने मेरा जो कस्टमर के साथ रिश्ता है वो ऑनलाइन नहीं हो सकता। जब भी कस्टमर वापस आता है तो मैं उससे फीडबैक लेने के अलावा कहती हूं कि आपने पिछला जो बनवाया उसकी फोटो भी मुझे दिखाएं। वो फोटो दिखाते हैं तो मुझे खुशी होती है। मेरी चाहत है कि कश्मीर के हर जिले में मेरा एक सेंटर हो।

इसके अलावा मैं दिल्ली और बेंगलुरू तक अपना बिजनेस पहुंचाना चाहती हूं। बेंगलुरू इसलिए कि मेरी बेटी वहां शादी के बाद रहेगी। दिल्ली से मेरा खास रिश्ता है। वहां हर साल मैं ट्रीटमेंट के लिए जाती हूं शायद इस वजह से लगाव है।

दुकान शुरू करने के लिए तानों की बौछार झेली है

जब मैंने अपना बिजनेस शुरू किया तो मुझे बहुत ताने सुनने पड़े। जमाने की क्या बात करूं, मुझे तो मेरे रिश्तेदारों ने भी नहीं बख्शा। मुझे स्कूटी चलाने का शौक था। मैं 2010 में स्कूटी लेकर आई। उन दिनों कश्मीर में लड़कियां स्कूटी नहीं चलाती थीं। जब मैं स्कूटी चलाती तो मुझे कई बातें सुननी पड़ती। लेकिन मेरे ससुर ने उस वक्त कहा था कि 'आप आगे देखिए, पीछे नहीं।' मैंने भी तंग आकर कई लोगों को जवाब दिया था कि 'आज मैं चला रही हूं, कल जमाना चलाएगा।' आज कश्मीर में स्कूटी चलाती लड़कियां आम बात है। ऐसे ही जब मैंने अपना बिजनेस शुरू किया तो दुकान पर औरतों का बैठना आम बात नहीं थी। मुझे उसके लिए भी बहुत खरी-खोटी सुननी पड़ी। मेरे रिश्तेदारों ने घर आना-जाना छोड़ दिया। मेरे दोनों बच्चों को भी मेरे काम की वजह से बातें सुननी पड़ी। एक दफा मेरी बेटी ने आकर कहा कि अम्मी आप ये काम क्यों छोड़ नहीं सकती? उसकी बात सुनकर मुझे बहुत तकलीफ हुई लेकिन मैंने अपनी बेटी को उदाहरण देकर समझाया कि देखो आज ये बिजनेस हमारी जरूरत है। कोई हमसे आकर ये नहीं पूछता कि आपके बच्चों की फीस का क्या हुआ? या आपके घर में रोटी है या नहीं? कल को हमारी सारी जरूरतें पूरी हो जाएंगी। फिर मैं घर बैठे जाऊंगी। आज मेरी बेटी कहती है कि तुम्हें काम छोड़ने की जरूरत नहीं है।

200 करोड़ की लागत से जल्द बनेगा सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल

जगदलपुर, 27 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा जगदलपुर के डिमरापाल में 10 एकड़ में 200 करोड़ की लागत से सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल तैयार किया जा रहा है। इस हॉस्पिटल के खुलने से बस्तर संभाग के साथ ही ओडिसा व तेलंगाना के मरीजों को काफी फायदा पहुंचेगा। इस हॉस्पिटल को जल्द से जल्द तैयार करने के लिए 22 मई को हेल्थ कमिश्नर के द्वारा एक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें आने वाले जुलाई माह तक इसे तैयार करने के साथ ही शुरू करने की बात कही गई है।

बताया जा रहा है की इस सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के लिए सेटअप भी तैयार कर लिया गया है। जिसके लिए 277 पदों की भर्ती भी करने की बात कही गई है। एक और जहां तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की भर्ती व्यापम के द्वारा परीक्षा के माध्यम से की जाएगी तो वहीं डॉक्टरों की भर्ती भी करने की बात कही गई है।

इस हॉस्पिटल के खुलने से मरीजों को 300 किमी. का सफर तय करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि यहां सड़क हादसे में घायल होने वाले मरीजों के सिर में लगने वाली गंभीर चोट का इलाज हो सकेगा, साथ ही गुर्दा, कार्डियो, न्यूरो सर्जन के अलावा अन्य गंभीर मरीजों के उपचार के लिए डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे।

वहीं, इस हॉस्पिटल का बाहरी काम के अलावा मशीनों का आना भी शुरू हो गया है, जिसे लगाने का काम भी शुरू हो गया है। वहीं, हेल्थ कमिश्नर के द्वारा रायपुर में हुए बैठक में बिलासपुर के साथ ही जगदलपुर में बन रहे सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल को जल्द ही शुरू करने की बात कही गई है।

रमन बोले- सिद्ध हो गया 250 करोड़ का चावल घोटाला

रायपुर, 27 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों चावल घोटाला, शराब घोटाला, गोठान घोटाला और यूनीपोल घोटाला आदि पर जमकर राजनीति हो रही है। मामले में पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के पूर्व सीएम और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने चावल घोटाला को लेकर प्रदेश की भूपेश सरकार को घेरा है।

पिछले दिनों रमन सिंह ने विधानसभा में पीडीएस को लेकर भूपेश सरकार पर करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। इसके बाद खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने इसकी जांच कराने की बात कही थी।

सीएम बघेल खाद्य मंत्री का इस्तीफा लेंगे या बचाएंगे, जवाब दें: रमन सिंह

पूर्व सीएम ने कहा कि इस मामले में जांच के बाद एक बड़ा खुलासा हुआ है। अब तक 250 करोड़ रुपए का चावल घोटाला प्रमाणित हो चुका है। इस पर रमन ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 250 करोड़ का चावल घोटाला प्रमाणित होने के बाद अब खाद्य मंत्री का इस्तीफा लेंगे या अब भी उन्हें बचाने में सहयोग करेंगे। वे जवाब दें। प्रदेश की गाढ़ी कमाई लुटने वालों पर क्या कार्रवाई होती है, प्रदेश की जनता जानना चाहती है।

बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत

रांची, 27 मई (एजेंसियां)। झारखंड के विभिन्न इलाकों में बिजली गिरने से बीते दो दिनों में 12 लोगों की मौत हो गई है। धनबाद जिले के बरवद्दा इलाके में बिजली गिरने से एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई। वहीं जमशेदपुर के बाहरागोरा इलाके और गुमला जिले के चिरोदिह इलाके में भी बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। झारखंड सरकार ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए बतौर मुआवजा देने का एलान किया है।

झारखंड के इन जिलों में हुईं मौतें

झारखंड के लोहरदगा में एक व्यक्ति की बिजली गिरने से मौत हो गई। गुरुवार को भी अलग अलग घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई थी। इनमें चतरा, हजारीबाग, रांची, बोकारो और खूंटी जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। वहीं पलामू के हुसैनाबाद में दो लोगों की मौत बिजली गिरने से हुई। राज्य के एसडीआरएफ विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सभी जिलों में बिजली कड़कने से हुई मौतों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया जा सके।

टर्फ लाइन के गुजरने के चलते कड़की बिजली

बता दें कि बीते दो दिनों से झारखंड में तेज हवाएं चल रही हैं और बारिश हो रही है। इसके चलते कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए हैं। शुक्रवार को जमशेदपुर में 79 एमएम बारिश हुई। वहीं बोकारो में 52 एमएम, रांची में 5.9 एमएम बारिश हुई। रांची मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया कि उत्तरी बिहार और उत्तरी ओडिशा से और हरियाणा से सिक्किम के बीच दो टर्फ लाइनों के गुजरने से झारखंड में बिजली कड़कने की घटना हुई।

शनिवार से मौसम बेहतर हुआ है और बारिश भी कम हुई है। हालांकि पश्चिमी और केंद्रीय जगहों पर हल्की बारिश की संभावना है। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई है लेकिन 28 मई से फिर से तापमान में बढ़ोतरी शुरू हो जाएगी।

क्यों गिरती है बिजली?

आसमान में जब धनात्मक और ऋणात्मक आवेशित बादल टकराते हैं तो इससे बिजली चमकती है। इससे दोनों बादलों के बीच हवा में विद्युत प्रवाह गतिमान हो जाता है और विद्युत धारा प्रवाहित होने से रोशनी की तेज चमक पैदा होती है। जहां बादलों की श्रृंखला या ट्रफ लाइन होती है, वहां बिजली गिरने की ज्यादा आशंका होती है। बिजली कड़कने की स्थिति में खुले स्थान में ना रहें और पक्के मकान में शरण लें। लोहे के पिलर और पुल के आसपास कतई ना जाएं। ऊंची इमारतों की छत पर ना जाएं क्योंकि वहां बिजली गिरने की ज्यादा आशंका होती है। तालाब, जलाश्यों और स्वीमिंग पूल से दूरी बनाकर रखें।

नीति आयोग की बैठक में सीएम हेमंत सोरेन हुए शामिल

रांची, 27 मई (एजेंसियां)। झारखंड विगत तीन वर्षों में विकास की गति में काफी तेजी आई है। राज्य में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निवेश की असीम संभावनाएं हैं और सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री से आग्रह है कि को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म के

सिद्धान्तों को धरातल पर उतारते हुए झारखंड को उचित सहयोग प्रदान किया जाय, जिससे विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में राज्य भी अपनी भागीदारी दर्ज करा सके। ये बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद् की 8वीं बैठक में कहा।

शराब घोटाले के तार झारखंड से जुड़े झारखंड में भी करोड़ों का हुआ है शराब घोटाला?

रांची, 27 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में करोड़ों का शराब घोटाला हुआ है। अब झारखंड में शराब घोटाले का सिरा तलाश किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो ईडी अब झारखंड में शराब घोटाले की जांच करने की तैयारी में है। उसने कई अहम सबूत इकट्ठा कर लिए हैं और जल्द ही झारखंड में शराब घोटाले से बड़ा पर्दा हट सकता है।

छत्तीसगढ़ शराब कंसलटेंट, सप्लायरों और झारखंड के उत्पाद विभाग ने झारखंड के सरकारी राजस्व को 450 करोड़ रुपए से अधिक का उत्पाद राजस्व का घाटा कराया है। विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने कई मौकों पर हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए यह आरोप लगा चुके हैं। झारखंड में बड़े पैमाने पर शराब घोटाला हुआ है, सच क्या है अब इसकी जांच होने की संभावना है। झारखंड में नयी शराब नीति का सलाहकार अरुण पति त्रिपाठी ही छत्तीसगढ़

शराब घोटाले का सरगना है। उस पर आरोप है कि वह केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ की राज्य की सहमति के बिना ही झारखंड में सलाहकार बना था। नियमानुसार झारखंड में सलाहकार बनने के लिए उसे अपने मूल विभाग व छत्तीसगढ़ सरकार से अनुमति लेना आवश्यक था। उस पर छत्तीसगढ़ में कई गंभीर आरोप लगे हैं जिसमें एक फर्जी कंपनी बनाकर छत्तीसगढ़ में होलोग्राम छापने का आरोप भी है। जिन तीन कंपनियों को छत्तीसगढ़ में शराब घोटाला केस में नाम सामने आ रहा है। झारखंड की शराब नीति में भी उनका सीधा हस्तक्षेप है।

झारखंड सरकार ने छत्तीसगढ़ की शराब नीति को झारखंड में लागू किया था ऐसे में सवाल है कि जब वहां बड़ा घोटाला सामने आ गया है तो जांच झारखंड में भी संभव है। अरुण पति त्रिपाठी इस वक्त ईडी की हिरासत में हैं और उनसे सघन पूछताछ की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि झारखंड में शराब घोटाला का बड़ा राज भी उनसे जुड़ा है। शराब बिक्री को लेकर कमीशन का भी गंभीर आरोप लगा है जिसमें लगभग 20 करोड़ रुपए वसूलने की बात सामने आयी है।

फ्लिपकार्ट से डिलीवरी देने सामान मंगाया और 45 लाख ठगे

भिलाई, 27 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में ठगी का अनोखा मामला आया है। यहां एक कूरियर कंपनी से जुड़े लड़कों ने फ्लिपकार्ट से 45 लाख रुपए के मोबाइल, घड़ी, कैमरा और लैपटॉप मंगा लिए। उसके बाद उसकी डिलीवरी लेकर सारा सामान गाड़ी में भरकर फरार हो गए।

डिलीवरी के बाद जब कूरियर कंपनी में पैसा नहीं पहुंचा तो संचालक ने इसकी शिकायत धमधा थाने में की। पुलिस ने अपराध दर्ज करने के 72 घंटे के अंदर 95 प्रतिशत माल बरामद कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक लड़की भी शामिल है। एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मामले की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत एक स्पेशल टीम बनाई। जांच में पता चला कि जामुल थाना क्षेत्र निवासी अमर मंडल ने अपने दोस्त अरविंद के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है।

नयी संसद को लेकर झारखंड में भी चढ़ा राजनीतिक पारा

रांची, 27 मई (एजेंसियां)। नये संसद भवन के उद्घाटन को लेकर झारखंड में भी राजनीति तेज है। नये संसद भवन के उद्घाटन का विरोध कर रहे विपक्ष में कांग्रेस के साथ- साथ झारखंड मुक्ति मोरचा भी शामिल है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार राष्ट्रपति का अपमान कर रही है। झारखंड में भी इसे लेकर राजनीतिक पारा चढ़ रहा है। इस हवा दी है भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने।

बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट करते हुए लिखा विपक्षियों का पाखंड देखिए। एक आदिवासी समाज की बेटी को देश के सर्वोच्च पर बिठाने की बात आई, तो इन्होंने सामूहिक रूप से विरोध किया। यहां तक कि अपना उम्मीदवार खड़ा किया (यशवंत सिन्हा जी) ताकि एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति भवन में जाने से रोका जा सके। आज विपक्ष राष्ट्रपति जी के तथाकथित अपमान की बात कहकर नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम का बहिष्कार कर रहा है। सोचिए, कितने निकृष्ट

बाबूलाल के ट्वीट पर झामुमो का पलटवार कहा, उन्हें आराम की जरूरत, आजसू ने कहा, बेवजह का विवाद छवि खराब करता है

और पाखंडी हैं ये लोग। इन्हीं लोगों के लिए प्रेमचंद जी कह गए हैं। विचार और व्यवहार में सामंजस्य न होना ही धूर्तता है, मक्कारी है। बाबूलाल मरांडी के इस ट्वीट पर झारखंड मुक्ति मोरचा के केंद्रीय महासचिव सुप्रीयो भट्टाचार्य ने कहा, बाबूलाल मरांडी जी को याद नहीं है कि झामुमो ने किसका समर्थन किया था। उन्हें आराम की जरूरत है। संसद भवन के उद्घाटन को लेकर हमारा मत एक ही है। हम इसे लेकर आगे भी आवाज उठाते रहेंगे। झारखंड की आजसू पार्टी संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल हो रही है। आजसू के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत ने कहा, हमारे नेता कार्यक्रम में शामिल होंगे। सांसद चदप्रकाश चौधरी जा रहे हैं, संसद भवन पूरे देश को गौरवान्वित करने वाली सर्वोच्च संस्था है। यह लोकतंत्र का मंदिर है। इसे लेकर बेवजह का विवाद हमारी प्रतिष्ठा को कम कर सकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी गरिमा को खतरा हो सकता है।

आपसी रंजिश में युवक की हत्या

मुंगेली, 27 मई (एजेंसियां)। मुंगेली जिले में पुरानी रंजिश को लेकर कराए गए सुपारी किलिंग का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से हत्या में इस्तेमाल हथियार भी बरामद किया गया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 21 मई की शाम लगभग 7 बजे सिटी कोतवाली पुलिस मुंगेली को पता चला कि ग्राम देवरी के खेतों के बीच नहर किनारे एक लाश मिली है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की और लाश का पोस्टमॉर्टम कराकर जिला अस्पताल के मरच्यूरी में रखवा दिया।

नासा का मंगल पर रहने वाला घर तैयार

इसमें एक साल बिताएगी ये कनाडाई महिला

वाशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। अगर सब कुछ सही रहा तो अगले सात साल यानी 2030 तक वहां पर इंसानों को भेजा जाएगा। मंगल ग्रह पर इंसान कैसे रह पाएंगे, इसी को लेकर एक ट्रायल शुरू किया जा रहा है। इसके लिए नासा ने चार लोगों को चुना है, जिसमें कनाडाई जीवविज्ञानी केली हेस्टन भी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में एक घर तैयार किया गया है। इसमें चार लोगों के रहने की व्यवस्था है। इस घर को मंगल ग्रह के हालात जैसा बनाया गया है। केली जल्द ही इस घर में रहने वाली हैं। वे यहां पर ट्रेनिंग लेंगी और करीब एक साल तक इसमें रहेंगी। इस दौरान वो ना बाहर आ पाएंगी और ना ही कोई उस घर में जा पाएगा।

केली हेस्टन ने अपने अनुभव पर बात करते हुए कहा कि मैंने

कभी बचपन से लेकर आजतक मंगल पर जाने का सपना नहीं देखा था। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ये झूठ लगता है, लेकिन जब मैं इसके बारे में सोचती हूं तो मुझे हंसी आती है। उन्होंने आगे कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं और चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार हूं।

रिपोर्ट के अनुसार, जून के अंत में चारों शोधकर्ता उसके अंदर जाएंगे और करीब 12 महीने तक वहां रहेंगे। घर के अंदर का माहौल एकदम मंगल की तरह है। वहां पर मिट्टी भी लाल रंग की रखी गई है। इसके अलावा अगर वो कंट्रोल सेंटर से संपर्क करते हैं, तो उनका मैसेज मिलने में 20 मिनट का समय लगेगा। इसके बाद कंट्रोल सेंटर का मैसेज उन तक पहुंचने में 20 मिनट लगेगा। वास्तव में मंगल से सिग्नल भेजने पर भी इतना वक्त लगता है।

ये घर 3डी प्रिंटेड है और 160 वर्ग मीटर में फैला है। इसका नाम मार्स ड्यून अल्फा रखा गया है। वहां पर चार बेडरूम हैं। इसके अलावा जिम, किचन, रिसर्च सेंटर बनाया गया है। इस घर को एयरलॉक द्वारा अलग किया गया। वहां पर चारों मार्स वॉक की भी प्रैक्टिस करेंगे।

इस घर में एक साल तक मंगल पर रहने, खाने, आपात स्थिति से निपटने आदि की प्रैक्टिस की जाएगी। चारों शोधकर्ता परिवार से भी दूर रहेंगे। वो सिर्फ मेल के जरिए बात कर पाएंगे। कभी-कभी वो वीडियो मैसेज भेज सकते हैं, लेकिन उनकी बात लाइव नहीं होगी। उसमें 20 मिनट का अंतर रहेगा। ऐसे में उनको पूरी तरह से महसूस होगा कि वे लोग मंगल ग्रह पर रह रहे हैं।

हेस्टन ने बताया कि घर के अंदर जाते ही बहुत आश्चर्यजनक महसूस होता है। यह बहुत बड़ा है। इसमें एक बाहरी क्षेत्र भी दिया है, जिसमें स्पेसवॉक कर सकते हैं।

जंग का खर्चा निकालने रूस बेचेगा जेलेंस्की का पेंटहाउस

रूसी नेता बोले- ये हमारी संपत्ति, इससे दुश्मनों को फायदा नहीं होने देंगे

क्रीमिया, 27 मई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग पिछले 15 महीनों से जारी है। इस बीच रूस ने जेलेंस्की का हॉलिडे पेंटहाउस बेचने का फैसला किया है। उसने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के इस घर के साथ ही 57 प्रॉपर्टीज को सरकारी संपत्ति घोषित कर दिया है। जेलेंस्की का ये घर उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का के नाम पर है। ये क्रीमिया में ब्लैक सी के तट पर बना हुआ है।

क्रीमिया के स्पीकर व्लादिमीर कॉन्सटैंटिनोव ने कहा- हम इस घर को बेचने की सूचना जारी करेंगे। इससे मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल यूक्रेन में चल रहे स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन और जंग में मारे गए सैनिकों के परिवारों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। जेलेंस्की का पेंटहाउस बेचने पर रूसी नेता ने कहा कि क्रीमिया रूस का हिस्सा है। हम यहां की संपत्ति से रूस के दुश्मनों को मुनाफा नहीं होने देंगे। रूस जंग के दौरान अपनी मिलिट्री पर

7 लाख करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च कर चुका है।

जेलेंस्की की पत्नी ने 2013 में खरीदा था पेंटहाउस, अब इसकी कीमत साढ़े 6 करोड़

राष्ट्रपति जेलेंस्की की पत्नी ओलेना जेलेंस्का ने 2013 में क्रिमिया के लिवादिया शहर में 3 कमरे का एक पेंटहाउस खरीदा था। तब इसकी कीमत करीब 1 करोड़ 35 लाख रुपए थी। इसके ठीक एक साल बाद 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था।

जेलेंस्का कभी भी इस घर का इस्तेमाल नहीं कर पाईं क्योंकि इसमें अभी रेनोवेशन का काम बचा हुआ था। रूसी स्टेट मीडिया ने अब इस घर की कीमत करीब साढ़े 6 करोड़ रुपए बताई है।

क्रीमिया में 65% लोग रूसी मूल के जबकि 15% लोग यूक्रेनी

यूक्रेन साल 1991 में आजाद हुआ था। क्रीमिया हमेशा से यूक्रेन का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक सोवियत नेता ने तोहफे के तौर पर इसे यूक्रेन को सौंपा था। क्रीमिया में 65 प्रतिशत लोग रूसी मूल के हैं, जबकि 15 फीसदी यूक्रेनी मूल के लोगों की है। साल 2010 में यूक्रेन ने रूस के साथ समझौता किया, जिसके तहत रूसी सेना के बेड़े को 25 साल तक क्रीमिया में रहने की इजाजत दी गई। इसके बदले रूस ने गैस की कीमतें 30 फीसदी कम कर दीं।

रूस ने 2014 में किया था क्रीमिया पर कब्जा

मार्च 2014 में क्रीमिया में रूसी शासन के पक्ष में 96 प्रतिशत मतदान हुआ था। यूक्रेन छोड़कर रूस का हिस्सा बनने के लिए क्रीमिया में जनमत संग्रह की तैयारी के साथ यूक्रेन में शीतयुद्ध जैसा सुरक्षा संकट बढ़ गया है। इसके तुरंत बाद रूसी सेना और रूस समर्थक हथियारबंद फौज ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया।

सूडान सिविल वॉर से रुक सकती है सॉफ्ट ड्रिंक्स सप्लाई

खार्तूम, 27 मई (एजेंसियां)। 15 अप्रैल से शुरू हुए सूडान के सिविल वॉर का असर बहुत जल्द सॉफ्ट ड्रिंक इंडस्ट्री समेत कई बड़ी मैन्युफेक्चरिंग यूनिट्स पर पड़ सकता है। इसकी वजह एक खास तरह की गोंद या गम है। इसे एकेसिया गम कहा जाता है।

कोक और पेप्सी जैसे सॉफ्ट ड्रिंक्स मेकर ने साफ कर दिया है कि अगर यह जंग नहीं रुकी तो 3 से 6 महीने में सप्लाई बंद हो सकती है। इसके अलावा ड्रग इंडस्ट्री पर भी इसका असर पड़ सकता है। दुनिया में इस्तेमाल होने वाला कुल अरेबिक गोंद का 66% सूडान में ही पैदा होता है।

जंग का असर इन चीजों पर

'अरब न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक- कोक और पेप्सी जैसे मल्टीनेशनल ब्रांड्स में सूडान और अफ्रीका के इस हिस्से में आने वाले कुछ देशों का गोंद इस्तेमाल होता है। अगर जंग इसी रफ्तार से जारी रहती है तो इसका असर इन ब्रांड्स की सप्लाई पर पड़ना तय है। इस गम का इस्तेमाल सॉफ्ट ड्रिंक के फ्लेवर को बनाए रखने में होता है। इसके

अलावा सॉफ्ट ड्रिंक्स के कलर और हर सिप के टेस्ट को बनाए रखने में भी इसका अहम रोल होता है। च्यूइंग गम और सॉफ्ट कैंडी में यही गोंद इस्तेमाल किया जाता है।

इसके अलावा वॉटरकलर पेंट्स, टाइल्स की शाइनिंग, प्रिंट मेकिंग, ग्लूज, कॉस्मेटिक्स, फार्मास्युटिकल्स, वाइन, शू पॉलिश क्रीम और कुछ रोजमर्रा के प्रोडक्ट्स में भी यही गम काम आता है।

सूडान की जीडीपी का 70% इसी गम या गोंद से आता है। इससे भी बड़ी बात यह है कि यूएन की एक स्पेशल एक्सपर्ट टीम इस गोंद की पैदावार बढ़ाने के लिए कई साल से काम कर रही है। इतना ही नहीं इससे 20% के करीब प्रोडक्शन बढ़ा भी है।

अमेरिका के डिफॉल्ट होने की तारीख 5 जून तक बढ़ी

6 साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंचा सरकारी खजाना, बाइडेन बोले- जल्द होगी डील

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में कर्ज की सीमा बढ़ाने पर सरकार और विपक्षी पार्टी के बीच कोई डील फाइनल नहीं हो पा रही है। इस बीच ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट एल येलेन ने कहा है कि अमेरिका 5 जून तक दिवालिया हो सकता है। यानी सरकार के पास केवल 5 जून तक देश को चलाने का पैसा बचा है। पहले ये तारीख 1 जून बताई गई थी।

वहीं, अमेरिका का सरकारी खजाना पिछले 6 सालों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका है। गुरुवार को अमेरिकी ट्रेजरी का कैश बैलेंस 3 लाख करोड़ रुपए हो गया जो मंगलवार को 4 लाख करोड़ रुपए था।

तेजी से बंद हो रहे डिफॉल्ट होने से बचने के दूसरे रास्ते

अमेरिका को डिफॉल्ट होने से बचाने का एकमात्र उपाय विपक्ष को साथ लेकर सरकार के कर्ज लेने की सीमा को बढ़ाना है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार शाम को कहा, 'मुझे पूरी उम्मीद है कि हालात बेहतर होंगे। आज रात तक डील फाइनल हो जाएगी।'

वहीं, सरकार के पास डील के अलावा देश को डिफॉल्ट होने से बचाने के दूसरे रास्ते बंद होते जा रहे हैं। सरकार के पास इमरजेंसी के हालातों में इस्तेमाल होने वाला पैसा जो कभी 335 बिलियन डॉलर यानी 27 लाख करोड़ हुआ करता था, अब घटकर केवल 67 बिलियन डॉलर यानी 5 लाख करोड़ रुपए रह गया है।

व्हाइट हाउस में हो रही मैराथन मीटिंग

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को दिवालिया होने से बचाने के लिए सरकार और विपक्षी पार्टी के नेताओं के बीच व्हाइट हाउस में एक के बाद एक मैराथन मीटिंग हो रही हैं। बाइडेन देर रात तक व्हाइट हाउस के वेस्ट विंग में अपने सलाहकारों से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि इसके बावजूद अब तक कोई डील नहीं पाई है। शुक्रवार को रिपब्लिकन पार्टी के रिप्रजेंटेटिव पैट्रिक टी मैक हेनरी ने कहा- एक के बाद एक रात हम यहां जुटते हैं, हर कोई बातचीत की डिटेल चाह रहा है।

उन्होंने कहा सब लोग एक

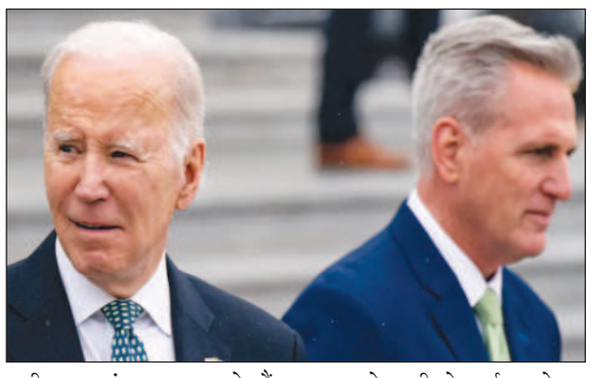

ट्वीट का इंतजार कर रहे हैं। जबकि मैं एक ऐसा एग्रीमेंट चाहता हूं जो इस देश को नई दिशा दे सके। दरअसल, पैट्रिक अमेरिका की निचली सदन के स्पीकर केविन मैकार्थी के साथ मिलकर डील फाइनल करने का काम कर रहे हैं।

बाइडेन के एजेंडा में 14% की कटौती चाहते हैं रिपब्लिकन

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बाइडेन की पार्टी के सांसदों की संख्या कम है। ऐसे में विपक्षी दलों को बाइडेन मना रहे हैं। ट्रंप की पार्टी के सांसदों की मांग है कि बाइडेन सरकार खर्च कम करे। तभी वो कर्ज बढ़ाने का समर्थन देंगे। अप्रैल में रिपब्लिकन पार्टी ने एक बिल पास किया था जिसमें ये प्रस्ताव रखा गया था कि अगर बाइडेन अपने हेल्थ, क्लाइमेट चेंज और सोशल प्रोग्राम जैसी योजनाओं में 14% की कटौती करने को तैयार हैं तो वो कर्ज की सीमा को बढ़ा देंगे।

हालांकि, बाइडेन ये प्रस्ताव मानने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। अगले साल अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में ये बजट घाटे पर विवाद बाइडेन की पार्टी को नुकसान पहुंचा सकता है। रिपब्लिकन लगातार अर्थव्यवस्था पर डेमोक्रेट्स को घेर रहे हैं।

सरकार को 726 बिलियन डॉलर का उधार चाहिए

दरअसल, अमेरिका में सरकार के कर्ज की एक सीमा तय होती है। वो देश चलाने के लिए उससे ज्यादा उधार नहीं ले सकती है। बीते सालों में सरकार को कैशलेस होने से बचाने के लिए ये सीमा कई बार बढ़ी है।

अमेरिका की ओर से इस तिमाही में 726 बिलियन डॉलर की राशि उधार लेने का लक्ष्य रखा गया है। यह जनवरी में पेश किए गए अनुमान से 449 बिलियन डॉलर अधिक है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका का बजट घाटा बहुत ज्यादा है। इसका मतलब ये हुआ कि सरकार का खर्च उसकी कमाई से कहीं ज्यादा है। इसके चलते उसे अपने कामकाज के लिए कर्ज लेना पड़ता है। अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक मार्च 2023 में वहां की सरकार का बजट घाटा 30 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया था।

40 मगरमच्छों के बाड़े में गिरा व्यक्ति मिली दर्दनाक मौत

नामपेन्ह, 27 मई (एजेंसियां)। कंबोडिया में एक दर्दनाक मामले सामने आया है। दरअसल कंबोडिया में एक व्यक्ति मगरमच्छों के बाड़े में गिर गया, जिसके बाद सारे मगरमच्छ उस पर टूट पड़े और उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। बताया जा रहा है कि व्यक्ति एक लकड़ी के सहारे एक मगरमच्छ को पीछे हटा रहा था लेकिन अचानक से मगरमच्छों के बाड़े में गिर गया, जिसके बाद उसे दर्दनाक मौत मिली। घटना कंबोडिया के सिएम रीप शहर की है। 72 वर्षीय लुआन नाम के व्यक्ति का मगरमच्छों का एक फार्म है, बड़ी संख्या में मगरमच्छ हैं। मगरमच्छ ने अंडे दिए थे और लुआन नाम उस मगरमच्छ को एक छड़ी से हटाने का प्रयास कर रहे थे, इसी दौरान मगरमच्छ ने लुआन की छड़ी को मुंह में दबोचकर ऐसा झटका दिया कि लुआन अनियंत्रित होकर मगरमच्छों के बाड़े में ही गिर गए।

अमेरिका में दिवाली पर हो सकती है सरकारी छुट्टी

संसद में बिल पेश, व्हाइट हाउस में 14 साल पहले ओबामा ने की थी दिवाली मनाने की शुरुआत

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के 44 लाख भारतवंशियों को दिवाली पर छुट्टी मिल सकती है। निचले संदन की सांसद ग्रेस मेंग ने दिवाली को सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने संसद में एक बिल भी पेश किया है। उन्होंने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'दिवाली दुनियाभर के करोड़ों लोगों के साथ-साथ क्वींस, न्यूयॉर्क और अमेरिका में लाखों परिवारों के लिए साल के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है। इसलिए इस दिन अवकाश घोषित किया जाना चाहिए।' व्हाइट हाउस में 14 साल पहले 2009 में तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने दिवाली मनाने की शुरुआत की थी। तब से हर साल व्हाइट हाउस में दीपों का पर्व मनाया जाता है।

मेंग की दलील- अलग-अलग संस्कृति के लोग हमारी ताकत

मेंग ने कहा- अमेरिका में कई समुदाय और संस्कृति के लोग रहते हैं। यही लोग हमारे देश की ताकत हैं। दिवाली पर छुट्टी

घोषित करना इस बात का सबूत होगा कि अमेरिका में सभी समुदाय के लोगों को एक बराबर माना जाता है। साथ ही इससे अमेरिकियों को इस त्योहार के बारे में जानने का मौका मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही ये बिल पारित होगा।

न्यूयॉर्क में भी 'दिवाली डे ऐक्ट' बिल का स्वागत

अमेरिका के निचले सदन में पेश किए गए बिल को 'दिवाली डे ऐक्ट' नाम दिया गया है। कांग्रेस से पास होने के बाद ये बिल राष्ट्रपति के पास साइन होने जाएगा। अगर ऐसा हो जाता है तो दिवाली को अमेरिका में 12वीं सरकारी छुट्टी घोषित किया जाएगा। इस बिल का स्वागत करते हुए न्यूयॉर्क विधानसभा की सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा- इस साल, हमने देखा कि हमारा पूरा राज्य दीवाली और दक्षिण एशियाई समुदाय को मान्यता देने के समर्थन में है। मेंग दिवाली को सरकारी छुट्टी बनाने की मुहिम को राष्ट्रीय स्तर पर लेकर जा रही हैं।

रूसी जासूस के कॉन्टैक्ट में थी बिल गेट्स की एक्स-गर्लफ्रैंड

मास्को, 27 मई (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के फाउंडर बिल गेट्स की एक्स-गर्लफ्रैंड मिला एंटोनोवा क्रेमलिन की एक जासूस के कॉन्टैक्ट में थी। बिल गेट्स ने 2009-10 के बीच 20 साल की इस रूसी ब्रिज प्लेयर को डेट किया था। इसका खुलासा डेलीमेल ने अपनी रिपोर्ट में किया है। ये बात तब सामने आई जब 2 दिन पहले वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में बताया गया कि नाबालिगों से रेप के दोषी अमेरिकन अरबपति जेफरी एपस्टीन ने बिल गेट्स को उनकी रूसी गर्लफ्रैंड की वजह से ब्लैकमेल किया था। रिपोर्ट के मुताबिक एपस्टीन चाहता था कि बिल गेट्स उसकी चैरिटी को सपोर्ट करें। जबकि, बिल गेट्स ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद एपस्टीन ने उन्हें धमकी दी। उसने बिल गेट्स को मेल कर कहा कि अगर वो चैरिटी को सपोर्ट नहीं करेंगे तो रूसी महिला से उनके रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

रूसी जासूस एना चैपमैन के साथ गेट्स की एक्स गर्लफ्रैंड की फोटो से खुलासा

डेली मेल ने एक फोटो जारी की है जिसमें गेट्स की एक्स गर्लफ्रैंड मिला एंटोनोवा रूसी जासूस एना चैपमैन के साथ दिख रही है। दरअसल, एना चैपमैन को 2010 में जासूसी के आरोप में न्यूयॉर्क में गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं, मिला के साथ उसका फोटो भी 2009 और 2010 के बीच बताया जा रहा है। ये वही वक्त था जब बिल गेट्स रूसी ब्रिज प्लेयर मिला एंटोनोवा को डेट कर रहे थे। 2013 में मिला एंटोनोवा की मुलाकात एपस्टीन से होती है। वो उसे सॉफ्टवेयर कोडिंग स्कूल अटैंड करने के लिए पैसे देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक तभी एपस्टीन को मिला एंटोनोवा और बिल गेट्स के रिश्ते के बारे में पता चलता है। इसके बाद 2017 में एपस्टीन मेल के जरिए बिल गेट्स को मिला के साथ रहे उनके रिश्ते को उजागर करने की धमकी देता है।

भारत को मिल सकता है 'नाटो प्लस' का दर्जा

अमेरिकी कांग्रेस कमेटी की सिफारिश, चीन की घेराबंदी के लिए बताया जरूरी

वॉशिंगटन, 27 मई (एजेंसियां)। ताइवान में चीन की दबंगई पर लगाम कसने और उसकी घेराबंदी के लिए अमेरिका अब भारत को मजबूत साझेदार के रूप में देख रहा है। अमेरिकी कांग्रेस की सेलेक्ट कमेटी ने भारत को 'नाटो प्लस' का दर्जा देने की सिफारिश की है। नाटो प्लस में अभी पांच देश हैं, कमेटी की सिफारिश मंजूर हुई तो भारत इसका छठा सदस्य बन जाएगा।

कमेटी का मानना है कि चीन ताइवान पर हमला करता है तो सामरिक तौर पर कड़ा जवाब देने के साथ-साथ क्वॉड को भी अपनी भूमिका बढ़ानी होगी। क्वॉड चार देशों का सहयोगी संगठन है जिसमें भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान हैं। चीन से मुकाबले के लिए अमेरिका को जी-7 के देशों के साथ भी सहयोग को और मजबूत करना होगा।

जनवरी में गठित कमेटी ने ताइवान पर अपनी पहली रिपोर्ट और सिफारिशें जारी की हैं। कमेटी की सिफारिशों की टाइमिंग अहम

है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 21 जून से अमेरिका की यात्रा प्रस्तावित है।

भारत को मिलेगी बेहतर डिफेंस टेक्नोलॉजी

'नाटो प्लस' देशों को अमेरिकी डिफेंस इंडस्ट्री और टेक्नोलॉजी की बेहतर उपलब्धता मिलती है। 'नाटो प्लस' में आने से भारत को भी चुनिंदा देशों के जैसे बेहतर अमेरिकी डिफेंस टेक्नोलॉजी मिल सकेगी। फिलहाल अमेरिका-भारत में कोई डिफेंस समझौता या डील नहीं है। लेकिन अमेरिका ने भारत को अहम डिफेंस पार्टनर (एमडीपी) का दर्जा दिया हुआ है। इससे भारत को संवेदनशील तकनीक का निर्यात हो रहा है।

कमेटी की सिफारिश के बाद भारत को 'नाटो प्लस' का दर्जा देने के लिए पहली कड़ी के रूप में डिफेंस एक्ट में शामिल कर आधिकारिक रूप से कानून बनाना होगा। फिर सीनेट और अंतिम मंजूरी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से जारी की जाएगी।

मजबूत पक्षः बाइडेन भारत के पक्ष में हैं। चीन के साथ हालिया विवादों के चलते एशिया में वे भारत के साथ और मजबूत रिश्ते चाहते हैं। जनरल माइक मिनेहन भी भारत से सहयोग के पक्षधर हैं।

अराजकता की तरफ बढ़ रहा है पाकिस्तान

गहराती जा रही हैं आशंकाएं

इस्लामाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने चेतावनी दी है कि 'इस समय जो हो रहा है, वह देश के लिए अच्छा नहीं है।' उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ चलाए जा रहे दमन के कारण पार्टी से इस्तीफों का सिलसिला जारी है। इससे दबाव में आए इमरान खान ने शुक्रवार को यू-ट्यूब स्ट्रीमिंग के जरिए देश को संबोधित किया। इसमें उन्होंने चेतावनी दी कि देश अराजकता की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार को सलाह दी कि वह तुरंत बातचीत शुरू कर मसले का हल निकाले। पाकिस्तान के हालात से वाकिफ विश्लेषकों ने इमरान खान की इस आशंका से सहमति जताई है कि पाकिस्तान के हालात बहुत खराब हैं और ये रोज बदतर होते जा रहे हैं। उनके मुताबिक जिस समय देश गहरे आर्थिक संकट में है, उस समय राजनीतिक अशांति का दौर शुरू हो जाने से देश के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है।

नौ मई के बाद से इमरान खान के हजारों समर्थकों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अब इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बेगम के देश से बाहर जाने पर रोक लगा दी गई है। इस बीच सरकारी दमन से परेशान अनगिनत नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनमें बड़ी संख्या ऐसी है, जिन्होंने राजनीति से ही संन्यास लेने की घोषणा की है। नौ मई को इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। उस दौरान खासकर सेना के ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई बड़े नेताओं के अलावा मध्य स्तर के दर्जनों नेता भी पीटीआई से अपने को अलग कर चुके हैं। यू-ट्यूब स्ट्रीमिंग में इमरान खान ने आरोप लगाया कि इन लोगों पर पीटीआई छोड़ने का दबाव डाला गया, ताकि पार्टी को खत्म किया जा सके।

मरियम नवाज ने पीटीआई प्रमुख पर साधा निशाना

कहा- क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान का खेल खत्म

इस्लामाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान हिंसा के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं। एक-एक कर उनकी पार्टी के दिग्गज नेता उनसे किनारा कर रहे हैं। इस बीच, पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने इमरान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता लगातार पीटीआई से अपना नाता तोड़ रहे हैं। इससे साफ है कि क्रिकेटर से नेता बने

इमरान खान का खेल खत्म हो गया है। 26 मई को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए नवाज ने इमरान खान पर तीखी टिप्पणियों की बौछार की। उन्होंने इस दौरान 9 मई को हुई घटनाओं के बारे में भी बात की।

बता दें, 9 मई के दिन दिन पीटीआई प्रमुख इमरान को गिरफ्तार किया गया था, जिसके कारण देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। पीटीआई नेताओं के एक साथ पार्टी छोड़े जाने पर तंज कसते हुए मरियम ने कहा कि पार्टी छोड़ने वालों के सवाल थे।

हाईकमान ने बनाया सुलह का फार्मूला

सचिन पायलट को फिर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद ऑफर

गहलोत हुए नाराज

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में सीएम गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच सुलह का फार्मूला तैयार करने में कांग्रेस पार्टी जुटी है। इसमें सचिन पायलट को फिर से प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाने का ऑफर है, लेकिन सूत्र बताते हैं इससे सीएम गहलोत नाराज और चिंतित हैं। इसलिए 26 मई को होने वाली बैठक टाल दी गई थी। हाईकमान गहलोत और पायलट दोनों को विश्वास में लेकर फिर से बैठक की नई तारीख तय करेगी।

सचिन पायलट को विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का पद, पायलट के विधायकों को पहले से ज्यादा संख्या में मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। दो डिप्टी सीएम बनाने, जिनमें से एक डिप्टी सीएम पायलट ग्रुप से, दूसरा गहलोत ग्रुप से, इसी तरह दो कार्यकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने, जिनमें दोनों ग्रुप से एक-एक नेता को जगह देने और सचिन पायलट की तीन मांगों में से दो मांगें पूरी तरह मानने और तीसरी पर आंशिक सहमति फार्मूले के तहत बनती नजर आ रही है। इनमें पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के कार्यकाल में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के लिए उच्च स्तरीय कमेटी बनाने, आरपीएससी की जगह नई संस्था के पुनर्गठन को लेकर प्रस्ताव तैयार करने, भर्ती परीक्षा पेपर लीक से प्रभावित अभ्यर्थियों को राहत देने के बिंदु शामिल हैं।

गहलोत फॉर्मूले से नाराज और चिंतित, पायलट को फिर से कर चुके टारगेट

कांग्रेस हाईकमान के इस फार्मूले से सीएम अशोक गहलोत बेहद नाराज और चिंतित हैं।

गहलोत ने विपक्ष के बहाने सचिन पायलट के खिलाफ सार्वजनिक रूप से एक बयान देकर अपनी भावनाओं का इजहार भी कर दिया है। राजस्थान रोडवेज के जयपुर में सिंधी कैंप बस टर्मिनल लोकार्पण कार्यक्रम में गहलोत ने 25 मई को कहा था कि विपक्ष के लोग पेपर लीक से प्रभावित सभी अभ्यर्थियों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। ऐसा दुनिया के इतिहास में कभी नहीं हुआ। गुजरात और यूपी में भी 15 से 22 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। अभ्यर्थियों को मुआवजा देने की मांग करना बुद्धि का दिवालियापन नहीं तो और क्या है? यानी गहलोत का संकेत साफ है कि वह पायलट की मांगों को पूरी तरह गैर वाजिब मानते हैं। जो फार्मूला कांग्रेस हाईकमान दे रहा है वह सीएम अशोक गहलोत के गले नहीं उतर रहा है, क्योंकि गहलोत पायलट पर बीजेपी से मिलीभगत के आरोप लगा चुके हैं। राजस्थान की पब्लिक में यह नैरेटिव सीएम गहलोत सेट करने की कोशिश कर चुके हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सियासी संकट के दौरान सचिन पायलट और उनके खेमे के विधायकों ने करोड़ों रुपया लिया है।

गहलोत तो पायलट खेमे के विधायकों को वह पैसा लौटाने तक की बात सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और धर्मेंद्र प्रधान को भी गहलोत इस मामले में टारगेट कर चुके हैं। गहलोत खेमे के विधायक गजेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ एक शब्द नहीं बोलने और संजीवनी घोटाले में गजेंद्र सिंह पर आरोप नहीं लगाने के सचिन पायलट के स्टैंड को भी टारगेट कर चुके हैं। कांग्रेस हाईकमान को डर, कहीं फिर से इस्तीफे न हो जाएं?

कांग्रेस हाईकमान को चिंता यह है कि 25 सितंबर 2022 को जिस तरह से विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर एक पैरेलल बैठक बुलाकर गहलोत खेमे के विधायकों ने सामूहिक इस्तीफे विधानसभा अध्यक्ष को दे दिए थे। अब पायलट को पीसीसी चीफ बनाया जाता है, तो विधानसभा चुनाव में टिकट बांटने के काफी अधिकार उनके पास आ जाएंगे। ऐसे में गहलोत खेमे के विधायकों के टिकट पायलट कटवा सकते सकते हैं। इसलिए सीएम खेमे के विधायक कहीं फिर से अपने इस्तीफे ना दे दें। ऐसा हुआ तो सरकार कार्यकाल पूरा नहीं कर सकेगी और जल्द चुनाव की नौबत आ जाएगी।

सचिन पायलट दिल्ली में, पूरे खेमे ने साधी चुप्पी

दूसरी और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पिछले कई दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। पैरेट समर्थित कई विधायक भी दिल्ली में उनके साथ हैं। जो लगातार आगामी रणनीति को लेकर राय मशविरा कर रहे हैं। सूत्र बताते हैं प्रियंका गांधी और राहुल गांधी से सचिन पायलट की बातचीत हुई है। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक के सभी अभ्यर्थियों को मुआवजे की पायलट की मांग पर गहलोत बिल्कुल तैयार नहीं हैं। विपक्ष के बहाने पायलट पर बुद्धि का दिवालियापन के आरोपों पर सचिन पायलट और उनका खेमा दो दिन से चुप्पी साधकर बैठा है। क्योंकि कांग्रेस हाईकमान सचिन पायलट को पीसीसी चीफ की कमान सौंपना चाहती है। साथी पायलट की कई शर्तें मानने के आश्वासन दिए गए हैं। इसकी पायलट भी विचार कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक बैठक में सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाने का ऑफर किया जा सकता है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम बापू को दिया झटका

मनोज बाजपेयी की फिल्म पर रोक लगाने की याचिका की खारिज

जयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जेल में बंद बाबा आसाराम बापू की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' को सिनेमाघरों और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने पर रोक लगाने की मांग की गई थी। जेल में बंद आसाराम ने ओम प्रकाश लखानी के साथ पहले जी5 स्टूडियो द्वारा निर्मित और निर्देशित फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह उनकी अनुमति के बिना उनके जीवन पर आधारित है और उन्हें नकारात्मक तरीके से दिखाया गया है। जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने याचिका खारिज करते हुए कहा, फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद साफ कहा जा सकता है कि याचिकाकर्ता नंबर 2 का इससे कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए, याचिकाकर्ता इस फिल्म के संबंध में किसी भी अंतरिम निषेधाज्ञा आदेश को पारित करने के लिए इस न्यायालय को राजी करने के लिए प्रथम ष्टया ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं। न्यायमूर्ति ने आगे कहा कि फिल्म की रिलिजिंग पर रोक नहीं लगाई जा सकती, क्योंकि फिल्म पहले ही रिलीज हो चुकी है और चूंकि याचिकाकर्ताओं ने समय पर अपना मामला दायर नहीं किया है। स्टे देने से फिल्म के निमार्ताओं को भारी आर्थिक नुकसान होगा। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि फिल्म द्वारा आसाराम की प्रतिष्ठा और उनके गोपनीयता अधिकारों का उल्लंघन किया गया है, क्योंकि यह कथित तौर पर उन्हें रावण नामक एक खलनायक चरित्र के रूप में चित्रित करता है जिसने जघन्य अपराध किए हैं। दूसरी ओर, उत्तरदाताओं के वकील ने कहा कि फिल्म के शुरूआती हिस्से में एक स्पष्ट खंडन है कि यह वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित एक काल्पनिक काम है।

सियालदह ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी

दौसा, 27 मई (एजेंसियां)। सियालदह ट्रेन में उस समय हड़कंप मच गया, जब चलती ट्रेन को एक व्यक्ति ने ट्रेन समेत खुद को बम से उड़ाने की धमकी दे डाली। धमकी के चलते ट्रेन में अफरातफरी मच गई और तुरंत ही आरपीएफ और जीआरपी को सूचना दी गई। इसके बाद ट्रेन को बांदीकुई में रोककर जांच की गई और आरोपी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। आरोपी व्यक्ति जनरल डिब्बे में सफर कर रहा था। इस दौरान सीट न मिलने पर उसने ट्रेन समेत खुद को बम से उड़ाने की धमकी दी।

आगरा से कंट्रोल के पास सूचना आने पर ट्रेन को बांदीकुई रोका गया। व्यक्ति से पूछताछ में पता चला कि वो व्यक्ति मानसिक विक्षिप्त है, जो सियालदह जा रहा था। ट्रेन में सीट को लेकर विवाद हुआ और बैठने के लिए सीट नहीं मिलने के चलते इस व्यक्ति ने खुद को बम से उड़ाने की धमकी दे डाली। इसके बाद चलती ट्रेन में अफरातफरी का माहौल बन गया। ट्रेन को बांदीकुई में रोककर मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

प्रधानमंत्री की 31 मई को अजमेर में रैली

पार्टी ने पार्षद और प्रत्याशियों को दिया भीड़ जुटाने का टास्क

अजमेर, 27 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की अजमेर में निकाय क्षेत्र के पार्षद और पार्षद प्रत्याशियों की महत्वपूर्ण बैठक पार्टी कार्यालय, भिनाय में हुई। राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने बैठक ली। पीएम मोदी के दौरे के मद्देनजर बुलाई गई तैयारी बैठक में प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि क्षेत्रीय पार्षद अपने क्षेत्र का प्रमुख जनप्रतिनिधि होता है। उसका आमजन से सीधा जुड़ाव रहता है। पार्षद के माध्यम से ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे आमजन को मिलता है और कांग्रेस सरकार से त्रस्त जनता भी अपनी पीड़ा पार्षद को ही बताती है।

ऐसे में पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। अपने क्षेत्र की जनता को आम सभा में अधिकाधिक लेकर पधारें। पार्षदों को अपने-अपने शक्ति केंद्रों से पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन को सभा स्थल पर लाने का उन्होंने आग्रह किया। अरुण सिंह ने कहा- पार्षदों का अपने क्षेत्र की विकास समितियों, बस्तियों, कॉलोनी से जुड़ाव रहता है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा भीड़ लेकर आएं।

16 करोड़ की चार किलो हेरोइन सहित एक तस्कर गिरफ्तार

जैसलमेर, 27 मई (एजेंसियां)। भारत-पाक सीमा से सटा सीमावर्ती रेगिस्तानी जिला जैसलमेर काफी संवेदनशील है। पिछले कुछ समय से बॉर्डर इलाके में संदिग्ध गतिविधियों के चलते करोड़ों की हेरोइन सहित तस्कर पकड़े जा चुके हैं। बीती रात भी बाड़मेर जैसलमेर की पुलिस ने चार किलो हेरोइन सहित एक तस्कर को दबोचा है। पिछले 27 दिनों से जैसलमेर पुलिस बिना कप्तान के काम कर रही है। यह घातक हो सकता है।

जैसलमेर में पुलिस अधीक्षक भंवर सिंह नाथावत के अप्रैल में रिटायर्ड हो जाने के बाद पद रिक्त है। पड़ोसी ज़िले बाड़मेर के एसपी को जैसलमेर का अतिरिक्त चार्ज दे रखा है, लेकिन इंटरनेशनल बॉर्डर वाले इन दोनों जिलों में दूरियां बहुत हैं। रेगिस्तानी ज़िलों में एक जगह से दूसरी जगह जाने में घंटों लग जाते हैं।जैसलमेर में एक मई से पुलिस अधीक्षक का पद रिक्त है। बॉर्डर इलाका होने की वजह से यहां आए दिन अवांछनीय गतिविधियां देखने को मिलती हैं। लगभग पिछले डेढ़ महीने में बॉर्डर इलाके से करोड़ों रुपये की कीमत की साढ़े 20 किलो हेरोइन सहित छह तस्कर गिरफ्तार गिरफ्तार हो चुके हैं। इनपुट की माने तो अभी और हेरोइन तस्कर माल सहित पकड़े जा सकते हैं। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से सुरक्षा के लिहाज से इस अति संवेदनशील जिले में पुलिस अधीक्षक की नियुक्ति नहीं करना समझ से परे हैं। हालांकि बाड़मेर एसपी के पास जैसलमेर का अतिरिक्त चार्ज है, लेकिन उनका फोकस जैसलमेर से ज्यादा बाड़मेर पर रहता है।

बीती रात बाड़मेर-जैसलमेर पुलिस ने 16 करोड़ की हेरोइन समेत तस्कर पकड़ा

जैसलमेर के सीमावर्ती गांव म्याजलार में बीती रात बाड़मेर और जैसलमेर की पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक तस्कर अर्जुन सिंह को चार किलो हेरोइन, जिसकी मार्किट कीमत करीब 16 करोड़ रुपये बताई जा रही है जिसके साथ डिटेन किया हैं।

एक किलो जली हुई सहित चार किलो हेरोइन बरामद

पिछले दिनों पकड़े गए हेरोइन तस्करों के सरगना गुलाब सिंह से पूछताछ में सामने आया कि उसने चार किलो हेरोइन अर्जुनसिंह को दी है।

जिसकी निशानदेही पर म्याजलार स्थित अर्जुनसिंह के घर पर दबिश देकर एक किलो जली हुई हेरोइन जब्त की। सूत्रों के अनुसार अर्जुनसिंह ने पूछताछ के बाद एक किलो हेरोइन को जलाने की बात कबूली और बाकी तीन किलो हेरोइन भगवान सिंह को देने की बात कही।

पुलिस ने भगवान सिंह के घर दबिश दी, तो तीन किलो हेरोइन बरामद हुई, लेकिन मामले की भनक लगने पर भगवान सिंह मौके से फरार हो गया।

पिछले डेढ़ महीने में साढ़े 20 किलो हेरोइन के साथ 6 तस्कर हो चुके गिरफ्तार

बीती नौ अप्रेल को क्राइम ब्रांच के डीआईजी राहुल प्रकाश के नेतृत्व में जिले से नौ किलो हेरोइन के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया था। उनसे मिली जानकारी के बाद अब तक जैसलमेर जिले में करीब साढ़े 20 किलो हेरोइन के साथ छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

बाबा रामदेव बोले-बृजभूषण को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजें

कहा-वे अब भी रोज मुंह उठाकर बकवास कर रहा, जो निंदनीय है

भीलवाड़ा, 27 मई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा में स्वामी रामदेव ने भाजपा सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- पहलवान बेटियों से दुराचार करने वाले कुश्ती संघ के अध्यक्ष को तुरंत गिरफ्तार कर जेल की सलाखों के पीछे डालना चाहिए। वे अब भी रोज मुंह उठाकर बकवास कर रहा है। जो निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि बीपी व शुगर का निदान योग में है। थायराइड अर्थराइटिस भी इससे दूर हो रहे हैं। जिनके हार्ट ब्लॉकेज, 80% फेफड़े खराब हो गए उनको योग से सही किया। स्वामी रामदेव तीन दिवसीय योग शिविर के लिए भीलवाड़ा आए हैं। शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा- योग करने के सात दिन में परिणाम दिखने लगते हैं। एक महीने तक नियमित योग से तो कई बीमारियों का समाधान हुआ है।

नेहरूजी और इंदिरा जी भी योग करते थे

उन्होंने कहा-नेहरूजी व इंदिरा जी भी योग करते थे, लेकिन उन्होंने योग को कभी सार्वजनिक नहीं किया। वे अपने घरों में ही योग करते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 177 देशों मे योग को पहुंचाया है। योग गुरु स्वामी रामदेव ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी अपने अच्छे रिश्तों का खुलासा करते हुए कहा- मैं सबसे जुड़ा हुआ हूं। मेरा प्रेम अशोक गहलोत से भी पूरा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अशोक गहलोत भी अच्छा काम करते हैं। वसुंधरा जी ने भी अच्छे काम किए हैं। उनका किसी से राजनीतिक व्यवहार नहीं है।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के दो दोषियों को उम्रकैद

सवाई माधोपुर, 27 मई (एजेंसियां)। विशेष न्यायालय पॉक्सो सवाई माधोपुर ने नाबालिग बच्ची का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले की सुनवाई करते हुए करौली के कैलादेवी निवासी दो आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद और 80-80 हजार रुपये का आर्थिक जुर्माना लगाया है।

सवाई माधोपुर की पोक्सो स्पेशल कोर्ट ने नाबालिग बच्ची से गैंगरेप के आरोपियों करौली निवासी गोविंद चतुर्वेदी और सीताराम चतुर्वेदी को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही न्यायालय ने दोनों आरोपियों को 80-80 हजार रुपये के अर्थदंड से दिया है।

विशिष्ठ लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने बताया कि आरोपियों ने पांच अप्रैल 2021 को नाबालिग का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था।

महिला की हत्या कर मांस खाने वाले युवक में मिले हाइड्रोफोबिया के लक्षण

हाथ पैर बांधकर जोधपुर किया रेफर

पाली, 27 मई (एजेंसियां)। मंबई से राजस्थान के पाली पहुंचकर जिस युवक ने बुजुर्ग महिला की पत्थरों से सिर फोड़कर की हत्या कर नोंच-नोंच कर उसका चेहरा खाया है, उसे हाइड्रोफोबिया बीमारी है। जिस कारण उसमें कुत्ते और भेड़िए जैसे लक्षण आ गए हैं। वह जंगली जानवर की तरह महिला को शिकार समझकर खा गया।

मरीज में रेबीज और हाइड्रोफोबिया बीमारी मिली

मुंबई निवासी आरोपी युवक सुरेंद्र को डॉक्टर्स ने पाली से जोधपुर रेफर कर दिया है। वह इतना खतरनाक हो गया है कि उसके हाथ-पैर बांध कर ले जाना पड़ा है। खोलने पर वह हिंसक हो जाता है। युवक के प्राथमिक इलाज के दौरान यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। डॉक्टरों ने युवक में रेबीज इंफेक्शन की पुष्टि की है। आरोपी युवक हाइड्रोफोबिया बीमारी का मरीज है। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल के डॉक्टर प्रवीण गर्ग ने बताया कि संभवतः देश में यह पहला ऐसा केस है, जिसमें रेबीज के मरीज ने किसी इंसान को अपने दांतों से काट काटकर खा लिया हो। युवक की जेब में मिली डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन से रेबीज बीमारी का खुलासा हुआ, जिसके बाद पाली में भी जांच की गई। डॉक्टरों के अनुसार ऐसे मरीज की 72 घंटे में मौत हो जाती है, लेकिन इतने भयानक लक्षण आने के बावजूद यह जीवित है, यह चौंकाने वाली बात है। अब जोधपुर में हाई लेवल पर डॉक्टर्स की टीम इसका इलाज करेंगी।

क्या है पूरा मामला ?

पाली जिले में शुक्रवार सुबह दिल दहलाने वाली वारदात हुई। इसके तहत एक युवक ने पहले तो खेत से बकरियां चराते और हरी सब्जी लेकर लौट रही वृद्ध के सिर में पत्थर मारकर हत्या कर दी। फिर उसके बाद उस युवक ने मृतका के चेहरे का मांस नोंच कर खा लिया। आसपास से गुजर रहे ग्रामीणों ने जब उसे ऐसा घिनौना काम करते हुए देखा, तो उस नरभक्षी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी ने ग्रामीणों को देखकर भागने की कोशिश भी की, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाया। एक किलोमीटर पीछा कर ग्रामीणों ने घेरकर उसे पकड़ा। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर हाथ पांव बांधकर बांगड़ अस्पताल के जेल वार्ड में कड़ी सुरक्षा में रखा था, जहां आरोपी की पहचान उसके पास मिले आधार कार्ड से मुम्बई निवासी 24 साल के सुरेंद्र के रूप में हुई। पाली जिले के सेंदड़ा थाना क्षेत्र में जंगल की यह घटना है।

सिर में पत्थर मारकर की हत्या, फिर मुंह नोंचकर खा गया

इससे पहले आरोपी युवक वृद्धा की हत्या कर उसका मुंह नोंच कर खा चुका था, जिससे उसका खुद का मुंह भी खून से सन गया था और लाल हो गया था। घटना के बाद भागते युवक को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। आरोपी युवक की पहचान मुंबई निवासी सुरेंद्र के रूप में हुई है।

पुलिस कुछ भी बोलने को नहीं तैयार

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया, लेकिन मीडिया में कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया। जो पुलिसकर्मी आरोपी को पकड़ कर लाया, उसने कहा उच्च अधिकारी ही कुछ बोल सकते हैं। उच्च अधिकारी मीडिया से इस मामले में बात नहीं कर रहे। पाली के बांगड़ अस्पताल से जोधपुर जिला अस्पताल में आरोपी को भेजा गया है। जहां रेबीज और अन्य एक्सपर्ट्स डॉक्टर्स की टीम उसका इलाज करेंगी। वहीं मृतका के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

आंधी-तूफान में जान गंवाने वालों के परिजनों को मिलेगी 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि

जयपुर,। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में गत दिनों आंधी-तूफान, बरसात और ओलावृष्टि से हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा नुकसान का आकलन कराया जा रहा है। पीड़ितों की नियमानुसार हरसंभव सहायता की जाएगी। गहलोत ने ईश्वर से इस आपदा में जान गंवाने वाले दिवंगतों की आत्मा की शांति, शोक संतप्त परिवारजनों को आघात सहन करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए सहायता राशि दी जाएगी।

आरएएस की तैयारी कर रहे स्टूडेंट ने किया सुसाइड

सूरतगढ़, 27 मई (एजेंसियां)। आरएएस की तैयारी कर रहे एक स्टूडेंट ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। इधर, परिजन रात भर हाल पूछने के लिए कॉल करते रहे। लेकिन, जब उसने कॉल रिसीव नहीं किया तो सुबह परिजन हॉस्टल पहुंचे। यहां स्टूडेंट फंदे पर लटका मिला। मामला श्रीगंगानगर थाना क्षेत्र के सूरतगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह 7 बजे का है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सूरतगढ़ हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया।

सिटी थाना के एएसआई नूर मोहम्मद ने बताया कि रायसिंहनगर के गांव 12 टीके का निवासी उमेश (18) पुत्र ज्ञानीराम स्वामी सूरतगढ़ के वार्ड नंबर 44 स्थित गणेश बॉयज हॉस्टल में रहकर आरएएस की तैयारी कर रहा था। उमेश स्वामी शुक्रवार सुबह ही अपने गांव से हॉस्टल में लौटा था। इसके बाद रात को उमेश के परिजनों ने हाल चाल पूछने के लिए उसे फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत पर थमा विवाद

30 लाख रुपये मुआवजा, संविदा पर नौकरी पर बनी सहमति

उदयपुर, 27 मई (एजेंसियां)। उदयपुर के गोगुंदा थाना पुलिस की कस्टडी में हुई युवक की मौत के बाद शुरू हुआ विवाद दो दिन बाद थम गया। उदयपुर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय की मोर्चरी में आज पुलिस, राजपूत करणी सेना के पदाधिकारी और परिजनों के बीच सुबह वार्ता का लंबा दौर चला। इसके बाद पुलिस प्रशासन की ओर से मृतक के आश्रितों को 30 लाख रुपये का मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने पर सहमति बन गई। साथ ही मामले में दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की भी आश्वासन दिया गया। इसके बाद विरोध पर उतरे समाज के लोग और परिजन शांत हुए। परिजन शव को लेकर रवाना हो गए।

बता दें कि 25 मई को गोगुंदा थाना पुलिस ने सुरेंद्र सिंह राजपूत को युवती को भगाकर ले जाने के आरोप में गुजरात से दस्तयाब किया था। पुलिस जब सुरेंद्र से पूछताछ कर रही थी तो उसकी तबीयत बिगड़ गई। जहां उसे गोगुंदा हॉस्पिटल ले जाया गया और चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद राजपूत करणी सेना और परिवार के लोग अपनी मांगों को लेकर विरोध पर बैठ गए थे।

वनों की सुरक्षा और जीर्णोद्धार पहली प्राथमिकता : इंद्रकरण

मंत्री ने की वन विभाग के प्रदर्शन और प्रगति की व्यापक समीक्षा

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वन और पर्यावरण मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी ने सचिवालय में वन विभाग के प्रदर्शन और प्रगति की व्यापक समीक्षा की। इस बैठक में विभिन्न विभागों, उद्देश्यों और कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि सरकार तेलंगाना के लिए हरितहरम के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा और वनों की बहाली को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इस क्षेत्र के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त करना सुखद है। मंत्री ने अधिकारियों के साथ बीड़ी श्रमिकों को संग्रह शुल्क, बोनस का भुगतान सीधे खातों में ऑफलाइन माध्यम से करने की प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने करीब एक लाख हितग्राहियों को 220 करोड़ रुपये के बोनस के भुगतान पर संतोष व्यक्त किया। हरियाली के प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और भागीदारों को बधाई। उन्होंने कहा कि जहां वन भूमि का उपयोग विभिन्न सरकारी विकास कार्यों के लिए किया जाता है, वहीं वैकल्पिक भूमि में कंपा फंड के माध्यम से वन विकसित करने में हम राज्यों में शीर्ष पर हैं। मंत्री ने कहा कि इस तरह से 135 नये वन प्रखंड विकसित करना और करीब 14 हजार एकड़ वन सृजित करना और उन वन प्रखंडों को सरकार द्वारा अधिसूचित करना एक रिकार्ड है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में बंदरों का काफी आतंक है और किसानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. मंत्री ने निर्मल में स्थापित नसबंदी केंद्र की तर्ज पर चरणबद्ध तरीके से सभी जिलों में विस्तार करने का सुझाव दिया। पीसीसीएफ को आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने को कहा। कवाल टाइगर रिजर्व से गांवों के पुनर्वास की प्रगति और गोदावरी बेसिन में बाघ गलियारों के विस्तार पर चर्चा की गई। वन अपराधों पर नियन्त्रण में सख्ती बरतने तथा पीडी प्रकरण दर्ज करने के लिए आवश्यक हो तो पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित करने की सलाह दी जाती है। लंबित सतर्कता मामलों के निपटारे में तेजी लाने का निर्णय लिया गया है। मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वन विभाग में रिक्तियों की भर्ती टीएसपीएस के परामर्श से शीघ्र की जाए। मंत्री ने कहा कि जहां भी संभव हो जिम्मेदार इको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने राज्य के दशकोत्सव को सफल बनाने, सभी वर्गों को दस साल की प्रगति समझाने और 19 जून से शुरू होने वाले तेलंगाना हरितोत्सव को सफल बनाने को कहा।

समीक्षा बैठक में पीसीसीएफ, एचओएफएफ आरएम डोबरियाल, वन विकास निगम के वीसी, एमडी चंद्रशेखर रेड्डी, वानिकी संयुक्त सचिव एम. प्रशांति, पीसीसीएफ लोकेश जायसवाल, एल्युजिंग मेरु, एमसी पुरगैन, अतिरिक्त पीसीसीएफ सुनीता भागवत, वित्त उप सचिव नागेश्वर राव, उपस्थित थे। अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

अयोध्या के सनबीम स्कूल में 10वीं छात्रा की हत्या

मैनेजर-गेम टीचर के खिलाफ गैंगरेप-पॉक्सो में एफआईआर, पिता बोले- प्रिंसिपल ने छुट्टी के दिन बुलाया, छत से फेंका

अयोध्या, 27 मई (एजेंसियां)। अयोध्या में सनबीम स्कूल की बिल्डिंग से गिरकर 10वीं की छात्रा की मौत हो गई। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसमें छात्रा स्कूल की छत से गिरते हुए दिख रही है। वह जमीन पर पड़ी करीब 9 मिनट तक तड़पती रही, लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी।

अब इसमें दरिंदगी की बात सामने आई है। पिता ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधक और गेम टीचर ने उसके साथ गैंगरेप किया। फिर छत से फेंक दिया। पिता की तहरीर पर कैंट थाने में गैंगरेप, हत्या, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ है। बच्ची की उम्र 15 साल थी। तीन डॉक्टरों के पैनल ने पोस्टमॉर्टम किया। इसकी वीडियोग्राफी भी कराई गई। बच्ची का अंतिम संस्कार हो गया है।

हत्या, गैंगरेप और पॉक्सो एक्ट में मुकदमा :

पिता ने तहरीर में स्कूल प्रबंधक बृजेश यादव और अभिषेक कन्नौजिया पर रेप का आरोप लगाया है। प्रधानाचार्य रश्मि भाटिया पर भी साजिश के आरोप हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने गैंगरेप, साक्ष्य मिटाना, पॉक्सो एक्ट, हत्या का मुकदमा कैंट थाने में दर्ज किया है। आईपीसी की धारा 376डी, 302, 120बी, 201 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ है। गेम टीचर अभिषेक कन्नौजिया को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पिता बोले, प्रिंसिपल ने बेटी को फोन कर बुलाया :

पिता ने बताया, बेटी थाना कैंट क्षेत्र में सनबीम स्कूल में पढ़ती थी। शुक्रवार को मैं काम से बाहर गया था। जबकि पत्नी मायके गई थी। स्कूल में छुट्टी होने से बेटी घर पर ही थी। सुबह 8:30 बजे प्रिंसिपल रश्मि भाटिया ने बेटी को फोन करके बुलाया। इसके बाद स्कूल से मुझे 9:30 बजे फोन आता है कि आपकी बेटी झूले से गिर गई है। उसे चोट लग गई।

पिता ने बताया, स्कूल के लोग बेटी को नारायण हॉस्पिटल ले गए। मैं भी सीधे वहीं पहुंचा, तो देखा कि बेटी के पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। स्कूल मैनेजमेंट ने झूले से गिरकर मौत होने की बात कही। जबकि वह सीसीटीवी में छत से गिरती दिख रही है। जहां बेटी गिरी, वहां से खून के निशान भी मिटा दिए गए।

सिर में चोट लगी, पैर भी टूट गया था :

पड़ोसी ने बताया, पिता के फोन करने पर मेरे साथ मोहल्ले के कुछ लोग राजराजेश्वरी अस्पताल पहुंचे। बच्ची की हालत खराब थी। छत से गिरने की वजह से छात्रा का पैर टूट गया था। उसके सिर पर भी चोट लगी थी। वह होश में नहीं थी।

पड़ोसी ने कहा, अस्पताल पहुंचने पर स्कूल मैनेजमेंट ने बताया कि छात्रा को पहले नारायन अस्पताल ले गए। फिर, चिरंजीवी हॉस्पिटल ले गए। इसके बाद राजराजेश्वरी अस्पताल में भर्ती कराया। शाम करीब 5 बजे इलाज के दौरान छात्रा ने दम तोड़ दिया।

पड़ोसी ने बताया, यह पता नहीं चल रहा है कि क्या हुआ है। स्कूल वाले कह रहे हैं कि बच्ची झूले के पास पड़ी मिली थी। झूले के पास कुछ ऐसा दिख नहीं रहा है। बच्ची का मोबाइल भी नहीं मिल रहा है। यह जांच का सब्जेक्ट है। हमारी बच्ची को इंसाफ मिलना चाहिए।

स्कूल मैनेजमेंट मामले को मैनेज करने में जुटा :

लड़की के बाबा ने कहा, झूले से गिरने पर इतनी चोट लग ही नहीं सकती। उसके पूरे चेहरे पर गहरी चोट लगी है। कूल्हे पर भी गंभीर चोट है।

मैनेजमेंट कह रहा कि झूले से गिरी। जबकि सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि वह छत से फेंकी गई है। जिस जगह पर वह गिरी, वहां से खून के निशान मिटाए गए।

बाबा ने कहा, घटना के बाद से स्कूल प्रशासन मामले पर लीपापोती कर रहा है। स्कूल मैनेजमेंट मैनेज करने में लगा हुआ है। हमारी बिटिया की हत्या हुई है। उसके साथ कुछ गलत हुआ है। स्कूल में गेम टीचर के रूप में तैनात दो अध्यापकों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

आजम ने इंस्पेक्टर से पूछा- हू आर यू

कुर्सी से सीओ सिटी नहीं उठे तो नाराज हुए, बोले- आपके कारनामे मोबाइल में हैं

रामपुर, 27 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में शनिवार को सपा के पूर्व सांसद आजम खान के काफिले को पुलिस ने रोक लिया। यह देखकर आजम खान गाड़ी से उतर आए। उतरते ही पुलिसकर्मियों की तरफ देखा। इस दौरान सीओ सिटी अनुज चौधरी कुर्सी पर ही बैठे रहे। यह बात आजम को बहुत नागवार गुजरी।

आजम खान ने सीओ सिटी की तरफ इशारा करते हुए बगल में खड़े इंस्पेक्टर से पूछा, हू आर यू? इंस्पेक्टर हरेंद्र ने अपना परिचय दिया। तब तक सीओ सिटी को आजम की नाराजगी का अहसास हो गया और वे खड़े हो गए। इसके बाद आजम ने उनसे कहा कि हम बड़ों के एहसान हमेशा याद रखते हैं। इस पूरे घटनाक्रम का 2 मिनट 14 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है।

यह सुनकर सीओ सिटी कहते हैं, स्पोर्ट्स में कैसा एहसान? दरअसल, अनुज चौधरी स्पोर्ट्स कोटे से हैं। यह सुनकर आजम खान कहते हैं, मैं कह रहा हूं कि हम लोग अपने बड़ों का एहसान याद रखते हैं। आपको तो मैंने सुंदर कहा है। लेकिन आपके कारनामे मेरे मोबाइल में हैं। इतना कहने के बाद आजम खान पैदल ही अपने कार्यालय की तरफ चले जाते हैं। पुलिस ने आजम के काफिले को भी आगे जाने दिया। आजम के साथ उनके बेटे और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम भी थे।

दरअसल, एमपी/एमएलए कोर्ट से आजम खान हेट स्पीच मामले में बरी हो चुके हैं। इसके बाद सपा आजम की विधानसभा सदस्यता बहाल करने की मांग कर रही है। इसी मांग को लेकर शनिवार को सपा का 27 सदस्यीय डेलिगेशन रामपुर के डीएम से मिलने गया था।

डेलिगेशन के सदस्यों में आजम का नाम नहीं था। साथ ही, डीएम ऑफिस से चंद दूरी पर सपा का कार्यालय भी है। आजम वहीं जा रहे थे, लेकिन पुलिस को लगा कि वे डेलिगेशन के साथ डीएम से मिलने जा रहे हैं। इसी गफलत में पुलिस ने उनका काफिला रोक लिया था। आजम के काफिले को रोकने पर उनके बेटे अब्दुल्ला ने भी नाराजगी जाहिर की। कहा, क्या अब सड़क पर चलना भी मुश्किल है।

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने चौमहला पैलेस का दौरा किया

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटीका स्वागत किया, जब उन्होंने पुराने शहर में शानदार चौमहल्ला पैलेसका दौरा किया। प्रतिष्ठित महल के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त करते हुए, राजदूत ने ट्विटर का सहारा लिया और अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि हैदराबाद के ऐतिहासिक पुराने शहर में पहली बार जाने पर, मैंने प्रतिष्ठित चौमहल्ला पैलेस में स्वादिष्ट भोजन और अद्भुत बातचीत का आनंद लिया। फ़ैज़ खान को आयोजन के लिए बहुत-बहुत धन्यवा। यह हैदराबाद के लिए एक महान परिचय था!

गार्सेटी को आधिकारिक रूप से मार्च में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस द्वारा एक समारोह में शपथ दिलाई गई थी। अपनी वर्तमान राजनयिक भूमिका से पहले, उन्होंने 2013 से 2022 तक लॉस एंजिल्स के 42वें मेयर के रूप में कार्य किया। चौमहल्ला पैलेस हैदराबाद के समृद्ध इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है। पैलेस ने 1720 से 1948 तक आसफ जाही राजवंश से संबंधित हैदराबाद राज्य के निज़ामों के लिए निवास और सत्ता की सीट के रूप में कार्य किया।

महल अब एक संग्रहालय के रूप में खड़ा है जो हैदराबाद की शाही जीवन शैली और सांस्कृतिक विरासत की एक झलक पेश करता है। यह आगंतुकों और इतिहास के प्रति उत्साही लोगों के लिए महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पर्यटक आकर्षणों में से एक है।

हैदराबाद के धावकों ने मनाई 16वीं वर्षगांठ

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर स्थित रनिंग ग्रुप हैदराबाद रनर्स ने 16 साल पूरे किए और 16वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर को चिह्नित करने और मनाने के लिए, एक प्रतीकात्मक 5के रन का आयोजन किया गया जिसमें सभी वर्गों के 150 धावक समारोह में शामिल हुए। वे जलविहार से लुम्बिनी पार्क तक दौड़े और जहाँ से उन्होंने शुरू किया था, वहाँ लौट आए।

हैदराबाद के धावकों ने मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर अभियान जागरूकता के तहत जीएचएमसी द्वारा आयोजित सुरक्षित स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण के लिए भी प्रतिज्ञा ली है। जीएचएमसी खैरताबाद सर्कल एएमओएच, एसएफए और स्वच्छता कर्मचारियों ने हैदराबाद रनर्स के साथ 5 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी हर साल अगस्त में हैदराबाद मैराथन का आयोजन करती है, जो भारत में सबसे पसंदीदा मैराथन कार्यक्रमों में से एक बन गया है। हैदराबाद मैराथन में भाग लेने के लिए पूरे भारत से करीब 20,000 धावक हैदराबाद आते हैं। हैदराबाद रनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष अभिजीत मदनूरकर ने इस अवसर पर कहा कि आप सुबह जो कुछ भी करते हैं वह फिटनेस है। उन्होंने कहा कि दौड़ना, टहलना, कूदना, सवारी करना, स्केट करना कुछ भी जो आप सुबह करते हैं, लोगों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि महामारी ने हमारे चलने के तरीके को बदल दिया है। फिटनेस के प्रति जागरूकता कई गुना बढ़ गई है। शहर में रनिंग समुदाय भारत में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। हैदराबाद रनर्स का लक्ष्य शहर के हर कोने तक पहुंचकर एक फिट, पुष्ट और सक्रिय हैदराबाद हासिल करना है।

हैदराबाद रनर्स सोसाइटी के सचिव अरुण ने कहा, काउच टू 5के हैदराबाद के धावकों की पहल है जो उन लोगों की मदद करने के लिए है जो धावक बनने और एक सक्रिय जीवन शैली लाने की इच्छा रखते हैं। यह कार्यक्रम अनुभवी धावकों और समूह सलाहकारों द्वारा संचालित है। यह हैदराबाद और सिकंदराबाद में विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध है।

इसके लिए पंजीकरण करने की न्यूनतम आयु 10 वर्ष है। यह प्रशिक्षण आठ सप्ताह का है। शहर के 40 स्थानों पर यह केवल तीन दिन सोमवार, बुधवार और शनिवार सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच है। उन्होंने कहा कि शुल्क बहुत मामूली है।

ईमानदारी व कड़ी मेहनत से सफलता संभव : विनोद कुमार काग

श्री आईमाता बडेर में किया गया आईआरएस अधिकारी का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोरेमुला स्थित श्री आईमाताजी बडेर में समाज बन्धुओं के तत्वावधान में 2017 में बने सीरवी समाज के आईआरएस विनोदकुमार काग के नगरागमन पर स्वागत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग ने बताया कि राजस्थान पाली जिले के छोटे से गाँव केनपुरा किसान परिवार प्रतिभाशाली पिता भगाराम काग के सपने को साकार करते हुए अथक प्रयास, ईमानदारी, मेहनत व अपने जनून का परिचय देते हुए 2017 में होनहार विनोद कुमार काग सीरवी समाज के आईआरएस अधिकारी बने। उनके सम्मान मे नगर पधारने पर मंच पर आमंत्रितकर स्वागत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिनका सीरवी समाज कोरेमुला अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा व पदाधिकारियों द्वारा राजस्थानी साफे, मोतियों की माला, शॉल व विशेष मोमेन्टों से स्वागत किया गया। कार्यक्रम मे पधारे सीरवी समाज की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव व पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रितकर कार्यकारिणी द्वारा विशेष सम्मान किया गया। अध्यक्ष कालुराम काग ने कार्यक्रम मे पधारे समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए कोरुमुला बडेर में नवनिर्माणाधीन श्री आईमाता मंदिर के कार्यो से समाज बन्धुओं को अवगत कराया। अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग ने एक ही छत के नीचे समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों के कार्यक्रम में पधारने पर प्रसन्नता जाहिर की।

शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा ने बत्तौर मुख्य अतिथि आईआरएस विनोदकुमार काग को समाज में शिक्षा के प्रति हो रहे कार्यो की जानकारी देते हुए हो रही परेशानियों से अवगत कराया। सम्बोधन भाषण मे बोलते हुए बत्तौर मुख्य अतिथि आईआरएस काग ने अपनी सफलता के पीछे कड़ी मेहनत व ईमानदारी से किये गये प्रयास से अवगत कराते हुए बताया कि वही समाज आगे बढ सकता है जो पॉवर, राजनीति व व्यापार पर विशेष ध्यान देते हुए एक संघठन के रूप मे रहता हो। उन्होंने अफसोस जाहिर करते हुए बताया कि देश मे सीरवी समाज की लाखों मे जनसंख्या के बावजूद 5 प्रतिभाशाली होनहार आईपीएस, आईएएस, आईआरएस ही बन पाये हैं। अगर शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया जाए तो संख्या बढ भी सकती है। राजनीति मे भी बीजेपी-कांग्रेस से वास्ता न रखकर जो पार्टी टिकेट दे एमपी-एमएलए बनाकर राजनीति मे भागदारी बढानी चाहिए। एवं हर राज्य मे मंदिरों के साथ एक शिक्षा संस्थान भी बनाना चाहिए, ताकि समाज की युवा पीढ़ी शिक्षित व संस्कारी हो सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समाज हित मे जो भी हो सकेगा वे हरसम्भव कार्य करेंगे। अवसर पर समाज के युवा क्रिकेटर सुरेन्द्र काग का सम्मानकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

अवसर पर अ.भा.युवा संघठन के केसाराम, पूनाराम ने प्रीमियम टी-शर्ट भेंटकर मुख्यअतिथि का सम्मान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे पूर्व अध्यक्ष प्रभुराम परिहारियां, राजाराम पंवार, बाबुलाल काग, राजाराम गेहलोत, संवराराम, हुक्माराम सेपटा, अर्जुनराम राठौड़, पूनाराम सोयल, खिंवाराम गेहलोत, पूनाराम पंवार, अत्ताराम सोलंकी, सुरेशचन्द काग, ताराराम सीरवी, चम्पालाल सोलंकी, अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग, सचिव सोहनलाल हाम्बड़ व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन भीकाराम व कालुराम काग ने किया। सचिव डायाराम लचेटा के धन्यवाद ज्ञापन किया।

अग्रवाल समाज तेलांगना की बालनगर शाखा के चुनाव आज

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की बालानगर शाखा की वार्षिक सभा एवं वर्ष 2023-25 के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव रविवार 28 मई को सायं 6:01 बजे से संतोष ढाबा, बी.बी. हिस्पिटल के पास, बालानगर में सम्पन्न होंगे। शाखा द्वारा चुनाव अधिकारी के रुप में पवन सिंघानिया को नियुक्त किया गया है। सत्र 2023-25 के लिए चुनाव अधिकारी पवन सिंघानिया के नेतृत्व में चुनाव कराए जायेंगे। सदस्यगण किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु चुनाव अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है, अधिसूचना शाखा की तरफ से जारी कर दी गई है। सभी शाखा सदस्यों से आग्रह है कि वार्षिक सभा व नई कार्यकारिणी चुनाव हेतु ठीक समय पर पधारकर सभा को सफल बनाए।

नागपुर के चार मंदिरों में ड्रेस कोड लागू

मंदिर महासंघ बोला, श्रद्धालु कटी-फटी जीन्स और स्कर्ट जैसै कपड़े पहनकर मंदिर में न आएं

मुंबई, 27 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में चार मंदिरों में ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। महाराष्ट्र मंदिर महासंघ ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गोपालकृष्ण मंदिर (धंतोली), संकटमोचन पंचमुखी हनुमान मंदिर (बेलोरी-सावनेर), बृहस्पती मंदिर (कानोलीबारा) और हिलटॉप दुर्गामाता मंदिर (मानवतानगर) इन मंदिरों में अब आपत्तिजनक कपड़े पहनने पर एंट्री नहीं दी जाएगी।

मंदिरों की पवित्रता की रक्षा करना उद्देश्य

महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के कोऑर्डिनेटर सुनील घनवट ने कहा कि मंदिर के बाहर पोस्टर भी लगाए गए हैं। जिसमें लिखा है कि कटी फटी जीन्स, स्कर्ट जैसै आपत्तिजनक कपड़े पहनकर मंदिर में न आएं। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य मंदिरों की पवित्रता की रक्षा करना है।

पहले भी कई मंदिरों में ड्रेस कोड लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि हम मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अनुरोध करेंगे की वे सरकार के नियंत्रण वाले मंदिरों में भी ड्रेस कोड लागू करें।

बोइनपल्ली मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन टीएन श्रीनिवास द्वारा आयोजित एक विशेष पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए ए. गौतम जैन, राजशेखर रेड्डी व अन्य।

नारनौल अग्रवाल समिति की सभा अयोजित

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नारनौल अग्रवाल समिति, हैदराबाद-सिकन्दराबाद की कार्यकारिणी सभा अयोजित की गई। सभा में आय-व्यय की रिपोर्ट मंत्री अशोक कुमार द्वारा पेश की गई, जो ध्वनिमत से पास हुई। सभा में चुनाव अधिकारी अशोक सिंगल ने अपने विचार रखे। 4 जून को समिति के चुनाव वर्ष 2023-25 होने जा रहे है। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का आग्रह किया गया। सभा में अध्यक्ष राजेन्द्र भालवाले, मंत्री अशोक कुमार, उपाध्यक्ष आरडी अशोक कुमार, ओम प्रकाश, महाविर प्रसाद, अशोक सिंगल, रविन्द्र अग्रवाल, कपिल बंसल, दिपक नारनैली, दिपक अग्रवाल, विजय जैन, विनय जैन, सुनिल कुमार, राजेश, अनुप एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभा का समापन अशोक अग्रवाल द्वारा धन्यवाद द्वारा हुआ।

तीन साल की बच्ची नाले में डूब गई

करीमनगर, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यहां के कोठीरामपुर में शनिवार को तीन साल की बच्ची सदाना पानी के हौज में डूब गई। घर के परिसर में खेलते समय सदाना गलती से पानी के हौज में गिर गया। उसके माता-पिता, जिन्होंने उसे नाबदान में पाया, उसे जिला मुख्यालय अस्पताल ले गए जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। छत्तीसगढ़ के मूल निवासी, रामजी और पार्वती करीमनगर चले गए और निर्माण कार्य में लगे हुए थे। शनिवार को वे अपनी बेटी सदाना को साथ लेकर कोठीरामपुर स्थित एक साइट पर काम करने चले गए। साधना खेलने के लिए उनसे दूर चली गई थी, तभी वह पानी के नाले में गिर गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नई संसद का ...

पत्थर की नक्काशी का काम आबू रोड और उदयपुर के मूर्तिकारों ने किया है। पत्थर राजस्थान के कोटपूतली से लाए गए। फ्लाई ऐश ईंटें हरियाणा और उत्तर प्रदेश से मंगवाई गईं, जबकि पीतल के काम और सीमेंट के बने-बनाए ट्रेंच अहमदाबाद से लाए गए।

नई संसद का पहला वीडियो जारी हुआ था :

नई संसद के इनॉगरेशन में अब एक दिन बचा है। इससे पहले शुक्रवार को पहला वीडियो जारी किया गया था। वीडियो की शुरूआत एंट्री गेट से होती है। फिर गुंबद पर लगा अशोक चिन्ह और बाहरी दीवारें, इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा का दृश्य नजर आता है।

लोकसभा और राज्यसभा स्पीकर की सीट के पीछे विशाल अशोक चक्र है। लोकसभा के कालीन पर मोरपंख की डिजाइन है। ऐसी ही प्रतीकात्मक डिजाइन सदस्यों के डेस्क पर बनी है। हर डेस्क पर स्क्रीन लगी हैं।

पीएम मोदी ने माय संसद माय प्राइड हैश टैग के साथ वीडियो शेयर करते हुए लिखा, नई संसद हर भारतीय को गौरवान्वित करती है। यह वीडियो संसद की भव्यता को दर्शाता है। लोगों से अपील की कि अपने विचारों और वॉयस ओवर के साथ इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करें। इनमें से कुछ अच्छे वीडियो को वे रीट्वीट करेंगे।

पीएम बोले-ज्यादा ...

सरकार ने इस कॉन्क्लेव की थीम 'सेवा सुशासन और गरीब कल्याण' रखी है।

तीन थीमेटिक सेशन से सरकार के कामों की चर्चा

पहली थीम में मोदी सरकार के अचीवमेंट के बारे में बताया जाएगा। इसकी थीम 'इंडिया सर्जिंग अहेड' रखी गई है। दूसरी थीम 'जन जन का विश्वास' है। इसमें हेल्थ सेक्टर से जुड़े एक्सपर्ट राय रखेंगे। तीसरा और आखिरी सेशन यूथ से जुड़ा है जिसकी थीम 'यूथ युवा शक्ति' है।

यहां मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित एक एग्जिबिशन भी लगाई गई है। कार्यक्रम का समापन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के भाषण से होगा।

शुभमन गिल प्लेऑफ में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा; आईपीएल के फाइनल में विराट के 2 रिकॉर्ड पर नजर

खेल डेस्क, 27 मई (एजेंसियां)। शुभमन गिल...दिसंबर 2022 से आईपीएल प्लेऑफ तक, क्रिकेट फैंस के बीच ये नाम बहुत तेजी से गूंजा है। शुक्रवार को गिल ने 5 बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 में 129 रन की पारी खेलकर एक बार फिर फैंस को उनका नाम याद दिला दिया। गिल ने चौथे मैच में अपना तीसरा शतक लगाया और वह आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले ही खिलाड़ी बने।

मुंबई के खिलाफ शतकीय पारी के साथ ही शुभमन ऑरेंज कैप पर भी कब्जा जमा लिया है। इस सीजन उनके 16 मैचों में 851 रन हो गए हैं। वह विराट कोहली के ऑल टाइम रिकॉर्ड को तोड़ने के भी करीब हैं। विराट के नाम एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा 973 रन बनाने का रिकॉर्ड है।

आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि गिल किस तरह विराट के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं, एमआई के खिलाफ उनकी सेंचुरी ने कौन से रिकॉर्ड बनाए और कैसे पिछले 9 महीनों में गिल ने क्रिकेट फैंस के दिमाग में अपने नाम का परचम लहराया।

प्लेऑफ का बेस्ट स्कोर बनाया

गिल की टीम गुजरात टाइटंस 23 मई को सीएसके के खिलाफ क्वालिफायर-1 में हारने के बाद क्वालिफायर-2 में आई थी। मुंबई ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी और शुभमन ने उनके फैसले को गलत साबित कर दिया। उन्होंने महज 49 गेंदों पर शतक लगाया और 17वें ओवर में 129 रन की पारी खेल कर आउट भी हो गए। उनकी पारी के दम पर गुजरात ने 233 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो मुंबई के लिए बहुत बड़ा साबित हुआ।

60 गेंदों में 129 रन की पारी के साथ गिल ने आईपीएल प्लेऑफ में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर बनाया। उनसे पहले पंजाब किंग्स के वीरेंद्र सहवाग ने 2014 में सीएसके के खिलाफ 122 रन की पारी खेली थी। उनकी टीम के 233 रन प्लेऑफ का सबसे बड़ा स्कोर भी है। पंजाब ने ही 2014 में 226 रन का रिकॉर्ड बनाया था।

10 छक्केलगाए, सुदर्शन के साथ 138 रन जोड़े

129 रन की पारी में शुभमन गिल ने 7 चौके और 10 छक्के लगाए। प्लेऑफ में किसी भी बैटर ने इससे पहले इतने छक्के नहीं लगाए थे। उनसे पहले ये रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम था, उन्होंने 2014 के फाइनल में केकेआर के खिलाफ 8 छक्के लगाए थे। शतकीय पारी में उन्होंने साई सुदर्शन के साथ 138 रन की पार्टनरशिप की, जो प्लेऑफ की तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

बटलर का रिकॉर्ड तोड़ने से 18 बाउंड्री दूर

गिल इस सीजन 78 चौके और 33 छक्के लगा चुके हैं। उनके 16 मैचों में 851 रन हैं और इस सीजन की ऑरेंज कैप वह ही जीतेंगे, क्योंकि दूसरे नंबर पर मौजूद फाफ डु प्लेसिस की टीम फाइनल से बाहर हो चुकी है। वहीं सीएसके के बेस्ट बैटर डेवोन कॉन्वे के इस सीजन 625 रन ही हैं, ऐसे में उन्हें गिल को पीछे छोड़ने के लिए 227 रन बनाने होंगे, जो एक मैच में पॉसिबल नहीं लगते।

गिल ने चौके और छक्के मिलाकर इस सीजन कुल 111 बाउंड्री भी लगाई हैं। एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा बाउंड्री का रिकॉर्ड जोस बटलर के नाम है, उन्होंने 2022 में 128 बाउंड्री लगाई थी। फाइनल में 18 बाउंड्री लगाकर गिल इस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकते हैं।

4 मैचों में तीसरा शतक लगाया

शुभमन गिल ने पिछले 4 मैचों में तीसरा आईपीएल शतक लगाया है। वह ऐसा करने वाले पहले ही खिलाड़ी बने, उनसे पहले विराट कोहली और जोस बटलर ने 6 पारियों में 3 शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया था। मुंबई से पहले गिल ने क्वालिफायर-1 में सीएसके के खिलाफ 42 रन बनाए थे।

गिल ने लीग स्टेज में टीम के आखिरी 2 मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 61 गेंद पर 101 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 58 गेंद पर 101 रन बनाए थे। आरसीबी के खिलाफ शतक लगाकर वे लगातार 2 आईपीएल सेंचुरी लगाने वाले चौथे प्लेयर बने थे। उनसे पहले कोहली, बटलर और शिखर धवन ऐसा कर चुके हैं।

एलएसजी के खिलाफ चूक गए थे सेंचुरी

एसआरएच के खिलाफ आईपीएल करियर की पहली सेंचुरी लगाने से पहले गिल लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ पूरे 20

ओवर खेलकर भी शतक नहीं लगा पाए थे। अहमदाबाद में ही एलएसजी के खिलाफ उन्होंने 51 गेंदो पर 94 रन की नॉटआउट पारी खेली थी।

मैच के बाद उन्होंने कहा था, '20 ओवर के बाद भी शतक नहीं लगने से निराश हूं, आगे के मैचों में जरूर सेंचुरी पूरी करूंगा।' लखनऊ के बाद गिल मुंबई के खिलाफ अगले मैच में 6 ही रन बना सके, लेकिन आगे के 4 मैचों में 3 शतक लगाकर खुद को साबित कर दिया।

विराट ने 2016 में बनाया था रिकॉर्ड

16 मैचों में 851 रन के साथ शुभमन गिल एक आईपीएल सीजन में 800 से ज्यादा रन बनाने वाले चौथे ही खिलाड़ी बने। उनसे पहले डेविड वार्नर, जोस बटलर और विराट कोहली ऐसा कर चुके हैं। वार्नर के 848 रन को तो गिल पीछे छोड़ चुके हैं, उनके सामने अब बटलर और कोहली ही बचे हैं।

बटलर ने 2022 के सीजन में 863 रन बनाए थे, वहीं कोहली ने 2016 में 973 रन बनाए थे। पिछले 7 सालों में उनके इस रिकॉर्ड के करीब बटलर ही पहुंच सके, लेकिन तोड़ नहीं सके। गिल CSK के खिलाफ रविवार के फाइनल में 49 रन बनाते ही 900 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन जाएंगे।

अगर गिल 123 रन या उससे ज्यादा की पारी खेलते हैं तो वह कोहली के एक सीजन में बनाए सबसे ज्यादा रन के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ देंगे। साथ ही वह एक IPL सीजन में सबसे ज्यादा शतक के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर लेंगे। कोहली ने 2016 और बटलर ने 2022 में भी 4-4 शतक लगाए थे।

अगस्त 2022 में लगाया पहला इंटरनेशनल शतक

आईपीएल से पहले गिल ने इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अपनी धाक जमाई। 2019 में भारत के लिए वनडे डेब्यू करने के बाद 3 साल तक उनके बैट से शतक नहीं निकला। उन्होंने 64, 82 और 98 रन की पारियां खेलीं, लेकिन सेंचुरी नहीं आई। फिर अगस्त 2022 में जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाकर उन्हें इंटरनेशनल सेंचुरी के स्वाद को चखा।

दिसंबर 2022 से रुके ही नहीं

जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे शतक के बाद दिसंबर 2022 में गिल ने टेस्ट शतक भी लगा दिया। उन्होंने टेस्ट डेब्यू दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था, लेकिन पहला शतक बांग्लादेश में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया।

क्रिकेट के सबसे चैलेंजिंग फॉर्मेट में शतक लगाने के बाद गिल के शतकों का सिलसिला शुरू हुआ। उन्होंने जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ एक और न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 वनडे शतक लगा दिए। इनमें न्यूजीलैंड के खिलाफ एक दोहरा शतक भी शामिल है।

टी-20आई में तोड़ चुके हैं विराट का रिकॉर्ड

टेस्ट में एक और वनडे में 4 शतक लगाने के बाद बारी टी-20 इंटरनेशनल की आई। न्यूजीलैंड के ही खिलाफ फरवरी में उन्होंने महज 63 गेंदों पर 126 रन की नॉटआउट पारी खेली। इस पारी से उन्होंने भारत के लिए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड बनाया, जो विराट के नाम था। कोहली ने 8 सितंबर 2022 को अफगानिस्तान के खिलाफ एशिया कप में 122 रन बनाए थे। गिल 3 महीनों के अंदर तीनों फॉर्मेट में 5 शतक लगाने के बाद भी शांत नहीं नहीं हुए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच में अपना दूसरा टेस्ट शतक लगा दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में ही 128 रन की पारी खेली। इसी मैच में कोहली ने भी 186 रन की पारी खेल अपने टेस्ट शतकों का सूखा खत्म किया था।

23 की उम्र में जीत चुके हैं आईपीएल

8 सितंबर 1999 के दिन पंजाब के फजिल्का में जन्में 23 साल के शुभमन अपने छोटे से करियर में कई ट्रॉफी जीत चुके हैं। 2018 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाया था। अंडर-19 के बाद 2019 में भारत की सीनियर टीम में डेब्यू किया। गिल 2020-21 के दौरान ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतने वाली टीम इंडिया के अहम सदस्य भी रहे। वहीं 2022 में गुजरात टाइटंस से आईपीएल भी जीत चुके गिल, इस आईपीएल सीजन से पहले ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज हराने वाली टीम इंडिया का भी हिस्सा रहे हैं।

अब डब्ल्यूटीसी और वर्ल्ड कप की चुनौती

भारत के सामने आईपीएल के बाद अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जीतने की चुनौती है। डब्ल्यूटीसी फाइनल के बाद टीम इंडिया को 50 ओवर का एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप भी खेलना है। गिल डब्ल्यूटीसी टीम का हिस्सा हैं।

जिस तरह के फॉर्म में वह बैटिंग कर रहे हैं, पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया के लिए वनडे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा के साथ वह ही ओपनिंग करेंगे। ऐसे में आईपीएल के बाद गिल के कंधों पर भारत को आईसीसी ट्रॉफी जिताने की जिम्मेदारी भी है।

अहमदाबाद में होगी आईपीएल की क्लोजिंग सेरेमनी

रैपर किंग और डिवाइन देंगे परफॉरमेंस, बीसीसीआई ने जारी किया लाइनअप

अहमदाबाद, 27 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 का फाइनल 28 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल फाइनल से पहले मैदान में क्लोजिंग सेरेमनी भी की जाएगी। इसमें रैपर डिवाइन, किंग डीजे न्यूक्लिया और सिंगर जोनिता गांधी अपनी परफॉरमेंस देंगे।

बीसीसीआई यानी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सेरेमनी 28 अप्रैल को फाइनल से पहले 6 बजे होगी।

2022 में रहमान ने किया था परफॉर्म

2022 की आईपीएल क्लोजिंग सेरेमनी में म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान और एक्टर रणवीर सिंह ने

परफॉर्म किया था।

ओपनिंग सेरेमनी भी अहमदाबाद में हुई थी

आईपीएल 2023 की ओपनिंग सेरेमनी भी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुई थी। सेरेमनी देखने के लिए सवा लाख दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे। मंदिरा बेदी ने करीब 55 मिनट चली ओपनिंग सेरेमनी को होस्ट किया। बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और रश्मिका मंदाना ने सेरेमनी में धमाकेदार परफॉर्मेंस दी थी।

मुंबई-चेन्नई लगातार दो बार मुकाबले जीत चुका, गुजरात के पास भी मौका

आईपीएल के इतिहास में केवल दो टीमों ने लगातार दो बार खिताब जीता है। पहली चेन्नई सुपर किंग्स और दूसरी मुंबई इंडियंस।

इसके आलावा अब गुजरात टाइटंस के पास भी लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतने का मौका है। मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस क्वालिफायर 2 का मुकाबला जाएगा। इसका विजेता फाइनल में चेन्नई के खिलाफ खेलेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 से पहले टीम इंडिया के लिए बुरी खबर

दोहरा शतक जड़ने वाला ये विकेटकीपर बल्लेबाज आईपीएल में चोटिल

खेल डेस्क, 27 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड में खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारियों में जुटी भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। दरअसल टीम में केएल राहुल की जगह रिप्लेसमेंट के रुप में शामिल किए गए विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन चोटिल हो गए हैं। उन्हें आईपीएल 2023 के क्वालिफायर 2 के दौरान आंख पर इंजरी हो गई है। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच दूसरा क्वालिफायर खेला गया। इसमें मुंबई इंडियंस को हार तो मिली ही साथ ही टीम के कई खिलाड़ी भी चोटिल हो गए। इन सब में सबसे गंभीर चोट विकेट कीपर बल्लेबाज ईशान किशन को

लगी। गुजरात टाइटंस की पारी के 16वें ओवर के बाद घटी। क्रिस जॉर्डन अपना ओवर पूरा करने के बाद कैप पहन रहे थे, इस दौरान उनके बगल से गुजर रहे ईशान किशन की आंख पर इंग्लिश गेंदबाज की कोहनी लग गई। जॉर्डन से टकराने के बाद किशन मैदान पर ही बैठ गए। इस दौरान फिजियो मैदान पर आए और जब उन्हें सब ठीक नहीं लगा तो वह इस सलामी बल्लेबाज को मैदान से बाहर ले गए।

ईशान किशन को लगी चोट इतनी गहरी थी कि वे इसके बार पूरे मैच से ही बाहर हो गए। किशन दूसरी इनिंग में बल्लेबाजी भी करने नहीं आए और उनकी जगह विष्णु विनोद को कनकशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर शामिल किया गया।मैच खत्म होने के बाद ईशान किशन बाकी खिलाड़ियों के साथ मैदान पर हाथ मिलाते जरूर नजर आए, मगर अभी तक उनकी चोट पर कोई अधिकारिक अपडेट सामने नहीं आया है। किशन वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। वे केएल राहुल के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किए गए थे। अगर उनकी यह चोट गंभीर पाई जाती है तो टीम इंडिया के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। किशन ने भारत के लिए अब तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है। हालांकि वनडे में उनके नाम एक दोहरा शतक है।

वीरेंद्र सहवाग ने चुने आईपीएल 2023 के टॉप 5 बल्लेबाज

रिंकू सिंह समेत इन खिलाड़ियों को दी जगह

नई दिल्ली, 27 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 अपने अंत की ओर बढ़ गया है और रविवार को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मैच खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में कई खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी को इंप्रेस किया है। इसमें से तो कई अनकैप्ड खिलाड़ी भी हैं। जिन्होंने मुश्किल घड़ी में रन बनाकर टीम को जिताया है। ऐसे में इन्हीं में से पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने आईपीएल 2023 के अपने टॉप-5 बल्लेबाज चुने हैं।

1. रिंकू सिंह

क्रिकबज पर चर्चा के दौरान सहवाग ने टॉप बल्लेबाजों में पहला नाम रिंकू सिंह का लिया। उन्होंने इसे लेकर कहा कि 'मेरे दिमाग में पहला नाम रिंकू सिंह का आता है, क्योंकि आपके दिमाग में कोई ऐसा खिलाड़ी नहीं आएगा, जिसने लगातार पांच छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई हो। सिर्फ रिंकू सिंह ने ऐसा किया है।'

2. शिवम दूबे

वीरेंद सहवाग ने इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के स्टार बल्लेबाज शिवम दुबे को चुना है। सहवाग दुबे की छक्के मारने की कला से काफी इंप्रेस हुए। उन्होंने कहा कि 'मेरे लिए दूसरे नंबर पर मिडिल ऑर्डर बैटर शिवम दूबे हैं, जिन्होंने 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए और कुल 33 छक्के जड़े हैं।

पिछला सीजन अच्छा नहीं था, लेकिन इस सीजन वह एक दम साफ मनोदशा से आए कि उन्हें छक्के लगाने हैं।"

3. यशस्वी जायसवाल

वीरेंद्र सहवाग ने पांच खिलाड़ियों की लिस्ट में केवल एक ओपनर को चुना है जो कि राजस्थान के युवा खिलाड़ी य श स् वी जायसवाल हैं। उन्होंने इसे लेकर कहा है कि "तीसरा पिक मेरा ओपनर है। मुझे उनका नाम लेना पड़ेगा, क्योंकि उसने दमदार बल्लेबाजी है और इसी वजह से मुझे उसे चुनना पड़ा है। ये यशस्वी जायसवाल हैं।' बता दें कि जायसवाल ने इश सीजन में अपनी बल्लेबाजी की कला से सभी को मुरीद बना लिया है।

4. सूर्यकुमार यादव

पूर्व क्रिकेटर ने अपनी लिस्ट में चौथे नंबर पर टीम इंडिया के मिस्टर 360 सूर्यकुमार यादव को शामिल किया है जिन्होंने आईपीएल में दमदार वापसी की है। इसे लेकर सहवाग ने कहा है कि 'सूर्यकुमार यादव इंटरनेशनल क्रिकेट में जीरो बना रहे थे, लेकिन आईपीएल 2023 में उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी की।' बता दें कि सूर्यकुमार यादव ने इस सीजन में एक शतक समेत 600 से भी ज्यादा रन बनाए हैं।

5. हेनरी क्लासेन

भारतीय टीम के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने पांचवे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के फिनिशर हेनरी क्लासेन को शामिल किया है। सहवाग ने क्लासेन की स्पिन के खिलाफ रन बनाने की कला की जमकर तारीफ की है।

एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड ने किया नई जर्सी का ऐलान

खेल डेस्क, 27 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 16 जून से एशेज सीरीज की शुरुआत होने वाली है। कुल 5 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को 7 जून से टीम इंडिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना है। एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम नेनई जर्सी का खुलासा किया है।

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक विडियो शेयर किया है, जिसमें अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी इस्सी वोंग और केट क्रॉस टीम की नई जर्सी में दिख रही हैं। विडियो के कैप्शन में लिखा है कि "एशेज सीरीज की शुरुआत। शेष टेस्ट सीरीज की शर्ट अब उपलब्ध है।"

पिछली बार ऑस्ट्रेलिया ने जीती थी सीरीज

पिछले एशेज सीजन में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 4-0 से हराया था। इस सीजन में इंग्लैंड बदला लेने के मैदान पर उतरेगी।

एशेज सीरीज 2023 का शेड्यूल

16 जून- 20 जून 2023: पहला टेस्ट, इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया, एजबेस्टन

28 जून- 2 जुलाई: दूसरा टेस्ट, लॉर्ड्स

6 जुलाई- 10 जुलाई: तीसरा टेस्ट, हेडिंग्ले

19 जुलाई- 23 जुलाई: चौथा टेस्ट, अमीरात ओल्ड ट्रैफर्ड

27 जुलाई- 31 जुलाई: 5वां टेस्ट, किआ ओवल

रिकी पोंटिंग ने चुनी ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11, इन खिलाड़ियों को दी जगह

खेल डेस्क, 27 मई (एजेंसियां)। 7 जून से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। इस लेकर टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ी इंग्लैंड पहुंच भी गए हैं। एक दिन पहले रवि शास्त्री ने टीम इंडिया की प्लेइंग 11 चुनी थी, अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने इस मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 का चयन किया है।

रिकी पोंटिंग ने इन खिलाड़ियों को दी जगह

रिकी पोंटिंग ने सलामी बल्लेबाज के रूप में उस्मान ख्वाजा और डेविड वॉर्नर को जगह दी है। दूसरी नंबर पर उन्होंने मार्नस लाबुशेन को रखा है। चौथे नंबर पर स्टीव स्मिथ को जगह दी है। पांचवे नंबर पर ट्रेविड हेड को जगह दी है।

आईसीसी रिव्यू प्रोग्राम में रिकी पोटिंग ने इस मुकाबले को लेकर कहा कि 'वह 33 साल के पेसर माइकल नेसर को इलवेन में जरूर खिलाना चाहेंगे। वह इंग्लिश हालात में एक शानदार गेंदबाज साबित होंगे। हम पहले से ही काउंटी क्रिकेट में यह देख चुके हैं। वह उन हालात के लिए एकदम अनुकूल हैं। रिकी पोंटिंग ने उम्मीद जताई है कि फाइनल के लिए अगर हेजलवुड फिट नहीं होते हैं, तो तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को XI जरूर शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीने में बोलैंड असाधारण रहे हैं। वह एक ऐसे गेंदबाज हैं, जो इंग्लिश हालात में जरूर बेहतर करेंगे।

डब्ल्यूटीसी के लिए रिकी पोंटिंग की फाइनल 11 इस प्रकार है : 1. पैट कमिंस (कप्तान), 2. उस्मान ख्वाजा, 3. डेविड वॉर्नर, 4. मारनस लबुशेन, 5. स्टीव स्मिथ. 6. ट्रेविस हेड, 7. कैमरून ग्रीन, 8. एलेक्स कैरी, 9. मिशेल स्टॉर्क, 10. नऑन लॉयन, 11. स्कॉट बोलैंड/माइकल नेसर।

'अगर मैं चोटिल न होता तो पाक को वर्ल्ड कप जिता देता'

शाहीन शाह अफरीद ने दिया बड़ा बयान

खेल डेस्क, 27 मई (एजेंसियां)। साल 2022 में खेले गए टी20 विश्वकप में इंग्लैंड ने खिताब अपने नाम किया था। फाइनल में पाकिस्तान की टीम को हार मिली थी। इस मुकाबले को करीब 7 महीने हो गए हैं। अब पाकिस्तान टीम के स्टार गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि 'अगर मैं फाइनल में चोटिल नहीं हुआ होता तो पाकिस्तान को वर्ल्ड कप जिता देता।'

ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर बातचीत के दौरान शाहीन अफरीदी ने 2022 में खेले गए टी20 विश्वकप को लेकर कहा कि 'निश्चित तौर पर हर एक प्लेयर का सपना होता है कि वो अपने देश के लिए वर्ल्ड कप का खिताब जीते। मुझे 2021 का टी20 वर्ल्ड कप अभी भी याद है। इसके

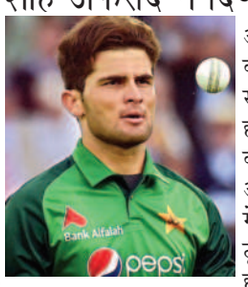

अलावा 2022 के वर्ल्ड कप में अगर मैं अहम समय पर चोटिल ना हुआ होता तो शायद हम वर्ल्ड कप जीत जाते। शायद अगर मैं फिट होता और गेंदबाजी करता तो हम टूर्नामेंट जीत जाते। हालांकि इंजरी कभी भी हो सकती है।'

आपको बता दें कि 2022 के टी20 विश्वकप में पाकिस्तान और इंग्लैंड की टीमें आमने-सामने थीं। इस मैच में शाहीन शाह अफरीदी को चोट लग गई थी। वह सिर्फ 2.1 ओवर डाल पाए थे। उन्होंने 13 रन देकर 1 विकेट भी निकाला था। अफरीदी के चोटिल होने से पाकिस्तान टीम को काफी ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा था और पाकिस्तान वह मैच हार गई थी।

वर्ल्डकप फाइनल में चोटिल होने वाले शाहीन अफरीदी इंग्लैंड के खिलाफ 3 टेस्ट और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट और 3 वनडे मुकाबले नहीं खेल पाए।

सीएम ने चिकित्सा क्षेत्र के विकास को अधिक प्राथमिकता दी : हरीश राव

मंत्रियों ने जेडचर्ला में किा 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का उद्घाटन

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने अपने कैबिनेट सहयोगी वी. श्रीनिवास गौड़ और विधायक लक्ष्मा रेड्डी के साथ शनिवार को जेडचर्ला के बड़ेपल्ली में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का उद्घाटन किया। अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने विधायक लक्ष्मा रेड्डी को अस्पताल स्थापित करने के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि लक्ष्मा रेड्डी ने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अस्पताल निर्माण के लिए उदारतापूर्वक अपनी भूमि का योगदान दिया। मंत्री ने यह भी सवाल किया कि जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में थी, तब महबूबनगर में एक मेडिकल कॉलेज क्यों नहीं बनाया गया। हरीश राव ने "झूठ फैलाने की आदत" के लिए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेताओं की आलोचना की। उन्होंने बीआरएस नियम के तहत हुई प्रगति की तुलना की, इस बात पर जोर देते हुए कि कांग्रेस हर 20 साल में तेलगाना में केवल एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने में कामयाब रही, जबकि केसीआर शासन के तहत, केवल एक साल में आठ मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, जिसमें अतिरिक्त नौ मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, मंत्री ने स्वीकार किया कि लक्ष्मा रेड्डी ने कोडंगल में 50 बिस्तरों वाले अस्पताल की स्थापना में भी मदद की थी, जिसका प्रतिनिधित्व पहले राज्य कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी करते थे।

दमरे हैदराबाद-कटक के बीच चलाएगा 10 विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे हैदराबाद और कटक के बीच दस ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाएगा। इसके अनुसार हैदराबाद-कटक (07165) ट्रेन 30 मई, 6, 13, 20 और 27 जून को चलेगी। कटक-हैदराबाद (07166) ट्रेन 31 मई, 7, 14, 21 और 28 जून को चलेगी। एससीआर ने कहा कि इन विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे हैं।

शराब घोटाला मामले पर चर्चा के लिए केजरीवाल ने केसीआर से की मुलाकात : पोन्नला

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पोन्नला लक्ष्मैया ने आज आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कुख्यात शराब घोटाला मामले पर चर्चा के लिए अपने तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर से मुलाकात की। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए पोन्नला ने केजरीवाल से पूछा कि अन्ना हजारे कहां हैं, जो हर वक्त केजरीवाल के साथ रहते थे। यह कहते हुए कि केसीआर के पूर्ववर्तियों ने पिछले 69 वर्षों में कुल 71000 करोड़ रुपये का ऋण लिया, उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री ने पिछले नौ वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया है।

पोन्नला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए पीएम से पूछा कि क्या लोकतंत्र में उनकी आस्था है? उन्होंने कहा कि देश में लोग हाथ उठा रहे हैं और भाजपा के शासन के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। उन्होंने उपहास उड़ाते हुए कहा कि भाजपा सरकार कुछ नहीं, अध्यादेशों की सरकार है। उन्होंने साफ कर दिया कि नए संसद भवन की परवाह किए बिना भाजपा के अलोकतांत्रिक शासन में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने मोदी से यह भी पूछा कि काला धन वापस लाने के उनके वादे का क्या हुआ।

तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस समारोह के लिए पुख्ता व्यवस्था करें : तलसानी

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास और सिनेमैटोग्राफी राज्य मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे हैदराबाद में भव्य तरीके से आयोजित होने वाले तेलंगाना के 10वें स्थापना दिवस समारोह के लिए पुख्ता व्यवस्था करें। तेलंगाना राज्य के 9 साल पूरे होने और 10वें बसंत में प्रवेश करने के अवसर पर 2 जून से 22 जून तक राज्य भर में आयोजित होने वाले तेलंगाना दासब्दी उत्सव के अवसर पर डॉ. अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय ने मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक अलग बैठक की। मंत्री ने विधानसभा क्षेत्रों के कार्यक्रमों के समन्वय के लिए विशेष नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला कलेक्टर और जीएचएमसी आयुक्त को इस मामले पर एक विशेष बैठक करनी चाहिए और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय करना चाहिए जो उत्सव का आयोजन कर रहे हैं और कार्यक्रम को निर्वाचन क्षेत्रों के रूप में डिजाइन करते हैं। उन्होंने संबंधित विधायकों, एमएलसी और अन्य जनप्रतिनिधियों से इन त्योहारों के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की ताकि तेलंगाना सरकार द्वारा लागू किए गए जन कल्याणकारी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। इस मौके पर मंत्री श्रीनिवास यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव द्वारा 2 जून को गन पार्क स्थित शहीद स्तूप पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद डॉ. बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में झंडा फहराएंगे और समारोह की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कलवकुंतला चंद्रशेखर राव ने राज्य गठन के बाद से पिछले 9 वर्षों में हुए विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी लोगों को देने का आदेश दिया है।

बैठक में मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी, एमएलसी प्रभाकर राव, विधायक दानम नागेंद्र, कालेरू वेंकटेश, मुथा गोपाल, निगम अध्यक्ष रावुला श्रीधर रेड्डी, गज्जेला नागेश, अयाचितम श्रीधर, विपिलाप कुमार, मन्ने कृष्णक, नगर पुस्तकालय निगम के अध्यक्ष प्रसन्ना, बीसी आयोग के सदस्य किशोर मौजूद थे। बैठक में नगर पुलिस आयुक्त सी.वी.आनंद, वाटर वर्क्स के एमडी दाना किशोर, समाज कल्याण आयुक्त राहुल बोज्जा, स्कूल शिक्षा निदेशक देवसेना, कलेक्टर अमय कुमार, जीएचएमसी आयुक्त लोकेश कुमार, एचएमडीए सीई (झील) बीएन.रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

कर्ज चुकाने के लिए बैंक द्वारा प्रताड़ित व्यक्ति ने फांसी लगा ली

संगारेड्डी, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक निजी बैंक द्वारा कथित तौर पर परेशान किए जाने के कारण अपने परिवार के कमाने वाले एक व्यक्ति ने पटानचेरु पुलिस सीमा में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस के मुताबिक, 38 वर्षीय चेंचलपेट श्रीनिवास शुक्रवार रात पाटनचेरु के रुद्रराम स्थित अपने घर में फांसी पर लटका मिला।

वह अपने गांव के पास ही एक कंपनी में काम करता था। छह महीने पहले जब उनकी मां का निधन हुआ, तो श्रीनिवास ने उनके अंतिम संस्कार और 10वें दिन के समारोह पर खर्च करने के लिए अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से कर्ज लिया था। इन कर्जों को चुकाने के लिए उसने फिर आईडीएफसी बैंक से कर्ज लिया। हालांकि, जब वह कुछ ईएमआई चुकाने में विफल रहा, तो बैंक के कर्मचारियों ने कथित तौर पर उसे फोन करना शुरू कर दिया और उसे धमकी भी दी कि वे कर्ज चुकाने में विफल रहने पर उसके दोस्तों और रिश्तेदारों को बताकर उसे शर्मिंदा करेंगे। उनकी पत्नी लावण्या ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में कहा कि बैंक कर्मचारियों ने उनके बैंकिंग लेनदेन को ब्लॉक करने और उनके आधार कार्ड को 'निलंबित' करने की धमकी भी दी थी। कहा जाता है कि इससे अपमानित होकर श्रीनिवास ने फांसी लगा ली।

लावण्या ने पुलिस को बताया कि श्रीनिवास की रातों की नींद हराम हो गई थी क्योंकि उसे बैंक से बार-बार फोन आते थे। हालांकि परिवार वालों का कहना है कि उसने करीब 4 लाख रुपए का कर्ज लिया था, लेकिन इसका कोई सबूत उनके पास नहीं है। इंस्पेक्टर एन. वेणुगोपाल रेड्डी ने कहा कि वे श्रीनिवास के सटीक ऋण की पुष्टि कर रहे हैं और कहा कि पुलिस ग्राहकों को परेशान करने वाले बैंकों या ऋण ऐप के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करेगी। इस बीच शनिवार को क्षेत्रीय अस्पताल पाटनचेरू में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। श्रीनिवास के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं।

तिरपाल के नीचे सो रहे किसान को ट्रैक्टर ने रौंदा

करीमनगर, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धान क्रय केंद्र पर धान लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। यह घटना तिम्मापुर मंडल के वचुनूर में शनिवार सुबह हुई। ग्रामीणों के मुताबिक उप्पुलेटी मोंडैया (60) दो दिन पहले आईकेपी क्रय केंद्र पर अपनी फसल लेकर आया था। चिलचिलाती धूप के चलते सुबह 3 बजे से धान की तुलाई हो रही थी। मोंदैया केंद्र में तिरपाल से खुद को ढक कर सो गए, जो धान को बारिश से बचाने के साथ-साथ सुखाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, ट्रैक्टर में धान की ढुलाई कर रहे चालक को इसकी भनक नहीं लगी और उसने मोनदैया के ऊपर वाहन चढ़ा दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एलएमडी पुलिस ने मामला दर्ज कर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय अस्पताल में शिफ्ट कर दिया है।

खोई हुई शान को फिर से पाने को तैयार सिकंदराबाद की पुराना जेल खाना

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास (एमए&यूडी) विभाग द्वारा सिकंदराबाद के पुराना जेलखाने के जिर्णोद्धार करने का निर्णय लेने के साथ यह जेलखाना अपने पिछले गौरव को फिर से हासिल करने के लिए तैयार है। अधिकारियों के अनुसार, इस विरासत भवन के ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित करते हुए जीर्णोद्धार कार्य किया जाएगा।

अखंड ग्रेनाइट और चूना पत्थर का उपयोग करके बनाया गया पुराना जेल खाना 1826 में बनाया गया था और ब्रिटिश शासकों द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वालों को कैद करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। बाद में, इस इमारत को एक व्यावसायिक परिसर में बदल दिया गया और तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) को सौंप दिया गया।

सिकंदराबाद के 200वें वर्ष समारोह के दौरान 2006 में पुरानी जेल खाना को एक विरासत संरचना घोषित किया गया था। वर्तमान में, लगभग 62 दुकानें इस भवन से संचालित होती हैं, जिनमें हथकरघा कपड़े, स्कूल की वर्दी और पर्दे, चादरें, तकिए आदि जैसे घरेलू सामान बेचने वाली दुकानें शामिल हैं। भवन के जीर्णोद्धार के लिए सरकार के फैसले पर दुकानदारों व ओल्ड जेल खाना टेनेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों ने खुशी जाहिर की।

ओल्ड जेल खाना टेनेंट्स एसोसिएशन के महासचिव श्रीनिवास मलाथकर ने कहा कि पुरानी जेल खाना संरचनात्मक रूप से फिट है और इसे बस कुछ सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि आवश्यक कार्य करके इसकी सुंदरता को बढ़ाया जाए।

जेल खाना बिल्डिंग स्थित एक दुकानदार ने कहा कि वह और उनका परिवार इस जगह से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। उसका परिवार दशकों से यहां से कारोबार चला रहा है। अगर इमारत को नया जीवन मिलता है, तो उन्हें बहुत खुशी होगी।

विक्रेता सरकार से आग्रह करते हैं कि उन्हें बिना किसी असुविधा के यहां बहाली शुरू की जाए। उन्होंने ने बताया कि बंसीलालपेट बावड़ी और मोअज्जम जाही मार्केट को बहाल कर दिया गया है और यह सुनिश्चित किया गया है कि वहां विक्रेताओं को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

तेलंगाना में 12 जून से फिर से खुलेंगे स्कूल

फाइल फोटो

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूलों को फिर से खोलने के लिए उलटी गिनती शुरू होने के साथ, छात्रों के पास गर्मी की छुट्टियों का आनंद लेने के लिए बस कुछ हफ़्ते बचे हैं। स्कूल 12 जून को नए शैक्षणिक वर्ष के लिए फिर से खुलने के लिए तैयार हैं।

जबकि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूल मार्च और अप्रैल के महीनों में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 शुरू कर चुके हैं, राज्य बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त स्कूल 12 जून से शैक्षणिक वर्ष शुरू करेंगे। गर्मी की छुट्टियां समाप्त होने के साथ, कई परिवार जो यात्रा पर बाहर गए हैं या अपने गृह नगरों में समय बिता रहे हैं, उन्होंने सामान समेटना शुरू कर दिया है।

आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा के बाद, नौवीं कक्षा के लिए एक महीने के लिए क्लासवर्क आयोजित किया गया था और बाद में हमें 11 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश दिया गया था। हालांकि शिक्षकों द्वारा ज्यादा होमवर्क नहीं दिया गया है, मेरे माता-पिता नौवीं कक्षा की अवधारणाओं का अध्ययन करने पर जोर दे रहे हैं। वर्तमान में, मैं अपने गृहनगर में आराम कर रहा हूं, निजी सीबीएसई स्कूल की नौवीं कक्षा की छात्रा इरीन ने कहा।

हालांकि, कुछ के लिए छुट्टियां ज्यादा मायने नहीं रखती हैं। विशेष रूप से कक्षा दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्र अपने स्कूल प्रबंधन द्वारा संचालित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने या अपने अवकाश के समय में आईआईटी संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) या राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी में व्यस्त हैं।

सीबीएसई स्कूल के एक छात्र ने कहा कि गर्मी की छुट्टी होने के बावजूद, स्कूल प्रबंधन रोजाना सुबह लगभग एक घंटे ऑनलाइन कक्षाएं ले रहा है। बस कुछ हफ़्ते बचे हैं, यहां तक कि माता-पिता भी, अपने वार्ड की तैयारियों में नोटबुक, स्टेशनरी और पाठ्यपुस्तकों की खरीदारी में जुटे हुए हैं, जो पहले ही बाजारों में आ चुके हैं। हालांकि शिक्षकों को ग्रीष्मावकाश दिया गया है, लेकिन उन्हें पाठ योजना तैयार करने और उसे जमा करने को कहा गया है।

हमें कक्षा में पढ़ाए जाने के लिए विषयवार पाठ योजना और सामग्री प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। अवकाश के पूर्व विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षण की नवीन एवं नवीन पद्धतियों पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। शिक्षकों को 2 जून को स्कूल में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

रैतू बीमा से महबूबनगर में 16,601 परिवारों को मिली तत्काल राहत

महबूबनगर, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा राज्य में किसानों के लिए शुरू की गई अनूठी समूह जीवन बीमा योजना रायथु बीमा तत्कालीन महबूबनगर जिले के किसानों के परिवारों के लिए वरदान साबित हुई है। यह किसानों की असामयिक मृत्यु से शोक संतप्त परिवारों को वित्तीय राहत के एक प्रमुख स्रोत के रूप में सामने आया है। अधिकारियों के अनुसार, अगस्त 2018 में योजना शुरू होने के बाद से तत्कालीन महबूबनगर जिले में लगभग 16,601 किसान परिवारों को कवर करते हुए अब तक 830.35 करोड़ रुपये के बीमा दावों का निपटान किया गया है, जिसमें प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये प्राप्त हुए हैं।

गडवाल जिले के जामिचेड की सुशीलम्मा, जिन्होंने सरकार से सहायता प्राप्त की, ने कहा: मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई योजना से हमारे परिवार को बहुत मदद मिली है। मेरे पति का निधन पांच साल से भी कम समय पहले हुआ था, और हम गुज़ारा करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। लेकिन योजना से होने वाली आय की बदौलत हम अपनी बेटी की शादी करने और घर बनाने में सक्षम हो गए। अब हम अपनी तीन एकड़ जमीन पर फसल उगाने में सक्षम हैं, और इस तरह की मददगार योजना शुरू करने के लिए हम सीएम केसीआर के बहुत आभारी हैं।

अतीत में, सरकारी योजनाओं को अक्सर बिचौलियों के कारण लक्षित लाभार्थियों तक नहीं पहुँचाया जाता था।

ये बिचौलिए लाभार्थियों के लिए कम छोड़कर, लाभों में कटौती करेंगे। किसानों के परिवारों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले, इसके लिए मुख्यमंत्री ने सीधे नामांकित व्यक्ति के खाते में पैसा जमा कराने की दिशा में कदम उठाया है. अधिकारियों ने कहा कि इसने बिचौलियों की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है और यह सुनिश्चित किया है कि लाभ सीधे उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

भारत गौरव ट्रेन ने सिकंदराबाद स्टेशन से अपनी 5वीं यात्रा शुरू की

हैदराबाद, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे की भारत गौरव ट्रेन को यात्रियों से 100 प्रतिशत संरक्षण मिलने के साथ भारी प्रतिक्रिया मिल रही है।

दो तेलुगु राज्यों के यात्रियों को एक अनूठा अवसर प्रदान करने वाली टूरिस्ट सर्किट ट्रेन के रूप में शुरू हुई, ट्रेन ने चार सफल यात्राएँ पूरी करने के बाद शनिवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अपनी 5वीं यात्रा शुरू की।

केआरके रेड्डी, प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम), दक्षिण मध्य रेलवे, 5वीं भारत गौरव ट्रेन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने यात्रियों के ऑनबोर्ड खानपान सुविधाओं का निरीक्षण किया और टूर पैकेज के विवरण और राय के बारे में यात्रियों से बातचीत भी की। सिकंदराबाद के अलावा, ट्रेन काजीपेट, खम्मम, विजयवाड़ा, एलुरु, राजमुंदरी, समालकोट और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों जगहों पर बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग सुविधाएं प्रदान करती है। 8 रातों/9 दिनों की अवधि में, रेल उपयोगकर्ताओं को पुरी, कोणार्क, गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज जैसे आध्यात्मिक स्थानों पर ले जाया जाएगा। यात्रियों को विभिन्न प्रकार की यात्रा श्रेणी जैसे सेकंड एसी, एसी (1), थर्ड एसी (3), और स्लीपर (7), एसी और गैर-एसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने भारत गौरव ट्रेन को लोगों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

जगन शासन में राज्य बुरी तरह प्रभावित : चंद्रबाबू

राजमहेंद्रवरम, 27 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को यहां कहा कि मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के शासन के दौरान राज्य प्रतिकूल रूप से प्रभावित है तथा राजस्व बहुत बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने बुद्धिजीवियों से इस बात पर विचार करने का आह्वान किया कि राज्य कैसा था?

चल रहे महानाडु में चले गए गरीबी से पीड़ित अगड़े वर्गों के कल्याण के प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए चंद्रबाबू नायडू ने महसूस किया कि आंध्र प्रदेश का राजस्व कभी तेलंगाना की तुलना में बहुत अधिक था, लेकिन अब यह कम हो गया है। नायडू ने टिप्पणी की कि पहले दिन से, जगन मोहन रेड्डी सरकार राज्य को नष्ट करने के एकमात्र उद्देश्य से काम कर रही है।

यह बताते हुए कि 2019 में, आंध्र प्रदेश का राजस्व 66786 करोड़ रुपये था, जबकि तेलंगाना का 69620 करोड़ रुपये था, नायडू ने कहा कि 2022-23 तक, आंध्र प्रदेश का राजस्व 94916 करोड़ रुपये है और तेलंगाना का राजस्व बढ़कर 1321175 करोड़ रुपये हो गया। इसका मतलब है कि तेलंगाना का राजस्व आंध्र प्रदेश से 37,259 करोड़ रुपये अधिक है।

अगर अमरावती सहित सभी परियोजनाएं पूरी हो जातीं तो आंध्र प्रदेश अच्छी तरह से फलता-फूलता, टीडीपी सुप्रीमो ने कहा और कहा कि 2019 में आंध्र प्रदेश में जीएसटी के माध्यम से राजस्व 24957 करोड़ रुपये था जबकि तेलंगाना में यह 18779 करोड़ रुपये था। तेलंगाना की तुलना में आंध्र प्रदेश में 6,000 करोड़ रुपये अधिक राजस्व था। हालांकि, 2022-23 तक आंध्र प्रदेश में जीएसटी राजस्व तेलंगाना में 41888 करोड़ रुपये के मुकाबले 38840 करोड़ रुपये है। यह सब इसलिए क्योंकि आंध्र प्रदेश में कोई व्यावसायिक गतिविधियां नहीं हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.